बुनियादी ढांचा सुधार से तेजी से बढ़ रहा उप्र का संपत्ति बाजार : यूपी रेरा
-12

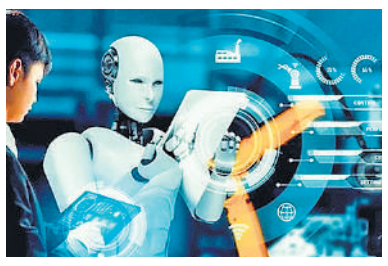

कामकाज का मॉडल बदल रहा एआई, पर बाजार नहीं होगा कम
-12

तीस्ता पर तनाव : भारत से जुड़ा मुद्दा लेकर चीन के पास पहुंचा बांग्लादेश
-13

विनेश फोगाट एशियन गेम्स के सेलेक्सन ट्रायल के लिए अयोग्य घोषित
-14

आज का मौसम
34.0⁰ अधिकतम तापमान
23.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.27
सूर्यास्त 06.44

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

कानपुर नगर

www.amritvichar.com
2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष षष्ठी, 12:21 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2083
शुक्रवार, 8 मई 2026, वर्ष 4, अंक 257, पृष्ठ 14 मूल्य 5 रुपये

दमखम

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को बिथ्याणी महाविद्यालय (यमकेश्वर, उत्तराखंड) में युवाओं को फिटनेस के प्रति प्रेरित करने के लिए ओपन जिम उपकरणों पर व्यायाम किया।

ऑपरेशन सिंदूर अंत नहीं था, यह तो बस एक शुरुआत है

OPERATION SINDOOR

● सेना का संदेश- कोई आतंकी ठिकाना सुरक्षित नहीं

जयपुर, एजेंसी

वाइस एडमिरल प्रमोद

एयर मार्शल अवधेश

उप प्रमुख ले. जनरल जुबिन

भारतीय सेना ने गुरुवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि पाकिस्तान में कोई भी आतंकी ठिकाना सुरक्षित नहीं है और यह मिशन तो बस एक शुरुआत है।

ऑपरेशन सिंदूर के एक वर्ष पूरे होने पर भारतीय वायुसेना, नौसेना और थलसेना के सैन्य अभियानों के प्रमुखों ने जयपुर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ऑपरेशन के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। इस अभियान को सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देने के लिए पाकिस्तान को दंडित करने के वास्ते पिछली आधी सदी में भारत का सबसे व्यापक सैन्य अभियान बताया गया। इस ऑपरेशन के क्रियान्वयन में अहम भूमिका निभाने वाले सेना के तत्कालीन सैन्य संचालन महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर अंत नहीं था, यह तो बस एक शुरुआत है। घई ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने अपनी पुरानी रणनीतियों से हटकर एलओसी और पाकिस्तान के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पार स्थित आतंकवादी ढांचों को बेहद समन्वित तरीके से निशाना बनाया। यह अभियान हमारे देश के संकल्प, जिम्मेदारी और रणनीतिक संयम का प्रतीक था। तत्कालीन एयर ऑपरेशन्स महानिदेशक एयर मार्शल भारती ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने वायु शक्ति की अहमियत को फिर से स्थापित किया। 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के जवाब में भारत ने पिछले वर्ष सात मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था।

पहली वर्षगांठ पर पाकिस्तान को भारतीय सेना का करारा जवाब

शतरंज का खेल, पारियों की हार

नई दिल्ली। पिछले साल सात मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने के बाद से एक साल के भीतर, सैन्य अधिकारियों ने इसकी जटिलताओं का वर्णन करने के लिए कई उपमाओं का इस्तेमाल किया है- दुश्मन की अगली चाल के बारे में अनिश्चितता को दर्शाने के लिए 'शतरंज का खेल' से लेकर भारत की जीत की विशालता को उजागर करने के लिए 'पारियों की हार' तक। इस सैन्य कार्रवाई में शुरुआत से ही प्रतीकात्मकता अंतर्निहित थी। इसके नाम के साथ-साथ अब व्यापक रूप से पहचाने जाने वाले 'लोगो' से भी एक स्पष्ट संदेश मिलता है।

मोदी ने सो. मीडिया की डीपी बदली

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के एक साल पूरा होने पर अपने सभी सोशल मीडिया हैंडल पर डिस्प्ले पिक्चर (डीपी) बदल दी तथा उन्होंने सभी से सशस्त्र बलों और उनकी सफलता के प्रति सम्मान के रूप में ऐसा ही करने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने एक पोस्ट में कहा कि एक साल पहले भारतीय सशस्त्र बलों ने अपने शौर्य का प्रदर्शन किया था और हमला करने वालों को करारा जवाब दिया था।

न्यूज ब्रीफ

दिल्ली में वर्ष 2024 में 23,058 लोग लापता

नई दिल्ली। दिल्ली में वर्ष 2024 में कुल 23,058 लोग लापता हुए, जिनमें 9,482 पुरुष और 13,576 महिलाएं शामिल थीं। यह जानकारी राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट से मिली। शहर में 2024 में लापता वयस्कों के 17,567 नए मामले दर्ज किए गए, जिनमें 7,911 पुरुष और 9,656 महिलाएं शामिल हैं। बुधवार को जारी एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, पिछले वर्षों से 14,637 पुरुष, 18,238 महिलाएं और छह उभयलिंगी अब भी लापता हैं। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 2024 में दिल्ली में लापता व्यक्तियों के कुल 55,939 मामले दर्ज किए गए थे, जिनमें 24,119 पुरुष, 31,814 महिलाएं और छह ट्रांसजेंडर शामिल थे।

अवैध दवा : अंतर्राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने नकली दवा बनाने, सरकारी आपूर्ति की दवाओं पर नए लेबल लगाने तथा उन्हें वितरित करने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के मुखर्जी नगर इलाके में एक अवैध इकाई का भी पता चला है, जहां दवाइयों की प्रोसेसिंग और दोबारा पैकिंग की जा रही थी। यह गिरोह उत्तर प्रदेश के सरकारी अस्पतालों के लिए भेजी गई दवाइयों हासिल करता था। गिरफ्तार किए गए लोगों में मुखर्जी नगर का निवासी कथित सरगना मनोज कुमार जैन (56), पंचकूला (हरियाणा) निवासी राजू कुमार मिश्रा (57), प्रयागराज निवासी विक्रम सिंह उर्फ सन्नी (32) और वतन (35) शामिल हैं।

जनगणना 2027 का शंखनाद, योगी बोले- विकास का बनेगा मूल आधार

उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ आबादी के लिए 5.47 लाख कार्मिक तैनात किए

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी ने गुरुवार को जनगणना-2027 के प्रथम चरण का औपचारिक शुभारंभ करते हुए इसे समग्र और समावेशी विकास की सबसे महत्वपूर्ण आधारशिला बताया। सीएम आवास पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने 'हमारी जनगणना-हमारा विकास' के संकल्प के साथ मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य की शुरुआत कराई।

सीएम आवास पर आयोजित कार्यक्रम में योगी ने कहा कि जनगणना केवल लोगों की संख्या गिनने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह सरकार की नीतियों, संसाधनों के वितरण और भविष्य की विकास योजनाओं का मूल आधार है। उन्होंने कहा कि डेटा आधारित शासन के इस दौर में सटीक आंकड़े ही शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और आधारभूत ढांचे की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में मददगार होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में पहली बार देश में पूरी तरह डिजिटल जनगणना कराई जा रही है। इस बार जातीय जनगणना भी प्रक्रिया का हिस्सा होगी, जबकि पहली बार वन ग्रामों को भी शामिल किया जा रहा है। 7 मई से 21 मई 2026 तक नागरिकों को स्वगणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) का विकल्प मिलेगा, जिसके तहत लोग डिजिटल प्लेटफॉर्म पर स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। इसके बाद जनगणना कार्मिक घर-घर जाकर सूचीकरण का कार्य करेंगे। दूसरे चरण में प्रत्येक व्यक्ति की गणना की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की अनुमानित आबादी 25 करोड़ 70 लाख के करीब है और इतनी बड़ी जनसंख्या की गणना अपने आप में एक विशाल प्रशासनिक अभियान है। इसके लिए प्रदेश के 18 मंडलों, 75 जिलों, 350 तहसीलों, 17 नगर निगमों, 745 नगरीय निकायों, 57 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों और करीब 1.04 लाख राजस्व गांवों में व्यापक स्तर पर तैयारी की गई है। इस कार्य के लिए करीब 5.47 लाख कार्मिक लगाए जाएंगे, जिनमें 4.50 लाख प्रगणक, 85 हजार सुपरवाइजर और 12 हजार अधिकारी शामिल हैं। दोनों चरणों के लिए 5.35 लाख से अधिक कर्मियों को प्रशिक्षण भी दिया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे जनगणना को राष्ट्रीय दायित्व मानते हुए सही और तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध कराएं।

● कहा- जनगणना को राष्ट्रीय दायित्व मानते हुए सही और तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध कराएं प्रदेशवासी

जनगणना-2027 की खास बातें

- पहली बार पूरी तरह डिजिटल जनगणना
- जातीय गणना भी होगी शामिल
- वन ग्रामों की भी होगी गणना
- 7 से 21 मई तक स्वगणना का विकल्प
- 5.47 लाख कार्मिक होंगे तैनात
- ग्राम और वार्ड स्तर तक डिजिटल मॉनिटरिंग

इसलिए अहम है यह जनगणना

सरकारी योजनाओं का बजट, संसाधनों का बंटवारा, स्कूल-अस्पतालों की जरूरत, सड़क और आवास जैसी विकास परियोजनाएं जनगणना के आंकड़ों पर ही आधारित होती हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, डिजिटल और रियल टाइम डेटा आधारित यह जनगणना आने वाले वर्षों में नीति निर्माण की दिशा तय करेगी।

प. बंगाल विधानसभा भंग

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल में गुरुवार को बड़ा संवैधानिक उलटफेर हुआ है। राज्यपाल आरएन रवि ने अनुच्छेद 174(2)(बी) के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य विधानसभा को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया है। ममता बनर्जी के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे से इनकार के बाद राज्यपाल ने यह कड़ा कदम उठाया जिससे कैबिनेट भी बर्खास्त हो गई है। मुख्य सचिव द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार यह निर्णय 7 मई, 2026 से लागू हो गया है।

राज्य विधानसभा को उसका कार्यकाल पूरा होने के बाद ही भंग किया गया है। एक आधिकारिक अधिसूचना जारी कर फैसले की घोषणा की गई। मई 2021 में वर्तमान विधानसभा का गठन किया गया था जब राज्य में ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटी थी।

हाल ही में संपन्न हुए दो चरणों के चुनावों के बाद, निवर्तमान विधानसभा को भंग किया जाना उसके कार्यकाल की औपचारिक समाप्ति का प्रतीक है। संसदीय कार्य विभाग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी की।

ममता बनर्जी नहीं रहीं मुख्यमंत्री

- राज्यपाल आरएन रवि ने अनुच्छेद 174(2)(बी) के तहत अपनी शक्तियों का किया प्रयोग
- ममता के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे से इनकार करने के बाद राज्यपाल ने कड़ा कदम उठाया

रथ की हत्या की जांच को एसआईटी गठित

कोलकाता। भाजपा के नेता सुवेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी चंद्रनाथ रथ की मध्यमग्राम में हुई हत्या की जांच के लिए एक एसआईटी का गठन किया गया है। एसआईटी में राज्य पुलिस के साथ-साथ सीआईडी के अधिकारी भी शामिल हैं। इस बीच, बीएसएफ के महानिदेशक प्रवीण कुमार ने गुरुवार सुबह मध्यमग्राम में घटनास्थल का दौरा किया। राज्य पुलिस ने एक चौपहिया वाहन जब्त किया है।

नाव हादसा : सभी छह लोगों के शव बरामद

संवाददाता, कुरारा (हमीरपुर)

अमृत विचार : भौली ग्राम पंचायत के कोतूपुर पटिया गांव में बुधवार शाम यमुना नदी में हुए नाव हादसे के बाद रात भर सर्च ऑपरेशन चला, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। गुरुवार सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक एक के बाद एक कर महिला सहित सभी 6 लोगों के शव बरामद कर लिए गए। प्रदेश सरकार ने प्रत्येक मृतक के परिवार को 4.25 लाख मुआवजा देने की घोषणा की गई है।

- सरकार की ओर से प्रत्येक मृतक के परिवार को 4.25 लाख मुआवजे की घोषणा

भौली ग्राम पंचायत के मजरा कोतुपुर पटिया गांव के पास यमुना नदी में नाव पलटने से छह लोग डूब गए थे, जबकि नाविक ने खुद के साथ दो लोगों को बचा लिया था। यह हादसा उस समय हुआ था, जब लोग यमुना नदी के बीच रेत वाली बारी में खरबूजा-ककड़ी लेने गए थे। वहां से शाम करीब 6:30 बजे लौटते समय अचानक संतुलन बिगड़ने से नाव पलट गई थी, जिससे सभी नौ लोग डूब गए थे। नाव चला रहे विष्णु ने किसी तरह पारुल और रिंकू को बचाकर नदी के किनारे पहुंचाया, लेकिन बांकी 6 लोग लापता हो गए थे। टीम ने सबसे पहले बृजरानी (25) का शव बरामद किया। इसके बाद अर्चना (12) और आकांक्षा (9) के शव मिले। बाद में रानी (9) पुत्री बच्चन, लव्यांश (5) के शव बरामद हुए। वहीं आदित्य (11) का शव शाम 6 बजे बरामद किया जा सका।

नीति आयोग ने स्कूलों की गुणवत्ता सुधारने के लिए 13 सिफारिशें सौंपी

नई दिल्ली, एजेंसी

- राज्य एवं जिला स्तरीय कार्यबल का दिया प्रस्ताव
- भारत के एजुकेशन सिस्टम का 10 साल का किया गया विश्लेषण

शिक्षा प्रणाली में 14.71 लाख स्कूल शामिल

भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली में 14.71 लाख स्कूल शामिल हैं जिनमें 24.69 करोड़ से अधिक छात्र शिक्षा प्राप्त करते हैं जिससे यह दुनिया की सबसे बड़ी प्रणाली बन जाती है। रिपोर्ट में पिछले दशक में हुई प्रगति पर विचार करते हुए 36 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के लिए पहुंच, अवसंरचना, समानता, समावेश, डिजिटल एकीकरण और सीखने के परिणामों जैसे प्रमुख आयामों पर व्यापक विश्लेषण प्रस्तुत किया है।

नीति आयोग ने स्कूलों की गुणवत्ता सुधारने के लिए राज्य एवं जिलास्तर पर कार्यबल गठित करने की वकालत की है। साथ ही रचनात्मक व छात्र केंद्रित शिक्षा के लिए एआई को एकीकृत करने का सुझाव दिया है। भारत में स्कूली शिक्षा प्रणाली 'समयगत विश्लेषण एवं गुणवत्ता सुधार के लिए नीति ढांचा' शीर्षक से जारी रिपोर्ट में गुणवत्ता सुधारने के लिए 13 सिफारिशें दी हैं।

पांच शैक्षणिक सिफारिशों में शिक्षण पद्धति, मूल्यांकन एवं सीखने में बुनियादी बदलाव, समग्र शिक्षा एवं छात्र कल्याण पर जोर, व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल एकीकरण की पुनर्कल्पना, ईसीसीई को मजबूत करना और शैक्षणिक नवाचार में एआई का एकीकरण शामिल हैं। इसके अलावा, 8 प्रणालीगत सिफारिशों में समग्र विद्यालयों एवं साक्ष्य-आधारित युक्तिकरण के माध्यम से विद्यालय संरचना में सुधार करना, विद्यालय के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, शासन सुधार एवं प्रशासनिक क्षमता निर्माण करना, विद्यालय की गुणवत्ता पर राज्य व जिला स्तर पर कार्यबलों के जरिये समाज के समग्र दृष्टिकोण को संस्थागत रूप देना तथा स्कूल प्रबंधन समितियों को सशक्त करना शामिल है।

निगरानी

सड़क, पुल और जलापूर्ति परियोजनाओं का होगा थर्ड पार्टी क्वालिटी ऑडिट

प्रदेश के निर्माण कार्यों पर अब आईआईटी की नजर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में सड़क, पुल और जलापूर्ति जैसी बड़ी सरकारी परियोजनाओं की गुणवत्ता पर अब आईआईटी और इंजीनियरिंग संस्थानों की नजर रहेगी। योगी सरकार ने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने व गड़बड़ियों पर अंकुश लगाने के लिए थर्ड पार्टी क्वालिटी ऑडिट की नई व्यवस्था लागू कर दी है। लोक निर्माण विभाग ने इसके लिए विस्तृत शासनादेश जारी किया है।

अपर मुख्य सचिव वित्त दीपक कुमार की ओर से गुरुवार को सभी सचिवालय, निदेशालय, मंडलायुक्त, जिलाधिकारी से लेकर सभी विभागाध्यक्षों और विश्वविद्यालय प्रशासन को जारी शासनादेश में कहा है कि परियोजनाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए थर्ड पार्टी क्वालिटी ऑडिट (टीपीक्यूए) की नई व्यवस्था लागू कर दी गई है। नई व्यवस्था के तहत आईआईटी कानपुर, आईआईटी बीएचयू, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी रुड़की, एमएनआईटी प्रयागराज, एएमयू अलीगढ़, एचबीटीयू कानपुर और एमएमएमयूटी गोरखपुर सहित कई संस्थानों को अलग-अलग श्रेणी की परियोजनाओं का ऑडिट सौंपा जाएगा। शासनादेश में सड़क, पुल और जलापूर्ति/सीवर परियोजनाओं के लिए अलग-अलग मानक तय किए गए हैं। 25 करोड़ से अधिक लागत वाली परियोजनाओं में थर्ड पार्टी ऑडिट अनिवार्य किया है। 100 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की निगरानी आईआईटी जैसे राष्ट्रीय संस्थान करेंगे, जबकि मध्यम श्रेणी की परियोजनाओं में राज्यस्तरीय संस्थान करेंगे। शासनादेश के अनुसार संबंधित विभाग और तकनीकी संस्थान के बीच एमओयू होगा। ऑडिट एजेंसियां निर्माण सामग्री, डिजाइन, सुरक्षा मानकों, गुणवत्ता नियंत्रण और कार्य प्रगति की जांच करेंगी। निर्माण के विभिन्न चरणों डिजाइन, 25 प्रतिशत, 50 प्रतिशत, 75 प्रतिशत प्रगति और कार्य पूर्ण होने पर निरीक्षण अनिवार्य रहेगा। सरकार ने गुणवत्ता ऑडिट के लिए शुल्क भी तय किया है।

- सरकार ने नई व्यवस्था को लेकर सभी विभागों को जारी किया शासनादेश

किन संस्थानों को मिली जिम्मेदारी

- आईआईटी कानपुर
- आईआईटी बीएचयू
- आईआईटी दिल्ली
- आईआईटी रुड़की
- एमएनआईटी प्रयागराज
- एएमयू अलीगढ़
- एचबीटीयू कानपुर
- एमएमएमयूटी गोरखपुर

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार,8 मई 2026

न्यूज ब्रीफ

लोक अदालत 9 को जनअभियान बनाने की तैयारी

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्य सचिव एस.पी. गोयल ने राष्ट्रीय लोक अदालत को जनअभियान का रूप देने के लिए सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को व्यापक तैयारियों के निर्देश दिए हैं। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा करते हुए कहा कि 9 मई को प्रदेश के सभी जिलों में राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित होगी, जिसके सफल संचालन के लिए विभागीय समन्वय जरूरी है। उन्होंने प्री-लिटिगेशन मामलों की अधिक पहचान कर उनके निस्तारण पर जोर दिया, ताकि लोगों को लंबी न्यायिक प्रक्रिया से राहत मिल सके। जागरूकता के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया, आशा व आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को जोड़ा जाएगा। निर्देश दिए गए कि समय पर नोटिस तामील हो, बार एसोसिएशन से समन्वय रहे और आयोजन के दौरान न्यायालय परिसरों में मेगा हेल्थ कैंप, ओडीओपी उत्पादों की प्रदर्शनी व सरकारी योजनाओं के स्टॉल भी लगाए जाएं, ताकि लोक अदालत जनसेवा का व्यापक मंच बन सके।

स्पेल कार्यक्रम से युवाओं में बढ़ रही नेतृत्व क्षमता : योगेंद्र

अमृत विचार, लखनऊ : उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 'स्टूडेंट पुलिस एक्सपीरिएंशियल लर्निंग (स्पेल)' कार्यक्रम युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारी विकसित कर रहा है। एनएसएस स्वयंसेवकों के लिए संचालित इस कार्यक्रम का दूसरा चरण प्रदेश के सभी 75 जिलों में सफलतापूर्वक पूरा हुआ। कार्यक्रम में कमिश्नरेट क्षेत्रों से 75 और अन्य जिलों से 50 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। शासनादेश के अनुसार प्रतिभागी विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय स्तर पर अंकपत्र में दो क्रेडिट अंक दिए जाएंगे। राज्य संपर्क अधिकारी डॉ. मंजू सिंह ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय की पहल पर 30 दिनों में 120 घंटे का प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें पुलिस कार्यप्रणाली, साइबर सुरक्षा, ट्रैफिक व आपदा प्रबंधन शामिल रहा।

भूसा संग्रह अभियान तेज, 60.99 लाख क्विंटल का लक्ष्य

अमृत विचार, लखनऊ : पशुओं के लिए चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने व्यापक "भूसा संग्रह अभियान" शुरू किया है। एक वर्ष के लिए 131.40 लाख क्विंटल भूसे की आवश्यकता के सापेक्ष 60.99 लाख क्विंटल संग्रह का लक्ष्य तय किया गया है, जिसमें अब तक 26.78 लाख क्विंटल भूसा एकत्र कर लगभग 43.9 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, अभियान के तहत दान और क्रय दोनों माध्यमों से भूसा जुटाया जा रहा है। निर्देश दिए गए हैं कि प्रत्येक गो आश्रय स्थल पर भूसा बैंक स्थापित कर किसानों से समन्वय के जरिए नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। प्रदर्शन में ललितपुर सबसे आगे है, जहां लक्ष्य के मुकाबले 102.9 प्रतिशत संग्रह हुआ है। इसके बाद देवरिया और गोरखपुर का स्थान है। मऊ, आगरा, महाराजगंज, सहारनपुर और हरदोई ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है, जबकि लखनऊ, कानपुर नगर, संभल और इटावा में प्रगति धीमी है। दान आधारित संग्रह में 12.19 लाख क्विंटल लक्ष्य के सापेक्ष 2.65 लाख क्विंटल भूसा जुटाया गया है। सरकार ने आमजन, संस्थाओं और गोसेवकों से अभियान में सहयोग की अपील की है।

डीपी में 'सिंदूर', कवर पर 'ब्रह्मोस'

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री योगी ने दिया डिजिटल स्ट्राइक संदेश
- ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर बदली प्रोफाइल तस्वीर

अमृत विचार: योगी आदित्यनाथ ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की पहली वर्षगांठ पर सोशल मीडिया पर अपनी प्रोफाइल डीपी और कवर फोटो बदलकर एक मजबूत संदेश दिया है। डीपी में 'ऑपरेशन सिंदूर' का लोगो और कवर फोटो में ब्रह्मोस मिसाइल को प्रमुखता दी गई है, जिसे आतंकवाद के खिलाफ भारत की आक्रामक नीति का संकेत माना जा रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह बदलाव केवल सोशल मीडिया तक सीमित नहीं, बल्कि "नया भारत" और मजबूत रक्षा नीति का प्रतीक है। खास बात यह है कि ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण अब लखनऊ में भी हो रहा है, जिससे डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर को बल मिला है।

7 मई 2025 को भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान स्थित ठिकानों पर संयुक्त सैन्य कार्रवाई की थी, जिसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया। नरेंद्र मोदी, अमित शाह और राजनाथ सिंह सहित कई नेताओं ने भी डीपी बदली, लेकिन योगी की कवर फोटो को अधिक आक्रामक संकेत माना जा रहा है।

ब्रह्मोस परियोजना को यूपी डिफेंस कॉरिडोर की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है, जिसे आत्मनिर्भर भारत की दिशा में अहम कदम बताया जा रहा है।

इंतजार खत्म, यूपी एसआई भर्ती का रिजल्ट जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 15 लाख आवेदकों में 12,333 अभ्यर्थी अगले चरण के लिए हुए सफल
- डीवी/पीएसटी की प्रक्रिया मई के तीसरे सप्ताह में होगी

अमृत विचार: उप्र. में उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों की सीधी भर्ती-2025 का परिणाम गुरुवार को जारी कर दिया गया। 4543 पदों के लिए आयोजित इस भर्ती परीक्षा में शामिल लाखों अभ्यर्थियों का इंतजार खत्म हो गया है। -डीवी/पीएसटी की प्रक्रिया मई के तीसरे सप्ताह में आयोजित होगी।

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित करते हुए 12,333 अभ्यर्थियों को अभिलेख सत्यापन एवं शारीरिक मानक परीक्षण (डीवी/पीएसटी) के लिए सफल घोषित किया है। भर्ती बोर्ड के अनुसार इस भर्ती प्रक्रिया के लिए कुल 15,75,760 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। परीक्षा 14 और 15 मार्च 2026 को चार पालियों में प्रदेशभर में आयोजित की गई थी।

बोर्ड ने निर्धारित नियमावली के तहत प्रत्येक विषय में न्यूनतम 35 प्रतिशत तथा कुल 50 प्रतिशत अंक हासिल करने वाले अभ्यर्थियों में से मेरिट एवं आरक्षण व्यवस्था के अनुसार सफल अभ्यर्थियों की सूची जारी की है। अब चयनित अभ्यर्थियों को अगले चरण यानी दस्तावेज सत्यापन और शारीरिक मानक परीक्षण से गुजरना होगा। डीवी/पीएसटी की प्रक्रिया मई के तीसरे सप्ताह में प्रस्तावित है। इसकी विस्तृत जानकारी जल्द ही भर्ती बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी की जाएगी।

भर्ती प्रक्रिया पर बढ़ा युवाओं का भरोसा

प्रदेश सरकार लगातार भर्ती प्रक्रियाओं को तकनीक आधारित, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने पर जोर दे रही है। हाल के वर्षों में पुलिस भर्ती समेत विभिन्न विभागों की भर्तियों में डिजिटल निगरानी, सख्त सुरक्षा व्यवस्था और पारदर्शी मूल्यांकन प्रणाली लागू किए जाने से युवाओं का भरोसा बढ़ा है। प्रदेश सरकार का दावा है कि भर्ती प्रक्रिया में सिफारिश और भ्रष्टाचार की गुंजाइश खत्म कर योग्यता आधारित चयन सुनिश्चित किया गया है।

नौकरियों में खत्म हुआ सिफारिश और सेटिंग का दौर : मुख्यमंत्री

योगी ने 481 अभ्यर्थियों को दिए नियुक्ति पत्र, बोले- योग्यता ही चयन का आधार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कहा-पहले सरकारें करातीं थीं संगठित वसूली के साथ जातीय और क्षेत्रीय पक्षपात

लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में चयनित अभ्यर्थी को नियुक्ति पत्र प्रदान करते मुख्यमंत्री योगी। अमृत विचार

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को एक बार फिर सरकारी भर्तियों में पारदर्शिता और तकनीक आधारित चयन प्रक्रिया को अपनी सरकार की बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि प्रदेश में अब सिफारिश, जाति, पैसे और पहुंच नहीं, बल्कि सिर्फ योग्यता के आधार पर नौकरियां मिल रही हैं। आरोप लगाया कि 2017 से पहले प्रदेश में भर्ती प्रक्रिया संगठित वसूली के साथ जातीय और क्षेत्रीय पक्षपात से प्रभावित रहती थी।

लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने आयुष विभाग, व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग तथा दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के लिए चयनित 481 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस दौरान उन्होंने कहा कि परीक्षा के बाद भी किसी स्तर पर अनैतिक साधनों या सिफारिश की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में भर्ती प्रक्रिया भ्रष्टाचार, जातीय और क्षेत्रीय पक्षपात से प्रभावित रहती थी, जिससे योग्य युवाओं का शोषण होता था। उन्होंने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यदि योग्य अभ्यर्थी की जगह घूसखोर व्यक्ति व्यवस्था में आ जाए तो वह 30-35 वर्षों तक पूरे सिस्टम को घुन की तरह खोखला करता है।

योगी ने कहा कि उनकी सरकार ने भर्ती प्रक्रिया में जवाबदेही तय की और तकनीक का इस्तेमाल कर पारदर्शिता सुनिश्चित की। उन्होंने बताया कि पिछले नौ वर्षों में प्रदेश में नौ लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है और बीते 15 दिनों में यह चौथा नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश देश में सबसे अधिक नियुक्तियां देने वाला राज्य बन चुका है। यूपी की पहचान अब भ्रष्ट और अराजक प्रदेश की नहीं, बल्कि निवेश, रोजगार और सुशासन वाले राज्य की बन रही है।

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि राज्य की अर्थव्यवस्था, प्रति व्यक्ति आय और वार्षिक बजट तीन गुना बढ़ा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 96 लाख एमएसएमई इकाइयां संचालित हो रही हैं, जिनसे तीन करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में बड़े उद्योगों की संख्या 14 हजार से बढ़कर 32 हजार से अधिक हो गई है। यूपी अब देश के "टॉप-3 राज्यों" में शामिल हो चुका है।

भर्ती प्रक्रिया को चयनित युवाओं ने सराहा

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में सरकारी भर्तियों को लेकर युवाओं का भरोसा मजबूत होता दिख रहा है। चयनित अभ्यर्थियों ने कहा कि पहले भर्तियों में भ्रष्टाचार और सिफारिश की शिकायतें रहती थीं, लेकिन अब पारदर्शिता बढ़ी है और योग्यता को प्राथमिकता मिल रही है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग और उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से चयनित अभ्यर्थियों में आयुष विभाग के 202, व्यावसायिक शिक्षा विभाग के 272 और दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के सात अभ्यर्थियों को गुरुवार को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। आयुष विभाग में प्रोफेसर (यूनानी) पद पर चयनित डॉ. मोहम्मद नासिर ने कहा कि चयन प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष रही। वहीं स्टाफ नर्स (आयुर्वेद) पद पर चयनित उपासना देवी और अनामिका पटेल ने भर्ती को पारदर्शी बताया। चिकित्सा अधिकारी (आयुर्वेद) पद पर चयनित आयुष भारद्वाज और डॉ. खुर्शीद आलम समेत अन्य अभ्यर्थियों ने कहा कि निष्पक्ष व्यवस्था से युवाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है और अब मेहनत का सही फल मिल रहा है।

प्रदेश में अब तुष्टीकरण की नहीं संतुष्टिकरण की राजनीति : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/सहारनपुर

- मुख्यमंत्री बोले- कब्रिस्तान की दीवारों से निकलकर विकास पर खर्च हो रहा पैसा
- सहारनपुर में 2131 करोड़ रुपये की 325 परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को सहारनपुर में विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश में अब तुष्टीकरण नहीं, बल्कि संतुष्टिकरण की राजनीति हो रही है। उन्होंने कहा कि पहले सरकारों का पैसा कब्रिस्तान की बाउंड्री वॉल, कब्जों और जातीय-साम्प्रदायिक तुष्टीकरण में खर्च होता था, जबकि अब वही धन सड़क, विश्वविद्यालय, स्पोर्ट्स कॉलेज, एक्सप्रेसवे और धार्मिक-पर्यटन स्थलों के विकास पर लगाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने सहारनपुर में 2131 करोड़ रुपये की 325 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कभी दंगों, फतवों और पलायन के कारण बदनाम रहने वाला सहारनपुर आज विकास, कनेक्टिविटी और औद्योगिक प्रगति की नई पहचान बन चुका है। योगी ने कहा कि 2017 से पहले पश्चिमी उप्र. में दंगे, कर्फ्यू और भय का माहौल रहता था। सहारनपुर, मुजफ्फरनगर और शामली जैसे जिलों में व्यापारी असुरक्षित थे और नौजवान पलायन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अब डबल इंजन सरकार ने पूरे क्षेत्र की तस्वीर और तकदीर बदल दी है।

मुख्यमंत्री ने दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे, प्रस्तावित एयरपोर्ट, मां शाकम्भरी विश्वविद्यालय, स्पोर्ट्स कॉलेज और इंडस्ट्रियल-लॉजिस्टिक हब का जिक्र करते हुए कहा कि सहारनपुर तेजी से आधुनिक विकास का केंद्र बन रहा है। उन्होंने कहा कि पहले दिल्ली पहुंचने में छह घंटे लगते थे, अब ढाई घंटे में पहुंचा जा सकता है। लखनऊ की दूरी भी काफी घट गई है।

देशद्रोहियों का काम होगा तमाम

सीएम योगी ने देवबंद और एटीएस सेंटर का जिक्र करते हुए कहा कि कोई भी देशद्रोही सिर उठाएगा तो उसका काम तमाम होना तय है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा में सेंध लगाने वालों और युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में रहकर दुश्मन के गीत गाना स्वीकार नहीं किया जा सकता। वंदे मातरम के अपमान को संज्ञेय अपराध बनाए जाने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्र के प्रतीकों का अपमान अब बर्दाश्त नहीं होगा।

एजेंसियों को 12 मई तक दिया समय

अमृत विचार, लखनऊ: हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने कांग्रेस सांसद व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की कथित आय से अधिक संपत्ति की जांच की मांग वाली याचिका पर निर्देश प्राप्त कर जवाब देने के लिए 12 मई तक का समय दिया है।

मामले की सुनवाई जजों के चैंबर में की गई तथा सुनवाई के बाद पूरी केस फाइल को सील करके सीनियर रजिस्ट्रार की कस्टडी में देने का आदेश न्यायालय ने दिया है। कोर्ट ने कहा है कि 12 मई को अगली सुनवाई होगी तथा उसी दिन केस फाइल की सील खोली जाएगी। यह आदेश न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान और न्यायमूर्ति जफीर अहमद की खंडपीठ ने कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर की ओर से दाखिल याचिका पर दिया। याची ने राहुल गांधी पर अज्ञात स्रोतों से भारी संपत्ति अर्जित करने के आरोप लगाए हैं। याचिका में केंद्र सरकार, सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), सीबीडीटी, यूपी पुलिस और सीरियस फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन ऑफिस, नई दिल्ली को पक्षकार बनाया गया है। न्यायालय के आदेश में कहा गया है कि याची द्वारा विस्तृत बहस की गई, जिसके बाद प्रतिवादियों की ओर से पेश अधिवक्ताओं ने लिखित निर्देश प्राप्त करने के लिए समय मांगा। जिसे न्यायालय ने स्वीकार कर लिया। सुनवाई शुरू होने पर याची ने प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसमें वर्तमान रिट याचिका के अभिलेखों को सुरक्षित रखने का अनुरोध किया गया था।

- राहुल गांधी मामले में सतर्कता बरतते हुए हाईकोर्ट ने सील कराई केस की फाइल

मथुरा में दो इनामी बदमाश पुलिस मुठभेड़ में ढेर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: हरदोई में एनकाउंटर के दूसरे दिन यूपी पुलिस ने मथुरा में भी दो अपराधियों को ढेर कर दिया। मथुरा एनकाउंटर में दो पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। दोनों अपराधियों ने सुनीर कोतवाली क्षेत्र के टैटी ग्रामसभा में डकैती कांड को अंजाम दिया था। बदमाशों के खिलाफ पूर्व में भी कई मामले दर्ज हैं।

एनकाउंटर में मारे गए बदमाशों में एक की पहचान धर्मवीर उर्फ लंबू के रूप में हुई है जो कि राजस्थान के भरतपुर का रहने वाला है। जबकि दूसरा बदमाश पप्पू उर्फ राजेंद्र था जो कि राजस्थान के ही अलवर का रहने वाला था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बदमाशों ने 23 अप्रैल की रात मथुरा में व्यापारी अजय अग्रवाल के घर में घुसकर परिजनों को बंधक बनाया और डकैती की वारदात को अंजाम दिया। तीन लाख रुपये और 12 लाख रुपये से अधिक के जेवरात लूट ले गए। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पुलिस अधीक्षक ने डकैतों की तलाश के लिए 17 टीमें बनाई एवं अपराधियों को पकड़ने के लिए 50 हजार का इनाम भी घोषित कर दिया। मुठभेड़ में ढेर गए पुलिस ने दोनों बदमाशों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि सुरीर इलाके में व्यापारी के यहां डकैती की घटना हुई थी, जिसमें समान व नगदी लूट कर बदमाश ले गए थे। पकड़े गए मृत बदमाश नाम बदलकर डकैती घटनाओं को अंजाम देते थे। पुलिस ने उनके कब्जे से लूटा गया सामान और नकदी भी बरामद की है।

'ऑपरेशन सिंदूर' सेना के पराक्रम का प्रतीक

अमृत विचार, लखनऊ : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की प्रथम वर्षगांठ पर देश के वीर जवानों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष इसी दिन भारतीय सेना के वीर सपूतों ने आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करते हुए सीमा पार स्थित आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दुनिया को भारत की शक्ति और अटूट संकल्प का परिचय कराया था। मौर्य ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नया भारत आतंकवाद के खिलाफ पूरी मजबूती से खड़ा है। उन्होंने कहा कि भारत अब हर आतंकी साजिश का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है।

प्रोटोकॉल उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

मुख्य सचिव ने विभागों और शीर्ष अधिकारियों को जारी किया आदेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सांसद और विधायकों का फोन न उठाने पर अफसरों पर की जाएगी कड़ी कार्रवाई : मुख्य सचिव

एसपी गोयल

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने सांसदों और विधायकों के फोन कॉल नजरअंदाज करने और उनके प्रति निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन न करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने इस संबंध में गुरुवार को नया शासनादेश जारी करते हुए सभी विभागों, मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों और पुलिस अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं।

शासनादेश में कहा गया है कि लगातार शिकायतें मिल रही हैं कि कई अधिकारी जनप्रतिनिधियों के फोन रिसीव नहीं करते, कॉल बैक नहीं करते और प्रोटोकॉल संबंधी निर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं। कई मामलों को सदन, पीठ और संसदीय अनुश्रवण समिति तक उठाया गया है, जिसे सरकार ने गंभीरता से लिया है। मुख्य सचिव ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सांसदों और विधायकों के सीयूजी नंबर तथा उनके द्वारा उपलब्ध कराए गए अन्य मोबाइल नंबर अधिकारियों को अपने फोन में सेव रखने होंगे। कॉल आने पर उसे अनिवार्य रूप से रिसीव करना होगा। यदि अधिकारी बैठक या अन्य कारण से उपलब्ध नहीं हैं तो प्राथमिकता के आधार पर कॉल बैक करना होगा।

शासनादेश में यह भी कहा गया है कि जनप्रतिनिधि यदि किसी जनहित के मुद्दे को लेकर कार्यालय पहुंचते हैं तो अधिकारियों को अपनी सीट से खड़े होकर उनका स्वागत करना होगा। उनसे सम्मानपूर्वक बातचीत करनी होगी और जल ग्रहण के लिए आग्रह भी करना होगा। साथ ही उनकी समस्याओं को प्राथमिकता पर सुनकर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करना होगा।

सरकार ने साफ किया है कि प्रोटोकॉल उल्लंघन उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी आचरण नियमावली-1956 के नियम 3(2) के दायरे में माना जाएगा। ऐसे मामलों में संबंधित अधिकारी या कर्मचारी के खिलाफ उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली-1999 के तहत कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

अनुदान के खर्च का हिसाब न देने वाले विभागों पर सख्ती की तैयारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- उपयोगिता प्रमाण-पत्र और डीसी बिल समय से जमा न करने पर तय होगी जिम्मेदारी
- 11 से 28 मई तक चलाया जाएगा विशेष अभियान

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने अनावर्ती सहायता अनुदानों के खर्च का समय पर हिसाब न देने वाले विभागों और अधिकारियों पर सख्ती शुरू कर दी है। दीपक कुमार द्वारा जारी निर्देशों में कहा गया है कि लंबित उपयोगिता प्रमाण-पत्र (यूसी) और एसी बिलों के सापेक्ष डीसी बिल तत्काल जमा कराए जाएं, अन्यथा संबंधित नियंत्रक अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

शासनादेश के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही तक बड़ी संख्या में अनुदानों का समायोजन यूसी के अभाव में लंबित है, जिस पर प्रधान महालेखाकार कार्यालय ने आपत्ति जताई है। इसे देखते हुए 11 मई से 28 मई 2026 तक विभागीय प्राप्तियों और भुगतानों के लेखा मिलान का विशेष अभियान चलाया जाएगा।

वित्त विभाग ने स्पष्ट किया है कि समय पर लेखा मिलान न कराने पर पूरी जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों की होगी और महालेखाकार के आंकड़े अंतिम माने जाएंगे। विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि सभी आवश्यक दस्तावेज- रिकंसिलिएशन शीट, मासिक व्यय विवरण और अन्य रिपोर्ट- समय से उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही वर्ष 2001-02 से 2024-25 तक लंबित यूसी का निस्तारण प्राथमिकता पर करने को कहा गया है।

क्या है उपयोगिता प्रमाण-पत्र : यूसी वह आधिकारिक दस्तावेज है, जिससे यह प्रमाणित होता है कि सरकारी अनुदान निर्धारित उद्देश्य पर ही खर्च किया गया है।

जनगणना अभियान

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने डिजिटल माध्यम से की शुरुआत

जनभवन से जनगणना की स्व-गणना प्रक्रिया शुरू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

जनभवन में स्व-गणना प्रक्रिया की शुरुआत करतीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल।

अमृत विचार : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने गुरुवार को जनभवन से उत्तर प्रदेश में जनगणना 2027 के मकान सूचीकरण एवं स्व-गणना प्रक्रिया की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने डिजिटल माध्यम से अपनी जानकारी दर्ज कर स्व-गणना अभियान की शुरुआत की।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार को स्व-गणना पोर्टल शुरू करने के लिए बधाई देते हुए प्रदेशवासियों से अपील की कि वे जनगणना अधिकारियों को सही, तथ्यात्मक और पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि भविष्य में जनकल्याणकारी योजनाओं के निर्माण में मदद मिल सके। कार्यक्रम में निदेशक जनगणना एवं मुख्य प्रधान जनगणना अधिकारी शीतल वर्मा ने स्व-गणना पोर्टल की जानकारी साझा की। विशेष कार्याधिकारी डॉ. सुधीर महादेव बोबड़े, प्रमुख सचिव सामान्य प्रशासन एसवीएस रंगाराव, मंडलायुक्त विजय विश्वास पन्त, जिलाधिकारी विशाख जी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

प्रदेश में जनगणना 2027 का पहला चरण 22 मई से 20 जून 2026 तक संचालित किया जाएगा। इस दौरान प्रगणक मोबाइल ऐप के जरिए घर-घर जाकर परिवार के मुखिया, मकान की स्थिति, मूलभूत सुविधाओं और परिसंपत्तियों से जुड़े 33 अधिसूचित प्रश्नों की जानकारी एकत्रित करेंगे।

क्या है स्व-गणना सुविधा

- नागरिक खुद ऑनलाइन जानकारी भर सकते हैं
- 21 मई तक उपलब्ध रहेगा विकल्प
- डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सीधी डेटा एंट्री
- 22 मई से 20 जून तक जनगणना कर्मी करेंगे सत्यापन

मुख्य सचिव ने खुद भरा जनगणना फॉर्म

अमृत विचार : मुख्य सचिव एसपी गोयल ने गुरुवार को जनगणना-2027 के प्रथम चरण के तहत स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) प्रक्रिया में स्वयं भाग लेते हुए ऑनलाइन फॉर्म भरकर सबमिट किया। इसके साथ ही उन्होंने सभी जिलाधिकारियों और प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस प्रक्रिया को जनआंदोलन का रूप दिया जाए। मुख्य सचिव ने आधिकारिक पोर्टल पर जानकारी दर्ज करने के बाद कहा कि डिजिटल जनगणना की सफलता के लिए अधिकतम जनभागीदारी जरूरी है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	77,844.52	24,326.65
गिरावट	114.00	4.30
प्रतिशत में	0.15	0.02

सोना 1,56,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,61,500 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार, 8 मई 2026

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए अदाणी ग्रीन ने किया इकाइयों का गठन

नई दिल्ली। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों से बिजली उत्पादन के लिए अपनी अनुषंगी कंपनी की अनुषंगी इकाइयां गठित करने की गुरुवार को जानकारी दी। एजीईएल ने शेयर बाजार को बताया कि नई इकाइयों का गठन उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी अदाणी रिन्यूएबल एनर्जी सिक्स्टी फोर लिमिटेड (एआरई64एल) द्वारा किया गया है। कंपनी ने कहा कि एआरई64एल स्टेप-वन रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (एआरई64एस1एल) और एआरई64एल स्टेप-टू रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (एआरई64एस2एल) का गठन नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से बिजली उत्पादन के उद्देश्य से किया गया है। अदानी ग्रीन एनर्जी बड़े पैमाने पर ग्रिड से जुड़े सौर, पवन, हाइब्रिड एवं ऊर्जा भंडारण समाधानों का विकास, स्वामित्व और संचालन करती है।

एप्पल और क्लीनमैक्स करेंग ऊर्जा क्षेत्र में 100 करोड़ रुपये का निवेश

नई दिल्ली। भारत में विभिन्न स्थानों पर ऊर्जा परियोजनाओं के विकास के लिए क्लीनमैक्स और एप्पल ने 100 करोड़ रुपये का निवेश करने की साझेदारी की है। क्लीनमैक्स ने गुरुवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इस साझेदारी के तहत दोनों कंपनियों का लक्ष्य देश के वाणिज्यिक एवं औद्योगिक (सीएंडआई) खंड की जरूरतों को स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं की तैनाती के माध्यम से पूरा करना है। बयान में कहा गया कि एप्पल और क्लीनमैक्स ने भारत के वाणिज्यिक एवं औद्योगिक (सीएंडआई) क्षेत्र में बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा तैनाती के जरिये कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में तेजी लाने के उद्देश्य से एक रणनीतिक सह-निवेश समझौता किया है।

भारत फोर्ज का शुद्ध 17% घटकर 233.45 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। रक्षा उपकरण क्षेत्र की प्रमुख कंपनी भारत फोर्ज लिमिटेड का वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 17 प्रतिशत घटकर 233.45 करोड़ रुपये रहा। कंपनी को 2024-25 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में 282.62 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। भारत फोर्ज ने गुरुवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चौथी तिमाही में उसे कुल 98.73 करोड़ रुपये का असाधारण खर्च वहन करना पड़ा जिसमें अनुषंगी कंपनी में निवेश में कमी, श्रम संहिता का प्रभाव एवं उसकी जर्मन इकाई भारत फोर्ज सीडीपी जीएमबीएच के पुनर्गठन से जुड़े आकस्मिक खर्च शामिल हैं।

सीईएससी का चौथी तिमाही का शुद्ध लाभ 19 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। बिजली कंपनी सीईएससी लिमिटेड का जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 19 प्रतिशत बढ़कर 459 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का पिछले वर्ष की समान अवधि में शुद्ध लाभ 386 करोड़ रुपये रहा था। सीईएससी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की कुल आय बढ़कर 4,129 करोड़ रुपये हो गई जो एक वर्ष पहले इसी तिमाही में 4,030 करोड़ रुपये थी।

उत्पादन ही काफी नहीं, निर्यात क्षमता भी बढ़ानी होगी : शिवराज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि अब केवल उत्पादन बढ़ाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि गुणवत्ता, सेल्फ लाइफ, प्रोसेसिंग और निर्यात क्षमता को मजबूत करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

इतना ही नहीं, भारत को वैश्विक फल बाजार में मजबूत पहचान दिलाने के लिए उत्पादन से लेकर प्रोसेसिंग, लॉजिस्टिक्स और निर्यात तक पूरी वैल्यू चेन को आधुनिक बनाना होगा।

केन्द्रीय मंत्री, गुरुवार को लखनऊ स्थित आईसीएआर-केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान (सीआईएसएच) में आयोजित 'फ्रूट होराइजन 2026' कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

लखनऊ स्थित आईसीएआर-केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान (सीआईएसएच) में कृषि विज्ञानी से बात करते केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान।

फ्रूट होराइज़न 2026

- यूपी बनेगा प्रीमियम फल उत्पादन और निर्यात का बड़ा हब
- गुणवत्ता, सेल्फ लाइफ और निर्यात मानकों पर होगा विशेष फोकस

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा के लिए भारतीय फलों की गुणवत्ता सुधारना बेहद जरूरी है। सरकार अब शेल्फ लाइफ बढ़ाने, निर्यात के दौरान गुणवत्ता बनाए रखने और वैश्विक मानकों के अनुरूप उत्पादन पर विशेष ध्यान दे रही है। मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जीरो रिजेक्शन और प्रीमियम क्वालिटी वाले फलों का उत्पादन भारत को निर्यात के क्षेत्र में नई ऊंचाई तक पहुंचा सकता है।

इसके लिए आधुनिक तकनीक, बेहतर पोस्ट-हार्वेस्ट प्रबंधन, पैकहाउस और प्रोसेसिंग सुविधाओं को बढ़ावा दिया जाएगा। कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों से किसान, वैज्ञानिक, निर्यातक, नर्सरी संचालक, एफपीओ और फल प्रसंस्करण क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

इस दौरान प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही और उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह समेत कई वरिष्ठ अधिकारी व कृषि विज्ञानी मौजूद रहे।

किसानों की आय बढ़ाने को बनेगी टास्क फोर्स

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री की अध्यक्षता में यह निर्णय लिया गया कि आईसीएआर के वैज्ञानिक संस्थान, एपीडा, निर्यातक और अन्य एजेंसियां मिलकर एक विशेष टास्क फोर्स बनाएंगी। यह टास्क फोर्स उत्पादकों और निर्यातकों की समस्याओं का समाधान कर समयबद्ध एक्शन प्लान तैयार करेगी, जिससे किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी।

यूपी को मिलेगा क्लीन प्लांट मिशन का लाभ

शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि केंद्र सरकार के "क्लीन प्लांटिंग मैटेरियल प्रोग्राम" के तहत उत्तर प्रदेश को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। इसी क्रम में उन्होंने छोटे किसानों को बाजार और निर्यात से जोड़ने में एफपीओ, एफपीसी और स्वयं सहायता समूहों की भूमिका को अहम बताया। कार्यक्रम में यह भी जानकारी दी गई कि राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड द्वारा कई निर्यातोन्मुख क्लस्टर विकसित किए जा रहे हैं। साथ ही बताया कि जल्द ही जेवर एयरपोर्ट से जुड़ी निर्यात परियोजनाएं प्रदेश को फल निर्यात के बड़े केंद्र के रूप में स्थापित करेंगी।

बदलाव के नए दौर की शुरुआत

शेयर बाजार में अब घरेलू निवेशकों ने थामी पतवार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पहली तिमाही में निफ्टी-50 कंपनियों में घरेलू हिस्सेदारी रिकॉर्ड 20.9% पर
- विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की पकड़ पड़ रही ढीली, हिस्सेदारी घटकर 17.1%

अमृत विचार। देश में शेयर बाजार की तस्वीर तेजी से बदल रही है। लंबे समय तक बाजार की दिशा तय करने वाले विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की पकड़ अब कमजोर पड़ती दिख रही है, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) निर्णायक ताकत बनकर उभर रहे हैं। भारतीय पूंजी बाजार के लिए यह बदलाव एक नए दौर की शुरुआत माना जा रहा है, जिसमें बाजार की असली ताकत घरेलू निवेशकों के हाथों में जाती नजर आ रही है।

इस साल की पहली तिमाही के आंकड़ों के अनुसार निफ्टी-50 कंपनियों में घरेलू संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी बढ़कर रिकॉर्ड 20.9 फीसदी पर पहुंच गई है, जबकि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की हिस्सेदारी घटकर 17.1 फीसदी रह गई है, यह बीते कई वर्षों का निचला स्तर है। यह बदलाव भारतीय पूंजी बाजार की संरचना में हो रहे बड़े परिवर्तन का संकेत है।

म्यूचुअल फंडों में बढ़ते एसआईपी निवेश, रिटायरमेंट फंड्स की सक्रियता और खुदरा निवेशकों की बढ़ती भागीदारी ने घरेलू निवेशकों को बाजार का नया आधार बना दिया है। मार्च में समाप्त तिमाही के दौरान घरेलू संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में करीब 27.2 अरब डॉलर का निवेश किया। दूसरी ओर विदेशी निवेशकों की ओर से बिकवाली का दबाव बना रहा। हालांकि मार्च के अंत में बाजार में आई तेजी से विदेशी निवेशकों की गतिविधियों में कुछ नरमी देखने को मिली। यदि घरेलू निवेशकों की यह प्रवृत्ति जारी रहती है तो विदेशी बिकवाली का असर पहले की तुलना में काफी सीमित रह सकता है।

बाजार में स्थिरता लाता है घरेलू निवेश

आर्थिक सलाहकार और शेयर बाजार विशेषज्ञ राजीव सिंह के अनुसार पिछले एक वर्ष में घरेलू निवेशकों ने बैंकिंग, टेक्नोलॉजी, इंफ्रास्ट्रक्चर, रियल एस्टेट, हेल्थकेयर और उपभोक्ता क्षेत्र समेत कई सेक्टरों में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई है। इसके विपरीत विदेशी पोर्टपोलियो निवेशकों ने अनेक सेक्टरों में हिस्सेदारी कम की है। घरेलू संस्थानों की दीर्घकालिक निवेश रणनीति बाजार में स्थिरता लाती है, जबकि विदेशी निवेश अपेक्षाकृत अधिक संवेदनशील होता है और वैश्विक परिस्थितियों से तेजी से प्रभावित होता है। घरेलू बचत का वित्तीय परिसंपत्तियों की ओर बढ़ता रुझान भारतीय बाजार को दीर्घकालिक मजबूती देगा। इससे बाजार की विदेशी पूंजी पर निर्भरता घटेगी और उतार-चढ़ाव में कमी आ सकती है। एसआईपी प्रवाह और घरेलू निवेश की रफ्तार बनी रहती है, तो भारतीय शेयर बाजार आने वाले वर्षों में अधिक आत्मनिर्भर और स्थिर स्वरूप में सामने आ सकता है।

बुनियादी ढांचा सुधार से तेजी से बढ़ रहा उप्र का संपत्ति बाजार : यूपी-रेरा

2026 में 400 नई परियोजनाओं को दी जा सकती है मंजूरी, पिछले साल थीं 308

नई दिल्ली, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (उप्र-रेरा) के चेयरमैन संजय आर भूसरेड्डी ने कहा है कि बुनियादी ढांचे में सुधार के चलते राज्य में संपत्ति बाजार तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि उप्र-रेरा द्वारा 2026 में 400 नई परियोजनाओं को मंजूरी दी जा सकती है। पिछले कैलेंडर साल में यह आंकड़ा 308 रहा था।

उद्योग मंडल फिक्की द्वारा आयोजित रियल एस्टेट शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण के चेयरमैन भूसरेड्डी ने कहा कि राज्य का संपत्ति बाजार अब केवल लखनऊ, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद तक ही सीमित नहीं है।

उन्होंने कहा कि कानपुर, गोरखपुर, वाराणसी, अयोध्या, झांसी, हापुड़, बरेली, मेरठ, मुजफ्फरनगर और गोंडा जैसे अन्य शहरों में भी रियल एस्टेट गतिविधियों में तेजी आई है। भूसरेड्डी ने कह कि यूपी-रेरा ने 2023 के कैलेंडर वर्ष में 197 परियोजनाओं को मंजूरी दी थी। यह संख्या 2024 में बढ़कर 259 और 2025 में 308 हो गई। इस वर्ष अब तक हमने 108 परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। उन्होंने बताया कि पूरे 2026 में 400 से अधिक परियोजनाओं को मंजूरी मिलने की संभावना है। रेरा अधिनियम के अन्तर्गत, रियल एस्टेट डेवलपर को अपनी परियोजनाओं को बिक्री के लिए पेश करने से पहले रेरा पंजीकरण प्राप्त करना आवश्यक है।

भूसरेड्डी ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बुनियादी ढांचे के विकास, जिसमें जेवर हवाई अड्डा भी शामिल है, के कारण रियल एस्टेट की कीमतों में तेजी से वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि जहां भी राज्य सरकार ने एक्सप्रेसवे विकसित किए हैं, वहां रियल एस्टेट क्षेत्र अच्छा प्रदर्शन कर रहा है।

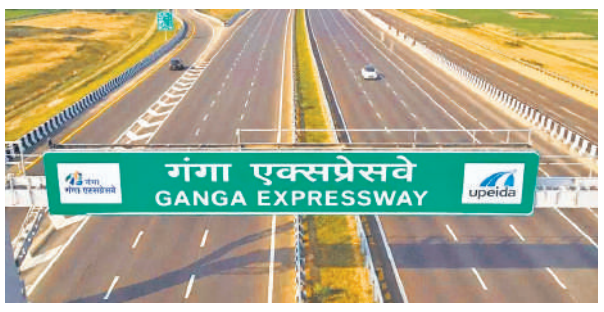

रियल एस्टेट शिखर सम्मेलन में बोले यूपी रेरा अध्यक्ष- कानपुर, गोरखपुर, वाराणसी, अयोध्या, झांसी, हापुड़, बरेली, मेरठ, मुजफ्फरनगर और गोंडा जैसे अन्य शहरों में भी रियल एस्टेट गतिविधियों में आई है तेजी

खरीदार और विक्रेता, दोनों के बीच रेरा अधिनियम के प्रति अधिक जागरूकता की आवश्यकता

दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (रेरा) के चेयरमैन आनंद कुमार ने खरीदारों और विक्रेताओं दोनों के बीच रेरा अधिनियम के प्रति अधिक जागरूकता की आवश्यकता पर बल दिया। फिक्की के पूर्व अध्यक्ष और सोमानी इम्प्रेसा ग्रुप के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक संदीप सोमानी ने कहा कि निवेशकों के बढ़ते भरोसे के बीच भारत का रियल एस्टेट क्षेत्र वृद्धि के अगले चरण में प्रवेश कर रहा है। एचडीएफसी कैपिटल एडवाइजर्स लि. के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी विपुल रुंगटा ने कहा कि भारत का दो-तिहाई रियल एस्टेट बाजार आवास क्षेत्र से संबंधित है। उन्होंने कहा कि युवा और आकांक्षी आबादी की वजह से आवासीय इकाइयों की मांग बढ़ेगी।

एनबीएफसी लाइसेंस लेने की योजना से पेटीएम का इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी प्रमुख वन97 कम्युनिकेशंस ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) लाइसेंस के लिए आवेदन करने की योजना से इनकार किया है। वन97 कम्युनिकेशंस के पास पेटीएम ब्रांड का स्वामित्व है। कंपनी का चौथी तिमाही का आय संबंधी विवरण देते हुए पेटीएम के अध्यक्ष मधुर देवड़ा ने गुरुवार को कहा कि हम एनबीएफसी लाइसेंस लेने को लेकर बहुत उत्साहित नहीं हैं। पेटीएम की प्राथमिकता दोनों पक्षों के लिए लाभकारी साझेदारी मॉडल की है। जिसमें पेटीएम वितरण, प्रौद्योगिकी एवं वसूली का काम संभालता है जबकि उसके प्रतिष्ठित ऋण साझेदार पूंजी, जोखिम एवं चक्रीय उतार-चढ़ाव का प्रबंधन करते हैं।

राज्यों के जीडीपी की गणना के लिए दिशा निर्देश जारी

नई दिल्ली, एजेंसी

सांख्यिकी मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को राज्यों के सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) की गणना के लिए 2022-23 को आधार वर्ष मानते हुए एक समान दिशानिर्देश जारी किए हैं। इससे सभी राज्यों में मानकीकृत ढांचे और प्रदर्शन की तुलनात्मकता सुनिश्चित की जा सकेगी।

राष्ट्रीय लेखा खातों की गणना के लिए आधार वर्ष को पहले ही 2022-23 में बदल दिया गया है ताकि नये आंकड़ों और विकसित हो रहे अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ बेहतर अनुमान पद्धतियों को शामिल करके अर्थव्यवस्था की संरचना को अधिक सटीक रूप से समझा जा सके।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने बयान में कहा कि इस बदलाव के अनुरूप, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को क्षेत्रीय आर्थिक प्रदर्शन के आकलन में अधिक सटीकता, एकरूपता और तुलनात्मकता सुनिश्चित करने के लिए सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) संकलन को नए आधार वर्ष को अपनाना जरूरी है। इससे राज्य स्तरीय अनुमानों की एकरूपता, विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक मानकीकृत ढांचा प्राप्त होगा। वित्त मंत्रालय, वित्त आयोग, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) और अन्य संबंधित पक्ष राजकोषीय विकेंद्रीकरण, नीति निर्माण, संसाधन आवंटन, बजट निर्माण, प्रदर्शन मूल्यांकन और अंतर-राज्यीय तुलनाओं के लिए जीएसडीपी का व्यापक रूप से उपयोग करते हैं।

वर्तमान में, लक्षद्वीप और दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव को छोड़कर 34 राज्य/केंद्र शासित प्रदेश 2011-12 को आधार वर्ष मानकर जीएसडीपी अनुमान संकलित कर रहे हैं।

- वर्ष 2022-23 को माना गया आधार वर्ष
- सभी राज्यों में मानकीकृत ढांचे और प्रदर्शन की तुलनात्मकता सुनिश्चित की जा सकेगी

श्रमिकों के लिए मुफ्त वार्षिक स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम शुरू

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने 40 वर्ष और उससे अधिक आयु के श्रमिकों के लिए राष्ट्रव्यापी निःशुल्क वार्षिक स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम की गुरुवार को शुरुआत की।

दिल्ली स्थित ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मांडविया ने कहा कि चार श्रम संहिताओं का क्रियान्वयन देशभर के श्रमिकों के लिए सम्मान, कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी को दर्शाता है। श्रम एवं रोजगार मंत्री ने इस अवसर को 'श्रम शक्ति' के सम्मान का दिन बताते हुए कहा कि सरकार सभी श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा दायरे को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्ष में सरकार ने रोजगार सृजन के जरिये 'श्रम शक्ति' और 'युवा शक्ति' को सशक्त बनाने का काम किया है।

देश में सामाजिक सुरक्षा का दायरा एक दशक में 30 करोड़ से बढ़कर आज करीब 94 करोड़ लाभार्थियों तक पहुंच गया है।

सेबी ने बंद किया शेयर ब्रोकरों के जोखिम का सुरक्षा प्रणाली मंच 'आईआरआरए'

नई दिल्ली, एजेंसी

बाजार नियामक सेबी ने गुरुवार को शेयर ब्रोकरों के लिए निवेशक जोखिम कम करने वाले मंच आईआरआरए को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा कि पूंजी बाजार में कामकाज जारी रखने की मजबूत व्यवस्था और साइबर सुरक्षा ढांचे के सशक्त होने से यह मंच अब अप्रासंगिक हो गया है।

आईआरआरए (इन्वेस्टर रिस्क रिडक्शन एक्सेस) मंच को एक अक्टूबर, 2023 को शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य ब्रोकरों को शेयर खरीद-बिक्री सेवाओं में बाधा आने की स्थिति में एक वैकल्पिक माध्यम उपलब्ध कराना था।

हालांकि, सेबी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में प्रौद्योगिकी-आधारित कई उपाय लागू किए जाने से ब्रोकरों की परिचालन क्षमता में मजबूती आई है। इनमें 'बिजनेस कंटिन्यूटी प्लानिंग और डिजास्टर रिकवरी' (बीसीपी-डीआर) व्यवस्था, बेहतर साइबर सुरक्षा ढांचा, बाजार सुरक्षा परिचालन केंद्र और तकनीकी गड़बड़ी से निपटने के तंत्र को मजबूत करना शामिल है।

शेयर ब्रोकरों ने ऐसे तकनीकी समाधान भी अपनाए हैं, जिससे किसी बाधा की स्थिति में मुख्य और वैकल्पिक प्रणाली के बीच आसानी से स्विच किया जा सकता है।

कभी उपयोग में ही नहीं आया था मंच

सेबी के मुताबिक, शेयर बाजारों ने बताया है कि आईआरआरए मंच शुरू होने के बाद से कभी भी उपयोग में नहीं आया और मजबूत नियामकीय उपायों एवं तकनीकी प्रगति के कारण यह 'संरचनात्मक रूप से अप्रासंगिक' हो गया है। बाजार नियामक ने इन्हीं कारणों और हितधारकों की प्रतिक्रिया के आधार पर इस मंच को तत्काल प्रभाव से बंद करने का फैसला किया है।

वालमार्ट ने कहा- भारत सबसे गतिशील व्यापारिक अवसर

नयी दिल्ली,एजेंसी। अमेरिकी कंपनी वॉलमार्ट के अध्यक्ष और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जॉन फर्नर ने भारत को वैश्विक व्यापार में सबसे गतिशील अवसरों में से एक बताते हुए कहा है कि कंपनी अब तक यहां से 40 अरब डॉलर मूल्य का सामान खरीद चुकी है।

फर्नर ने कहा कि कंपनी उद्यमियों और आपूर्तिकर्ताओं की क्षमताओं को मजबूत करने, अनुपालन और गुणवत्ता मानकों को बेहतर बनाने तथा विनिर्माण क्षमता बढ़ाने पर ध्यान दे रही है, ताकि अधिक भारतीय व्यवसाय निर्यात के लिए तैयार हो सकें।

एमएमटीपी-पीएएमपी ने फिर शुरू किया डिजिटल सोना-चांदी खरीद का मंच

नई दिल्ली, एजेंसी

बहुमूल्य धातुओं को परिष्कृत करने वाली कंपनी एमएमटीसी-पीएएमपी डिजिटल रूप में सोने और चांदी की खरीद को फिर से शुरू कर दिया है। अब उपभोक्ता गूगल पे, पेटीएम और फोनपे जैसे साझेदार मंचों के अलावा कंपनी की वेबसाइट और एंड्रॉइड ऐप के माध्यम से सीधे डिजिटल सोने और चांदी की खरीदारी कर सकते हैं। कंपनी ने सबसे पहले 2017 में डिजिटल सोना और फरवरी, 2023 में चांदी की पेशकश की थी। हालांकि, बेहतर उपयोगकर्ता अनुभव के लिए वेबसाइट को नया रूप देने के उद्देश्य से 2024 के अंत में सीधे मंच से बिक्री बंद कर दी गई थी।

कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी समित गुहा ने कहा कि डिजिटल सोना और चांदी कीमती धातुओं के उद्योग में खरीदारी का एक पसंदीदा तरीका बनता जा रहा है। खासकर युवा और पहली बार निवेश करने वाले निवेशकों के बीच यह काफी लोकप्रिय है। यह माध्यम सुगमता, लचीलेपन और पारदर्शिता को महत्व देता है।

कहा कि इसकी पुनः शुरुआत के साथ हमारा ध्यान डिजिटल मंच की सुविधा के साथ भौतिक सोने और चांदी के भरोसे को बनाए रखने पर है। भारत में निवेश के एक विकल्प के रूप में डिजिटल कीमती धातुओं ने लोकप्रियता हासिल की है।

दस रुपये मात्र से कर सकते हैं सोना-चांदी में निवेश

वेबसाइट के नवीनीकरण के दौरान यह सेवा तृतीय-पक्ष भुगतान मंच के माध्यम से उपलब्ध रही। एमएमटीसी-पीएएमपी ने मई, 2025 में अपनी नई वेबसाइट को फिर से पेश किया। इस सेवा के तहत ग्राहक मात्र 10 रुपये से सोने और चांदी में निवेश कर सकते हैं। प्रत्येक यूनिट के बदले में बीमाकृत, बैंक-स्तर की तिजोरियों में सुरक्षित भौतिक धातु मिलती है, जिसका ऑडिट एक स्वतंत्र तृतीय-पक्ष द्वारा किया है। ग्राहक के नाम पर इन्हें रखा जाता है और इन्हें वास्तविक बाजार मूल्यों पर खरीदा, बेचा, उपहार में दिया या भुनाया जा सकता है। प्राप्त राशि सीधे बैंक खाते में भेजी जाती है या भौतिक सिक्कों और छड़ों में परिवर्तित की जाती है।

बदलाव

कोफोर्ज का मुनाफा दोगुना, एआई से पैदा होंगे नए और ज्यादा लाभ वाले अवसर

कामकाज का मॉडल बदल रहा एआई, पर बाजार नहीं होगा कम

नई दिल्ली, एजेंसी

सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी कोफोर्ज ने कहा है कि कृत्रिम मेधा (एआई) के तेजी से बढ़ते इस्तेमाल से आईटी उद्योग का पारंपरिक 'लेबर-एज-ए-डिफॉल्ट' मॉडल बदल रहा है। हालांकि, कंपनी का मानना है कि इससे आईटी सेवाओं का बाजार छोटा नहीं होगा, बल्कि नए और ज्यादा मुनाफे वाले अवसर पैदा होंगे।

कंपनी का जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ दोगुना होकर 612.3 करोड़ रुपये पहुंच गया।एक साल पहले इसी अवधि में यह 308 करोड़ रुपये के आसपास था। वहीं, कंपनी का राजस्व 30 प्रतिशत बढ़कर 4,450.4 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल इसी तिमाही में 3,422.2 करोड़ रुपये था। कंपनी के सीईओ और कार्यकारी निदेशक सुधीर सिंह ने कहा कि एआई के बढ़ते इस्तेमाल से टेक्नोलॉजी सर्विस इंडस्ट्री में बड़ा बदलाव आ रहा है। उन्होंने कहा कि एआई से कोड बनाना भले सस्ता हो, लेकिन उसका रखरखाव, सुरक्षा और संचालन महंगा पड़ता है। इसलिए आने वाले समय में एआई आधारित सेवाओं की मांग तेजी से बढ़ेगी।

एजेंट एआई बनेगा नया बड़ा बाजार

सुधीर सिंह ने कहा कि जैसे 20 साल पहले कंपनियां क्लाउड टेक्नोलॉजी की ओर बढ़ी थीं, वैसे ही अब "एजेंट एआई" नई तरह की मैनेज्ड सर्विसेज का बड़ा बाजार तैयार करेगा। उन्होंने कहा कि एआई सिस्टम लागू होने के बाद कंपनियों को मॉडल की निगरानी करनी होगी। एआई एजेंट्स को दोबारा ट्रेन करना होगा और पूरे सिस्टम का संचालन संभालना होगा। इससे आईटी कंपनियों के लिए नए बिजनेस अवसर बनेंगे। कोफोर्ज ने निवेशकों को बताया कि फिलहाल एआई आधारित टेक्नोलॉजी सेवाओं का बाजार 160-180 अरब डॉलर का है। इसके अगले पांच वर्षों में 35 प्रतिशत की दर से बढ़ते हुए 800 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। कोफोर्ज ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी ने एआई पर 55 लाख डॉलर का निवेश किया।

बढ़ती लागत से निपटने को प्रौद्योगिकी अपना रहा रियल एस्टेट क्षेत्र : रिपोर्ट

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत का रियल एस्टेट क्षेत्र बढ़ती लागत के दबाव और सख्त नियामकीय अनुपालन के बीच मूल्य श्रृंखला में दक्षता बढ़ाने के लिए तेजी से डिजिटल और डेटा-आधारित माध्यमों (टूल) को अपना रहा है। उद्योग मंडल फिक्की और केपीएमजी की एक संयुक्त रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का रियल एस्टेट बाजार 2047 तक 5,800 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा जो 2025 में 650 अरब डॉलर का था। फिक्की और परामर्श कंपनी केपीएमजी की रिपोर्ट 'भारत के रियल एस्टेट परिदृश्य की पुनर्कल्पना - मूल्य श्रृंखला परिवर्तन में प्रौद्योगिकी की भूमिका' गुरुवार को यहां जारी की गई। फिक्की द्वारा आयोजित एक शिखर सम्मेलन में जारी रिपोर्ट में कहा गया कि... यह क्षेत्र अब तेजी से डिजिटल और डेटा-आधारित माध्यमों को अपना रहा है।

न्यूज ब्रीफ

स्व-गणना के साथ जनगणना अभियान का हुआ आगाज

बिल्हौर। देश की आगामी जनगणना को लेकर आम जनमानस को जागरूक करने के उद्देश्य से बिल्हौर तहसील प्रशासन ने एक विशेष अभियान चलाया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत कस्बे में स्कूली बच्चों के माध्यम से एक भव्य जागरूकता रैली निकाली गई और डिजिटल माध्यमों के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए 'स्व-गणना' प्रक्रिया पर जोर दिया गया। अभियान की शुरुआत बिल्हौर नगर के प्रथम नागरिक (नगर पालिका चेयरमैन) की 'स्व-गणना' कराकर की गई। चेयरमैन इखलाख खान ने स्वयं अपनी जानकारी साझा कर नगरवासियों को यह संदेश दिया कि जनगणना राष्ट्र निर्माण के लिए कितनी महत्वपूर्ण है। चेयरमैन द्वारा की गई पहल ने स्थानीय नागरिकों को प्रेरित किया है कि वे भी बिना किसी हिचकिचाहट के इस राष्ट्रीय कार्य में अपना सहयोग दें। रैली में स्थानीय स्कूलों के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर बच्चों ने नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए लोगों को जनगणना के प्रति जागरूक किया।

एसीपी की अगुवाई में पुलिस ने किया पैदल गश्त

बिल्हौर। कस्बे में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने और आम जनमानस में विश्वास जगाने के उद्देश्य से गुरुवार को पुलिस ने फ्लैग मार्च किया। एसीपी बिल्हौर सुभाष चंद्र की अगुवाई में भारी पुलिस बल ने कस्बे के मुख्य मार्गों पर पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पैदल गश्त के दौरान एसीपी ने स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों से संवाद किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस प्रशासन जनता की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य अराजक तत्वों में भय पैदा करना और आम नागरिकों को सुरक्षित वातावरण का अहसास कराना था। गश्त के दौरान सड़क किनारे दुकानदारों द्वारा किए गए अतिक्रमण पर एसीपी सुभाष चंद्र ने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने मौके पर ही सभी दुकानदारों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि सड़क पर सामान फैलाकर आवागमन बाधित न करें।अतिक्रमण के कारण लगने वाले जाम से जनता को परेशानी होती है।

अग्निकांड पीड़ित व्यापारी को सौंपी सहायता राशि

घाटमपुर। घाटमपुर क्षेत्र में हुए भीषण अग्निकांड ने एक परिवार के ऊपर कहर बरपा दिया। इस दर्दनाक हादसे में श्री राम किशन गुप्ता की मौत हो गई थी, जबकि परिवार के कई सदस्य गंभीर रूप से झुलसकर अस्पताल में भर्ती रहे। आग की लपटों ने घर, गृहस्थी और वर्षों की मेहनत की कमाई को पलभर में राख कर दिया था। हादसे की भयावहता को देखते हुए उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल पीड़ित परिवार के सहारे के रूप में सामने आया। जिला अध्यक्ष महेश वर्मा के नेतृत्व में संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर हरसंभव सहायता का भरोसा दिया और 60,275 रुपये की सहायता राशि दी। इस दौरान जिला मंत्री ललित सोनी, प्रदीप मिश्रा, विपिन ओमर, उसामा मिर्ज़ा, आशीष पाण्डेय, महेश ओमर, अमित सोनी, विनीत गुप्ता, सुरेश ओमर, सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल ने सहयोग करने वाले सभी व्यापारियों, समाजसेवियों और आम नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

यमुना नदी के किनारे बैठा परिवार, रिश्तेदार और गांव की महिलाएं। अमृत विचार

अपनों के गम में बेहाल रहीं परिवार की महिलाएं। अमृत विचार

मृतकों के परिजनों से मिलते सपा सांसद अजेंद्र लोधी। अमृत विचार

रात भर चला सर्च ऑपरेशन, गूंजती रहीं चीखें

अफसरों की मौजूदगी में सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक बरामद किए गए शव, फोन पर बात करते समय बिगड़ा नाव का संतुलन

नाव हादसा

संवाददाता, कुरारा (हमीरपुर)

अमृत विचार। भौली ग्राम पंचायत के कोतुपुर पटिया गांव में बुधवार शाम यमुना नदी में हुए नाव हादसे के बाद प्रशासनिक अमले की मौजूदगी में रात भर सर्च ऑपरेशन चला, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। गुरुवार सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक एक के बाद एक कर महिला सहित सभी 6 लोगों के शव बरामद कर लिए गए। हादसा स्थल के आसपास खासा मजमा लगा रहा।

कोतुपुर पटिया के पास यमुना नदी में नाव पलटने से छह लोग डूब गए थे, जबकि तीन लोगों को बचा लिया गया था। मौसम खराब होने के बाद भी एनडीआरएफ, एसडीएआरएफ और फतेहपुर की पीएसी फ्लड टीम ने रात भर रेस्क्यू में जुटी रहीं। बुधवार को विष्णु मनकी कला निवासी अपने साढ़ू पप्पू की पत्नी बृजरानी, उसके पुत्र दिव्यांश, आकांक्षा पुत्री हेतराम निवासी जलाला, भाई बच्चन की पुत्री रानी, घाटमपुर निवासी भांजे आदित्य, भांजी अर्चना और परिवार के पारुल व रिंकू को लेकर यमुना नदी के बीच रेत वाली बारी में खरबूजा-ककड़ी लेने गए थे। शाम करीब 6:30 बजे लौटते समय मोबाइल पर बात करते समय अचानक संतुलन बिगड़ने से नाव पलट गई थी, जिससे सभी नौ लोग डूब गए। नाव चला रहे विष्णु ने किसी तरह पारुल और रिंकू को बचाकर नदी के किनारे पहुंचाया, लेकिन 6 लोग लापता हो गए थे।

रानी।

अर्चना।

बृजरानी।

आदित्य।

लव्यांश।

डीजे के शोर में दबी मदद की गुहार

- बताते हैं कि कोतुपुर पटिया गांव में बुधवार को गांव के श्रीपाल के लड़के की बारात जा रही थी। निकासी के दौरान डीजे बज रहा था। इसी दौरान यमुना नदी में नाव पलट गई। हादसे का शिकार हुए लोग मदद की गुहार लगा रहे थे, लेकिन डीजे के शोर में उनकी आवाज सुनाई नहीं दी। हालांकि पटिया गांव के कुछ लोगों ने देखा तो दौड़ कर पहुंचे, लेकिन अंधेरा होने के कारण किसी को बचा नहीं सके।

परिजनों को 4.25 लाख मुआवजा

- राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की अध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति और प्रदेश सरकार के जल शक्ति मंत्री रामकेश निषाद ने परिजनों को ढांढस बंधाया। साध्वी निरंजन ज्योति ने बताया कि प्रदेश सरकार ने प्रत्येक मृतक के परिजनों को 4 .25 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की है। उन्होंने हर संभव मदद दिलाने का भरोसा दिया और अपील की कि यमुना नदी में नाव में ज्यादा लोगों को लेकर न जाएं।

बारात की विदाई के बाद रुके थे रिश्तेदार

भौली ग्राम पंचायत के मजर कोतुपुर पटिया गांव निवासी देशराज निषाद की नातिन की मंगलवार को शादी थी। बारात कानपुर नगर जनपद के सजेती थाना क्षेत्र के पाही गांव से आई थी। बुधवार को बारात और दुल्हन की विदाई होने के बाद देशराज के करीबी नाते- रिश्तेदार रुके हुए थे। दिन में आराम करने के बाद रिश्तेदार मौज-मस्ती के इरादे से निकले थे और खरबूजा-ककड़ी खाने के लिए यमुना नदी की रेत पर देशराज की बारी जा रहे थे। सभी लोग नाव से बारी तक पहुंचे थे, लेकिन लौटते समय हादसा हो गया।

तीन वर्ष पहले भी हुआ था नाव हादसा

गांव के अजय सिंह ने बताया कि करीब 3 वर्ष पहले पटिया गांव में यज्ञ का आयोजन हुआ था, जिसमें कोटरा मकरंदपुर के 7 लोग नाव में सवार होकर इस पार आ रहे थे, तभी नाव पलट जाने से सभी लोग डूब गए थे। उन्हें पटिया गांव के लोगों ने बचा लिया था। उन्होंने बताया कि आज भी गांव के तमाम छात्र-छात्राएं पढ़ने के लिए नाव का सहारा लेकर नदी के उस पार आते-जाते हैं। आने-जाने का कोई दूसरा जरिया नहीं होने के कारण नाव का सहारा लेना मजबूरी है।

रात भर डटे रहे पुलिस प्रशासनिक अधिकारी

- नाव पलटने की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी अभिषेक गोयल, पुलिस अधीक्षक मृगांक शेखर, सदर एसडीएम और अधिकारी मौके पर पहुंच गए। प्रशासन की सूचना पर एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और फतेहपुर से पीएसी फ्लड टीम अपने साजो-सामान के साथ पहुंच गईं और रेस्क्यू ऑपरेशन में जुट गईं। रात में ही चित्रकूट धाम मंडल के डीआईजी राजेश एस भी घटनास्थल पहुंच गए और राहत व बचाव कार्य का जायजा लिया। रात भर टीमें सर्च ऑपरेशन में जुटी रहीं। गुरुवार को प्रयागराज जोन के एडीजी ज्योति नारायण भी पहुंचे।

जनप्रतिनिधियों का घाट पर लगा जमघट

- हादसे की सूचना पर राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की अध्यक्ष साध्वी निरंजन ज्योति, प्रदेश सरकार के जलशक्ति मंत्री एवं जिले के प्रभारी रामकेश निषाद, सदर विधायक डॉ .मनोज कुमार प्रजापति, हमीरपुर चेयरमैन कुलदीप निषाद, भाजपा जिलाध्यक्ष शकुंतला निषाद, ब्रजकिशोर गुप्ता, कुरारा नगर पंचायत अध्यक्ष आशारानी कबीर ने मौके में पहुंचकर पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना देते हुए हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। सपा सांसद अजेंद्र सिंह लोधी और नगर पंचायत की पूर्व अध्यक्ष माया वाल्मीकि ने गांव पहुंचकर परिजनों को ढांढस बंधाया और मदद का आश्वासन दिया।

घाटमपुर में चोरों ने घर से लाखों के जेवर किए पार

संवाददाता, घाटमपुर

- पीड़ित ने पड़ोसी के खिलाफ दी तहरीर
- पुलिस ओरापी को गिरफ्तार करके कर रही पूछताछ

अमृत विचार। चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के जेवरात समेत नकदी पार कर दी। परिजनों ने पड़ोसी पर चोरी की आशंका जताते हुए पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने पड़ोसी को हिरासत में लेकर घटना की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

घाटमपुर थाना क्षेत्र के जवाहर नगर पूर्वी निवासी पप्पू ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि रोज की तरह वह खाना खाने के बाद घर पर अपने परिवार के साथ सो रहे थे। आरोप है, कि देर रात पड़ोस की छत से पड़ोसी बाबू उनके घर पर उतर आया और कमरे के अंदर अलमारी में रखे चार हजार रुपये की नकदी समेत सोने चांदी के लाखों रुपये की कीमत के जेवरात चोरी कर ले गया। आहट सुनकर उनकी नींद खुली तो चोर दरवाजे से भाग निकला, इस दौरान हल्की रोशनी से उसने और उसकी बेटी ने आरोपी पड़ोसी बाबू को चोरी करके भागते हुए देखा। इसके बाद उन्होंने थाने पहुंचकर तहरीर दी है। पुलिस आरोपी पड़ोसी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही। घाटमपुर इंस्पेक्टर मनोज सिंह भदौरिया ने बताया कि मामले सूचना मिली थी, घटना की गहनता से जांच पड़ताल की जा रही है। जांच पड़ताल के बाद आगे की कार्रवाई की जायेगी।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

युवती को ले जाने के आरोपी को भेजा जेल

सजेती। थाना क्षेत्र के एक ईंट भट्ठे में काम करने वाले पिता ने सजेती थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनकी 19 वर्षीय बेटी 30 अप्रैल को अचानक लापता हो गई थी। पिता ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि उनकी बेटी को कलाम अली निवासी जिला महोबा अपने साथ ले गया है। पीड़ित पिता ने रिपोर्ट में यह भी आरोप लगाया कि कलाम अली के साथ रमजान अली, फारुख, बाबा, मुश्किल, इमरान, सीमा, निशा, सबारा और आमिर समेत अन्य लोगों ने मिलकर उनकी बेटी पर दबाव बनाकर उसका धर्म परिवर्तन करा दिया। बाद में उन्हें जानकारी मिली कि युवती का धर्म परिवर्तन महोबा में कोर्ट के माध्यम से नोटरी कराकर कराया गया है। सजेती थाना प्रभारी अनुज भारती ने बताया कि गुरुवार को पुलिस टीम ने गुजेला मंदिर के पास से कलाम अली को गिरफ्तार कर लिया। बाद में उसे जेल भेज दिया गया।

प्राथमिक विद्यालय मरियानी में बच्चों ने अपनाई स्वयं सेवा भोजन प्रणाली

संवाददाता, चौबेपुर

अमृत विचार। क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय मरियानी में गुरुवार को तिथि भोजन कार्यक्रम के तहत बच्चों को नई पहल से जोड़ते हुए स्वयं सेवा भोजन प्रणाली (बफे सिस्टम) की शुरुआत की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में स्वावलंबन, अनुशासन और स्वच्छता की आदतों को मजबूत बनाना है।

कार्यक्रम का शुभारंभ उप जिलाधिकारी मनीष कुमार व खंड शिक्षा अधिकारी आनंद कुँवर पटेल ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान विद्यालय में बच्चों को कतारबद्ध तरीके से स्वयं भोजन ग्रहण करने की व्यवस्था कराई गई। उप जिलाधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य बच्चों में स्वावलंबन, अनुशासन और स्वच्छता की आदतों को मजबूत करना है।

बच्चों ने भी पूरे उत्साह के साथ बफे सिस्टम के तहत भोजन प्राप्त किया ।वहीं बच्चों के उत्साहवर्धन के लिए उप जिलाधिकारी द्वारा बच्चों को स्टेशनरी एवं पुस्तकें भी वितरित की गईं। विद्यालय प्रधानाध्यापक कुंवर प्रशांत सिंह ने बताया कि विद्यालय में बच्चों को व्यवहारिक शिक्षा से जोड़ने के लिए लगातार नवाचार किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में संगीता मिश्रा, अनुपम, अनिल कुमार, समिता कटियार, ग्राम प्रधान दारा सिंह, श्याम सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

भोजन ग्रहण करते बच्चे। अमृत विचार

पत्नी से विवाद के बाद भाजयुमो नेता ने पी डाई, भर्ती

चौबेपुर। कस्बे में बुधवार शाम पत्नी से हुए विवाद के बाद थाने पहुंचे भाजयुमो पदाधिकारी ने समझौते के दौरान पुलिस के समक्ष ही डाई पीकर जान देने का प्रयास किया। युवक को उपचार के लिए अस्पताल में दाखिल कराया गया।

कस्बा निवासी भाजयुमो पदाधिकारी का बुधवार को पत्नी से मायके जाने को लेकर कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर पति पत्नी दोनों थाने पहुंचे जहां समझौते के दौरान मौका पाकर पति ने जेब में रखी डाई की पुड़िया घोलकर पी ली। युवक द्वारा जहरीला पदार्थ पी लेने से पुलिस के हाथ पांव फूल गए और आनन फानन उसे उपचार के लिए कस्बे के एक निजी अस्पताल में दाखिल कराया गया। प्रभारी निरीक्षक दुर्गेश मिश्रा ने बताया कि पति पत्नी के बीच समझौते के दौरान मौका पाकर पति ने जेब में रखी डाई की पुड़िया घोलकर पी ली थी, जहरीला पदार्थ होने के कारण तत्काल उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां गुरुवार को उसकी हालत सामान्य बताई गई।

गंगा नदी में डूबा किशोर, तलाश जारी

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार । बिल्हौर में घर पर आए रिश्तेदार के साथ गंगा स्नान करने गया किशोर गहराई में जाने से गंगा नदी में डूब गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों की मदद से किशोर की तलाश शुरू कराई। देर शाम तक चले सर्च अभियान के बावजूद किशोर का कोई सुराग नहीं लग सका।

बांगरमऊ उन्नाव निवासी लक्ष्मी पत्नी पंकज बिल्हौर के जवाहर नगर मोहल्ले में किराये के मकान में अपने चार बच्चों के साथ रहती हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण लक्ष्मी लोगों के घरों में काम कर परिवार का पालन-पोषण करती हैं। उनका बड़ा बेटा पवन बाहर शहर में नौकरी करता है, जबकि मझिला बेटा लकी इलाके की दुकानों पर काम करता था।

बताया गया कि गुरुवार को उनके घर कोई रिश्तेदार आया हुआ था। दोपहर बाद लकी रिश्तेदार के साथ गंगा स्नान करने के लिए नानामऊ गंगा तट गया था। स्नान के दौरान वह नदी में अधिक गहराई में चला गया और डूबने लगा।

वहां मौजूद रिश्तेदार और आसपास के लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन जब तक लोग मौके पर पहुंचते तब तक किशोर गंगा की तेज धारा में लापता हो चुका था। बिल्हौर पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों को बुलाकर तलाशी अभियान शुरू कराया। हादसा बांगरमऊ थाना क्षेत्र में होने के कारण वहां की पुलिस को भी सूचना दी गई। पुलिस की मौजूदगी में गोताखोरों ने करीब तीन घंटे तक गंगा नदी में किशोर की तलाश की, लेकिन देर शाम तक उसका कोई पता नहीं चल सका। उन्होंने बताया शुक्रवार को सुबह से ही युवक की तलाश की जायेगी।

देवर ने भाभी से किया दुष्कर्म

- **घाटमपुर।** रेउना थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली महिला ने रेउना थाने में दर्ज कराए मुकदमे में बताया कि उसका पति मानसिक विक्षिप्त है। इस दौरान देवर ने शादी का वादा करके उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए। जब भाभी ने देवर से शादी करने की बात कही तो देवर मुकर गया, इसके बाद भाभी ने थाने पहुंचकर देवर के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस ने भाभी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी देवर को घुघुवा पुल के पास से गिरफ्तार कर लिया।

बैठक पार्टी कार्यालय में सुरक्षित सीटों के प्रभारी डॉ . इमरान की अध्यक्षता में बैठक संपन्न

सपाइयों ने संगठन की मजबूती पर किया मंथन

संवाददाता बिल्हौर

अमृत विचार। समाजवादी पार्टी ने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए अभी से बिसात बिछानी शुरू कर दी है। इसी क्रम में कानपुर नगर और कानपुर देहात की सुरक्षित सीटों पर संगठन को धार देने के लिए पार्टी ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। गुरुवार को बिल्हौर स्थित पार्टी कार्यालय में सुरक्षित सीटों के प्रभारी डॉ. इमरान की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई।

सपा की बैठक के दौरान जोनल, सेक्टर और बूथ अध्यक्षों के साथ आगामी चुनावी रणनीति पर विस्तृत चर्चा की गई। प्रभारी डॉ. इमरान ने स्पष्ट किया कि सुरक्षित सीटों पर विजय हासिल करने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को जिम्मेदारी संभालनी होगी। उन्होंने कहा, कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को सुनें और पार्टी की जनहितैषी नीतियों को घर-घर पहुँचाएं।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते सपा नेता। अमृत विचार

बैठक में मौजूद सपा विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बूथ स्तर पर मजबूत पकड़ ही चुनाव में सफलता की कुंजी है। वहीं, सपा नेत्री रचना सिंह गौतम ने जोर दिया कि पार्टी हमेशा से गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के हक की लड़ाई लड़ती रही है, जिसे अब और प्रभावी ढंग से जनता के सामने रखना है। वक्ताओं ने बूथ समितियों के गठन और मतदाता सूची पुनरीक्षण पर जोर दिया। साथ ही संगठन में युवाओं को अधिक से अधिक जोड़ने का लक्ष्य रखा गया। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से पार्टी की गतिविधियों को जनता तक पहुँचाना होगा।इस दौरान मुख्य रूप से अनिरुद्ध बोधी, जितेंद्र कटियार, कपूर कटियार, पुनीत कटियार, आशीष कटियार, चुन्नी लाल गौतम, ज्ञान चंद्र कोरी, बंटी भाई, रमेश गौतम, अनिल कुशवाहा, हरिओम पांडे और पंकज सिंह सहित भारी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार,8 मई 2026

न्यूज ब्रीफ

आमने-सामने टकराईं बाइकें, दो लोग घायल

कानपुर देहात। थाना अमराहट क्षेत्र के जनता इंटर कॉलेज उमरपुर के पास दो मोटर साइकिलों में आमने-सामने भिड़ंत हो गई। इसमें दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। मोहित पुत्र विनोद 35 वर्ष, निवासी ग्राम निनहौर तथा सोनू 30 वर्ष निवासी ग्राम घटा पारा अमराहट काम की तलाश में मोटर साइकिल से जाफरपुर जा रहे थे। इसी दौरान जनता इंटर कॉलेज उमरपुर के पास दोनों बाइकों की टक्कर हो गई। घटना की सूचना मिलते ही एंबुलेंस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सिकंदरा में भर्ती कराया गया। वहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए दोनों को जिला अस्पताल अकबरपुर रेफर कर दिया। वर्तमान में जिला अस्पताल अकबरपुर में दोनों घायलों का इलाज जारी है।

राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर हुई बैठक

कानपुर देहात। शनिवार को जनपद न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन होगा। इसके लिए गुरुवार को जिला जजी के सभागार में जनपद न्यायाधीश व अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रविंद्र सिंह की अध्यक्षता में तैयारी बैठक हुई। इसमें समस्त विभागाध्यक्ष रहे। बताया गया कि शनिवार को इस लोक अदालत का शुभारंभ प्रशासनिक न्यायमूर्ति द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया जाएगा। बैठक में राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु समस्त विभागाध्यक्षों से अधिक से अधिक मामलों के निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान नोडल अधिकारी, लोक अदालत रजत सिन्हा, अपर जिला जज प्रथम तथा अपर पुलिस अधीक्षक, अपर जिलाधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक कमिश्नरेट, कानपुर नगर, नूपुर श्रीवास्तव सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आदि रहे।

जिलाधिकारी ने भी पोर्टल पर की स्वगणना

कानपुर देहात। कलेक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी व प्रमुख जनगणना अधिकारी कपिल सिंह स्वगणना अभियान का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। जिलाधिकारी ने स्वयं ई सेंशस पोर्टल के माध्यम से अपनी स्वगणना की। उन्होंने मौजूद अधिकारियों, कर्मचारियों एवं जनसामान्य को भी स्वगणना हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वगणना व्यवस्था भारत सरकार की एक आधुनिक, पारदर्शी एवं नागरिक सहभागिता आधारित पहल है, जिसके माध्यम से नागरिक घर बैठे स्वयं एवं अपने परिवार की जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। डीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वगणना अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाए तथा अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करते हुए उन्हें स्वगणना के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जनजागरूकता गतिविधियों के माध्यम से अभियान को जन-जन तक पहुंचाया जाए। उन्होंने यह भी बताया कि जिन नागरिकों को ऑनलाइन स्वगणना करने में किसी प्रकार की कठिनाई हो, वे अपने निकटतम ग्राम सचिवालय, जन सुविधा केंद्र अथवा संबंधित राजस्व एवं प्रशासनिक अधिकारियों से सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

बेमौसम बारिश,तेज हवाओं से बिजली को हुआ 'जुकाम'

संवाददाता, रसूलाबाद

15 घंटे तक बिजली संकट से जूझे कस्बावासी

अमृत विचारः बुधवार रात लगभग दो बजे से ठप विद्युत आपूर्ति समाचार लिखे जाने तक बहाल नहीं हुई है। हालांकि फॉल्ट का पता सुबह पांच बजे चल गया था किंतु मजदूरों व उपकरणों के अभाव में 10 घंटे से अधिक समय तक उसे ठीक नहीं किया जा सका। कस्बा के 13 वार्डों में रहने वाले करीब 50 हजार लोग परेशान रहे। गर्मी में करीब 15 घंटे तक विद्युत आपूर्ति बाधित होने के कारण पेयजल समेत अन्य समस्याओं से नागरिकों को जूझना पड़ा।

बुधवार रात करीब दो बजे कस्बा रसूलाबाद को विद्युत आपूर्ति देने वाली बिल्हौर से रसूलाबाद आई उच्च क्षमता विद्युत लाइन में कहीं फाल्ट हो गया। इससे लोग गर्मी में तड़पने लगे। वहीं ऊपरी मंजिल पर रहने वाले लोग जल आपूर्ति बंद होने के कारण दैनिक क्रिया से भी वंचित रहे। कस्बा रसूलाबाद के आजाद नगर, सुभाष नगर, केशव नगर ,विकास नगर, रहीम नगर ,निराला नगर, नेहरू नगर, कबीर नगर, लोहिया नगर, गौतम बुद्ध नगर ,शास्त्री नगर, तुलसीनगर समेत 13 वार्डों में 15 घंटे से अधिक समय तक विद्युत न आने के कारण समस्याओं का सामना करना पड़ा। दूसरी तरफ, कल्लू, सचिन आदि लाइन मैनों के साथ पेट्रोलिंग टीम का नेतृत्व कर रहे जेई राजवीर सिंह ने बताया कि ककवन नहर के समीप फाल्ट सुबह मिल गया था। कई खम्भों से लाइन उतर गई और विद्युत पोल टूट गए। पोल को दूसरी जगह से मंगवाने में समय लग गया।

नए पोल के लिए गड्ढा करता ट्रैक्टर।

दगा दे गए इंटवर्टर, घरों के साथ व्यापार भी प्रभावित

व्यापारी शशिकांत मिश्रा, किशन मिश्रा, अन्नू तिवारी ,अजय मिश्रा, प्रहलाद बाबू गुप्ता, अभिषेक तिवारी, अनुराग राजावत, आसिफ राइन , इजहार मंसूरी, रामू दुबे, महेश शर्मा, अवध बिहारी शर्मा आदि ने बताया कि 15 घंटे से अधिक समय तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहने से इनवर्टर दगा दे गए। इससे व्यापार पर असर पड़ा। कतिपय विभागीय लोगों की माने तो इस पेट्रोलिंग टीम को पांच बजे सुबह ही फॉल्ट मिल गया। पुराने लाईनमैनों के यहां से चले जाने और नए लोगों के होने के चलते इस फाल्ट को 10 घंटे से अधिक समय तक ठीक नहीं किया जा सका और नागरिकों को विद्युत अभाव झेलना पड़ा।

एसडीओ बोले, फिसलन के कारण आई परेशानी

- एसडीओ विद्युत शहादत सलीम ने बताया कि रात करीब दो बजे बिल्हौर से रसूलाबाद उच्च क्षमता विद्युत लाइन में कहीं फाल्ट हो गया था। विद्युत कर्मियों की पेट्रोलिंग टीम बिल्हौर तक भेजी गई। फॉल्ट मिल गया है। बारिश के कारण फिसलन से काम में परेशानी हो रही थी।

फिर पलटा मौसम, रिमझिम बारिश से मिली राहत

■ **रसूलाबाद।** बुधवार रात लगभग दो बजे से मौसम ने अचानक करवट ली। इसके बाद तेज हवाओं के साथ काले बादलों के बीच हल्की बूंदाबांदी शुरू हो गई। इससे वातावरण में ठंडक हो जाने से जहां लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली वहीं किसानों को इस बूंदाबांदी से उनकी उड़द और मूंग की फसलों को नमी मिल जाने से लाभ हुआ है। पिछले कई दिनों से मौसम लगातार बदल रहा था। कभी तेज हवाओं के साथ बादलों की आवाजाही दिख रही है तो कभी अचानक तेज धूप निकल आती है। गुरुवार तड़के सुबह हुई हल्की बारिश और बूंदाबांदी ने मौसम को सुहावना बना दिया। जहां कुछ दिन पहले तक क्षेत्रीय स्तर पर तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। वही मौसम के पल-पल बदलते तेवरों के चलते अब तापमान में गिरावट हो गई है। मौसम विभाग के अनुसार, आगामी पांच दिनों तक ऐसा ही मौसम बने रहने की संभावना है। क्षेत्रीय ने किसानों ने बताया कि यह हल्की बूंदाबांदी और बारिश उनकी उड़द मूंग की फसलों के लिए लाभदायक मानी जा रही है। खासकर धान की नर्सरी और उड़द की फसल को इस बूंदाबांदी से फायदा मिलने की उम्मीद है। वही मौसम ठंडा होने से आम लोगों ने भी राहत महसूस की। लोग मई के शुरुआती सप्ताह में ही बारिश के मौसम का आनंद ले रहे हैं।

खेत पर खड़ी उड़द की फसल।

खेलते-खेलते नहर में गिर गया डेढ़ वर्ष का बच्चा,थम गई सांस

शिवली कोतवाली क्षेत्र के गांव हरिकिशन पुर की घटना, काफी मशक्कत के बाद मिला शव

संवाददाता, शिवली

अमृत विचारः कोतवाली क्षेत्र के हरिकिशन पुर गांव में गुरुवार की सुबह नहर के किनारे खेलते समय एक डेढ़ वर्षीय मासूम बच्चा नहर में गिरकर डूब गया। बच्चे को पानी में डूबता देख परिजनों व ग्रामीणों के बीच हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से काफी तलाश के बाद बच्चे के शव को पानी से बाहर निकाला। मासूम बच्चे की मौत की जानकारी मिलते ही परिजनों के बीच चीखपुकार मच गयी पुलिस ने घटना की सूचना दर्ज कर शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

युवराज।

घटना के बाद घर पर एकत्र गमगीन महिलाएं। अमृत विचार

गुरुवार की सुबह शिवली कोतवाली क्षेत्र के हरीकिशनपुर गांव निवासी अनुज कुशवाहा डेढ़ वर्षीय पुत्र युवराज कुशवाहा रामगंगा नहर के किनारे खेल रहा था। अनुज कुशवाहा का मकान रामगंगा नहर के किनारे स्थित है। खेलते समय मासूम बच्चा अचानक नहर में गिरकर डूब गया। साथ में खेल रहे बच्चों के द्वारा कुछ देर बाद परिजनों को जब बच्चे के नहर में गिर जाने की जानकारी हुई तो हड़कंप मच गया। कुछ ही देर में काफी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और पानी में बच्चे की तलाश शुरू कर दी।

शिवली कोतवाली के क्राइम इंस्पेक्टर भाऊपुर चौकी प्रभारी सोमवीर के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों के सहयोग से तलाश जारी की। कुछ ही देर में बच्चे का शव पानी के अंदर मिल गया। पानी से बच्चे का शव निकलते ही परिजनों के बीच कोहराम मच गया। मासूम बच्चे के शव से लिपटकर उसकी मां शांति देवी पिता अनुज, भाई अनुराग एवं बहन दर्शनी का रो-रो कर बुरा हाल था। अपराध निरीक्षक शीलेंद्र कुमार यादव ने बताया कि घटना की सूचना दर्ज कर शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

प्रशासनिक अधिकारी से फोन हैककर 98 हजार का फ्रॉड

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

- ऑन लाइन पेमेंट करने के दौरान हुई फ्रॉड की जानकारी

अमृत विचारः पुलिस और साइबर सेल की तमाम कोशिशों के बावजूद साइबर क्राइम नहीं थम रहा। नए तरीके ईजाद कर साइबर क्रिमिनल लोगों को आर्थिक चोट पहुंचा रहे। साइबर ठगी का हालिया मामला सदर तहसील में कार्यरत प्रशासनिक अधिकारी रजनीश कुमार द्विवेदी के साथ पेश आया। उनके बैंक खाते से 98 हजार रुपये निकाल लिए। दो और ट्रांजेक्शन पेंडिग भी दिखे हैं।

नरिहा गांव के चंदन पांडेय के संग हुई ठगी की चर्चा अभी थम नहीं थी कि एक और घटना हो गई। प्रशासनिक अधिकारी रजनीश कुमार द्विवेदी के साथ नई घटना हुई है। उन्होंने बताया कि तहसील के सामने स्थित एक मॉल में घरेलू सामान खरीदने के लिए गए थे। भुगतान की बारी आई तो ऑन लाइन पेमेंट करना चाहा। दो-तीन बार प्रयास किया मगर पेमेंट नहीं हुआ। तब उन्होंने अकाउंट की डिटेल चेक की। जानकारी होश उड़ाने वाली थी। स्टेटमेंट में पता चला कि बीते दिवस उनके खाते से 98 हजार रूपए निकाले गए हैं।

पता लगा कि पैसा उज्जैन के तूफानी पुत्र दुलीचंद्र नाम के व्यक्ति के बैंक खाते में गया है। पैसा चेक के जरिए निकाला भी जा चुका है। बैंक से उन्हें यह भी पता लगा कि 73 हजार और 95 हजार रुपए के दो ट्रांजेक्शन पेंडिंग पड़े हैं। एक लाख रूपए की डेली लिमिट के कारण दोनों ट्रांजेक्शन फेल हुए। रजनीश ने बैंक में अर्जी देकर अपने खाते से आहरण पर रोक लगवा दी है। इसके साथ साइबर थाने में रिपोर्ट भी दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि मोबाइल पर किसी तरह का ओटीपी नहीं आया था। आशंका है कि फोन हैक किया गया। पूरी बैंक डिटेल हैकर ने अपने मोबाइल पर ली और फिर ट्रांजेक्शन किया।

फ्रॉड का शिकार रजनीश कुमार।

बेटी की शादी की चिंता में अधेड़ ने फांसी लगा दी जान

कानपुर देहातः देवराहट थाना क्षेत्र के प्रेमपुर गांव निवासी एक व्यक्ति ने संदिग्ध परिस्थितियों में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

जानकारी के अनुसार देवराहट थाना क्षेत्र के प्रेमपुर गांव निवासी वीरेंद्र सिंह पुत्र चंद्रशेखर ने घर के अंदर संदिग्ध परिस्थितियों में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची देवराहट पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर जांचपड़ताल करते हुये शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया। भतीजे यादुवेंद्र सिंह ने बताया कि चाचा वीरेंद्र की पुत्री का विवाह 22 जून को होना है। बारिश में फसल बर्बाद होने के चलते वह गुमशुम रहने लगे थे। बार-बार परिवार वालो से कहते थे कि बेटी की शादी होना है और उनके पास पैसा नही है। बारिश में फसल बर्बाद हो गई है। आर्थिक तंगी के चलते उन्होंने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

रसूलाबाद में स्वगणना कार्यक्रम का शुभारंभ

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः जनगणना कार्यक्रम के लिए 20 अप्रैल से 5 मई तक चले प्रथम चरण में प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों के प्रशिक्षण के बाद गुरुवार 7 मई को तहसील व ब्लॉक सभागार में स्वगणना कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम 21 मई तक चलेगा। 22 मई से 20 जून तक फिर घर-घर जाकर प्रगणक परिवारों मकानों का विवरण दर्ज करेंगे।

गुरुवार 7 मई को तहसील सभागार में प्रारंभ हुए इस स्वगणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) के संबंध में तहसील कर्मचारियों को अवगत कराया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय भाजपा विधायक पूनम संखवार ने सरस्वती पूजन के बाद लैपटॉप पर अपना विवरण भरकर इस अभियान का शुभारंभ किया। इसके तहसील के कर्मचारियों ने भी अपने-अपने विवरण स्वगणना के तहत भरे। इस मौके पर तहसील में तहसीलदार संतोष कुमार सिंह, नायब तहसीलदार हरिशंकर वर्मा, नायब तहसीलदार शिव दर्शन सिंह, राजीव शुक्ला सहित तहसील के कर्मचारी उपस्थित रहे।

यह कार्यक्रम गुरुवार को ही ब्लॉक सभागार में अधिकारियों ने प्रधानों एवं ब्लाक कर्मचारियों के साथ बैठक कर प्रारंभ करवाया। ग्राम प्रधानों को स्वगणना के संबंध में अवगत कराया गया और प्रधानों को इसके लिए प्रेरित किया कि वह अपने-अपने गांव में लोगों को इसवा स्वगणना कार्यक्रम के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करें। इस अवसर पर ग्राम प्रधान मानवेंद्र सिंह श्री कृष्ण राठौर, शिवमंगल सिंह,नितिन, ग्राम सचिवों में अविनाश शुक्ला, अखिलेश कुमार, अभिषेक सौरभ तिवारी, हर्षित शुक्ला रहे।

राज्यमंत्री और विधायक ने की ऑनलाइन स्वगणना,दिया संदेश

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

- गुरुवार से प्रारंभ हुआ स्वगणना का अभियान

अमृत विचारः जनगणना की प्रक्रिया प्रारंभ हुई है। इसके अंतर्गत गुरुवार से स्वगणना अभियान शुरू हुआ। यह 21 मई तक चलेगा। अभियान में जनसामान्य को डिजिटल माध्यम से स्वयं अपनी एवं अपने परिवार की जानकारी ऑनलाइन दर्ज करने हेतु प्रेरित करने की योजना है।

स्वगणना के पहले दिन बाकी लोगों के साथ राज्यमंत्री अजीत सिंह पाल, रसूलाबाद की विधायक पूनम संखवार ने स्वगणना कर अभियान में सहभागिता निभाई। आमजन से भी स्वगणना करने की अपील की गई। स्वगणना के बाद जनप्रतिनिधियों ने कहा कि जनगणना देश की महत्वपूर्ण प्रशासनिक प्रक्रिया है। इसी के आधार पर विकास योजनाओं, संसाधनों के वितरण एवं विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का निर्धारण किया जाता है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे निर्धारित अवधि के भीतर स्वगणना पोर्टल या मोबाइल एप के माध्यम से सही एवं पूर्ण जानकारी दर्ज करें, जिससे जनगणना का कार्य पारदर्शी, सुगम एवं समयबद्ध रूप से संपन्न कराया जा सके।

ऑनलाइन स्वगणना करतीं विधायक पूनम संखवार। अमृत विचार

राज्य मंत्री ने बताया कि भारत की जनगणना-2027 के अंतर्गत पहली बार व्यापक स्तर पर डिजिटल स्वगणना की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। लोग घर बैठे ऑनलाइन माध्यम से स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि स्वगणना अभियान को सफल बनाने हेतु जनपद स्तर पर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि अधिक से अधिक संख्या में स्वगणना कर अभियान को सफल बनायें तथा सही एवं तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध कराकर राष्ट्र निर्माण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। इस अवसर पर संबंधित अधिकारी, कर्मचारी एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

पुलिस ने 24 घंटे में दुष्कर्म के आरोपी को पकड़ा

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः महिला संबंधी अपराध की रोकथाम हेतु थाना बरौर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने नाबालिग किशोरी से दुष्कर्म के मामले में आरोपी को महज 24 घंटे के भीतर पकड़ लिया। पूछतांछ के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया।

बरौर थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली किशोरी घर से शौचक्रिया के लिए निकली थी। इसी बीच रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे एक युवक ने उसे दबोच लिया और जंगल में ले जाकर उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। शोर शराबा सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे तो आरोपी मौके से फरार हो गया। इसके बाद परिजनों ने गांव के युवक पर पुत्री के साथ दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। छानबीन के दौरान आरोपी की पहचान बरौर थाना क्षेत्र के निगोही डेरा निवासी शिवम पुत्र राकेश नायक के रूप में की गई। पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर पीड़िता किशोरी को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा था तथा आरोपी की तलाश में जुट गई थी।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी। अमृत विचार

घटना के बाद से आरोपी लगातार फरार चल रहा था। गुरुवार को पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर छापामारी कर फरार चल रहे आरोपी शिवम् को थाना क्षेत्र के रायरामापुर गेट से दबोच लिया।

निर्देश डीएम ने की मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान क्रियान्वयन समिति की बैठक

कागजी कार्रवाई के नाम आवेदकों को न करें परेशान

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः डीएम कपिल सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन एवं लक्ष्यपूर्ति के कार्यों की समीक्षा हुई। बैठक का उद्देश्य युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ते हुए अधिकाधिक पात्र अभ्यर्थियों को योजना का लाभ उपलब्ध कराना था।

बैठक में डीएम ने कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य शिक्षित एवं प्रशिक्षित युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना तथा रोजगार के नए अवसर सृजित करना है। डीएम ने कहा कि आवेदनकर्ताओं को कागजी कार्रवाई के नाम पर अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। अभ्यर्थियों के आवश्यक अभिलेख पूर्ण कराते हुए आवेदन पत्रों का समयबद्ध परीक्षण एवं निस्तारण किया जाए। योजनाओं का वास्तविक लाभ तभी संभव है जब प्रशासन एवं बैंकिंग संस्थाएं समन्वय बनाकर संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। उन्होंने सभी बैंकर्स को निर्देशित किया कि स्वीकृत आवेदनों में अनावश्यक विलम्ब न किया जाए तथा ऋण वितरण की प्रक्रिया को सरल एवं पारदर्शी बनाया जाए। साथ ही उद्योग विभाग को निर्देशित किया कि प्रत्येक विकासखंड एवं नगरीय क्षेत्र में विशेष प्रचार-प्रसार अभियान चलाकर अधिक से अधिक युवाओं को योजना की जानकारी उपलब्ध कराई जाए। बैठक में योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया गया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत इच्छुक युवक एवं युवतियों को उद्योग एवं सेवा क्षेत्र में स्वयं का उद्यम स्थापित करने हेतु अधिकतम 5 लाख रुपये तक का ब्याजमुक्त ऋण चार वर्षों के लिए उपलब्ध कराया जाएगा।

इसके अतिरिक्त परियोजना लागत पर 10 प्रतिशत सब्सिडी भी प्रदान की जाएगी। योजना के अंतर्गत ऋण प्राप्ति की तिथि से छह माह की अधिस्थगन अवधि भी देय होगी, जिससे उद्यम स्थापित करने के प्रारंभिक चरण में युवाओं को आर्थिक राहत मिल सके। बैठक में यह भी बताया गया कि योजनान्तर्गत आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे। इच्छुक अभ्यर्थी एमएसएमई विभाग की वेबसाइट व सीएम युवा ऐप के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

कलेक्ट्रेट में हुई बैठक में डीएम के साथ मौजूद अधिकारी। अमृत विचार

कांग्रेसियों ने मनाया हार्डिकर का जन्म दिन

कानपुर देहात। गुरुवार को कांग्रेस सेवा दल के संस्थापक स्व एनएस हार्डिकर का जन्म दिवस रूरा में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य दिलीप कुमार सिंह मुन्ना के प्रतिष्ठान पर जिला कांग्रेस सेवा दल के अध्यक्ष वीरेंद्र शुक्ला की अगुवाई में मनाया गया। इसके साथ सेवा दल का सदस्यता अभियान भी शुरू किया गया। सेवा दल के अध्यक्ष ने कांग्रेस और सेवा दल के बारे में लोगों को विस्तार से बताया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य दिलीप कुमार सिंह मुन्ना ने कहा कि साल 1923 में हिंदुस्तानी सेवा दल के नाम से इस संगठन की एनएस हार्डिकर ने स्थापना की थी। इसमें कांग्रेस की विचारधारा को जन जन तक पहुंचाने का काम करना था। इस अवसर पर रघुनाथ सिंह भदौरिया, प्रदीप पालीवाल, आरिफ कुरैशी, रमेश श्रीवास्तव, विनोद सविता, मोटू अंसारी, बृजेश सविता, इरफान कुरैशी, मुखिया पाल रहे।

जन समस्याओं का निस्तारण व वादकारियों का हित सर्वोपरि

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः अधिवक्ताओं का सम्मान व जन समस्याओं के निस्तारण एवं वादकारियों के हित को सर्वोपरि रखा जाएगा। यह बात गुरुवार को बार एसोसिएशन रसूलाबाद के अधिवक्ताओं द्वारा तहसील सभागार में आयोजित अधिवक्ता परिचय सम्मान बैठक में नवागंतुक एसडीएम शिखा संखवार ने कही।

इसके साथ ही एसडीएम ने अधिवक्ताओं को आश्वस्त किया कि खनन माफिया पर नकेल डालने और तहसील परिसर में दलालों के प्रवेश को प्रभावी ढंग से रोका जाएगा। उन्होंने तहसील क्षेत्र मे क़ानून व्यवस्था को और सुदृढ़ किये जाने को वरीयता देने की बात कही। इसके अतिरिक्त मुक़दमों के शीघ्र निस्तारण हेतु आवश्यक निर्देश जारी किए। परिचय बैठक में अधिवक्ताओं ने भी बेंच के प्रति अपनी कर्तव्य निष्ठा व वादकरियों को सुलभ न्याय दिलाने की प्रतिबद्धता को दोहराया। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता आरपी सिंह राजपूत अध्यक्ष बार एसोसिएशन, लालमोहम्मद महामंत्री, सुशील शुक्ला, विजय प्रकाश त्रिपाठी, ब्रजेश त्रिपाठी, सुशील कुमार त्रिवेदी, संदीप मिश्रा, घनश्याम तिवारी, श्रवण कुमार बाजपेई, राम कुमार चतुर्वेदी, शिव स्वरुप राजपूत, खुर्शीद आलम, भीष्म प्रताप पाल, हुकुम सिंह, संतोष तिवारी रहे।

नवागंतुक एसडीएम शिखा संखवार के परिचय बैठक करते अधिवक्ता। अमृत विचार

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर, शुक्रवार, 8 मई 2026

सुविचार

अंधकार से अंधकार को दूर नहीं किया जा सकता है, केवल प्रकाश से ही ऐसा किया जा सकता है, नफरत से नफरत को नहीं हटाया जा सकता है, केवल प्यार से ही ऐसा किया जा सकता है।

-मार्टिन लूथर किंग, जूनियर

कानपुर के प्रमुख समाचार

- 3200 करोड़ के अवैध लेनदेन का सरगना गिरफ्तार-VI
- पांचवीं और छठी रेलवे लाइन बिछेगी -VII
- कोशिकाओं की बातचीत से कैंसर का लगेगा पता -VIII

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.

•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT

दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में

सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य

117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

ग्रीनपार्क के नए अवतार का खाका खींचने को इसी हफ्ते बनेगी कमेटी

350 करोड़ रुपये से तीन चरणों में किया जाना है इस स्टेडियम का कायाकल्प

गुड न्यूज

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। ऐतिहासिक ग्रीनपार्क के कायाकल्प की दिशा में कदम आगे बढ़ गए हैं। 350 करोड़ रुपये से स्टेडियम को नया स्वरूप देकर पुराना गौरव बहाल किया जाना है। इसके लिए विस्तृत कार्य योजना (डीपीआर) बनाने की खातिर इसी हफ्ते कमेटी का गठन कर दिया जाएगा। जीर्णोद्धार के बाद ग्रीनपार्क को अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं मिलने की समस्या खत्म हो जाएगी। पूरे स्टेडियम को समान डिजाइन और आधुनिक स्वरूप में विकसित करने की महत्वाकांक्षी परियोजना के प्रथम चरण के लिए शासन 45 करोड़ रुपये की धनराशि पहले ही मंजूर कर चुका है।

हर सीट से दिखेगा मैदान का हर कोना : ग्रीनपार्क के नए अवतार का जो खाका खींचा गया है, उसमें स्टेडियम पिलर लेस और आधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा, जिससे दर्शकों को किसी भी सीट से बिना बाधा के मैच देखने का रियल मजा मिलेगा।

कुल तीन चरणों में स्टेडियम की दर्शक क्षमता बढ़ाकर 35 हजार से ज्यादा की जानी है। पहले चरण में मीडिया सेंटर, प्लेयर पवेलियन, दर्शक दीर्घाओं और फ्लड लाइटों के पुनर्निर्माण के साथ स्मार्ट ड्रेनेज सिस्टम के लिए भी काम कराया जाना है। इन सभी कार्यों के लिए पूर्व में बैठकें की जा चुकी हैं। डीपीआर स्वीकृत होने के बाद निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

ग्रीनपार्क स्टेडियम का सुधार किया जाएगा। अमृत विचार

- प्रथम चरण के लिए शासन 45 करोड़ रुपये पहले ही कर चुका मंजूर
- पिलर लेस और आधुनिक सुविधाओं से युक्त स्टेडियम बनाया जाएगा

दर्शक दीर्घाओं के नीचे बनेगा फूड प्लाजा और वीआईपी पार्किंग की व्यवस्था

- ग्रीनपार्क स्टेडियम अभी कई हिस्सों में विभाजित दिखाई देता है। वीआईपी और डायरेक्ट्रेक्ट पवेलियन में लगे पिलरों के कारण तमाम दर्शकों को मैच देखने में बाधा आती है। ये समस्या सालों पुरानी है लेकिन कोई समाधान नहीं किया गया। अब नए डिजाइन में पूरे स्टेडियम को पिलर लेस बनाया जाना है, ताकि हर सीट से दर्शक को मैदान का स्पष्ट दृश्य उपलब्ध हो सके। दर्शक दीर्घाओं के नीचे फूड प्लाजा और वीआईपी पार्किंग की भी व्यवस्था की जाएगी।

कानपुर की शान ग्रीनपार्क स्टेडियम को नया स्वरूप प्रदान करने के लिए डीपीआर कमेटी का गठन होने जा रहा है। इसके बाद निर्माण कार्य शुरू होगा। 350 करोड़ रुपये की परियोजना पूरी होने के बाद शहर को टेस्ट, वनडे या टी-20 के अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं मिलने की समस्या खत्म हो जाएगी।

-रमेश अवस्थी, सांसद।

सिटी ब्रीफ

कार की टक्कर से युवक गंभीर घायल

कानपुर। बर्रा में कार की टक्कर से युवक घायल हो गया। उसे हैलट में भर्ती कराया गया है। हनुमंत विहार के खाड़ेपुर निवासी राकेश कुमार गुप्ता ने बताया कि वह लोडर चलाता है। बुधवार देर रात करीब सवा एक बजे उनका साथी शैलेंद्र सिंह भदौरिया गुलाबी बिल्डिंग चौराहा के पास दूध डेयरी में दूध उतार रहा था। तभी बर्रा बाइपास की तरफ से आई कार ने शैलेंद्र को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

महिला कर्मचारी से मारपीट पर मुकदमा

कानपुर। गोविंदनगर के महादेव नगर कच्ची बस्ती में सरकारी महिला कर्मचारी के साथ पड़ोसियों ने मारपीट की। आरोप है कि आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है। महादेव नगर निवासी माया ने बताया कि वह लेबर ऑफिस में कार्यरत हैं। आरोप है कि मंगलवार शाम मोहनी पासवान और सरद पासवान नशे की हालत में उनके घर पहुंचे और विवाद करने लगे। विरोध करने पर दोनों ने मारापीटा। पीड़िता के अनुसार जब उन्होंने विरोध किया तो आरोपियों ने धमकी दी। पीड़िता का कहना है कि आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति के हैं।

ऑटो सवार युवकों ने डंडों से पीटा

कानपुर। गोविंदनगर में कार के सामने अचानक तेज रफ्तार ऑटो लगाने का विरोध करने पर ऑटो सवार लोगों ने तीन युवकों को ईंट-पत्थर व डंडों से पीट दिया। एक युवक घायल हो गया। सूचना पर पुलिस पहुंचने से पहले आरोपी भाग निकले। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की है। किदवई नगर निवासी श्रेयांश तिवारी के अनुसार वह अपने साथी गौरव तिवारी, सूरज शुक्ला के साथ बुधवार रात डॉक्टर को दिखाकर कार से स्वरूपनगर से घर लौट रहे थे। तभी गोविंदपुरी स्टेशन के पास ऑटो चालक ने कार के सामने आ गया। आरोप है कि सभी शराब के नशे में थे। विरोध करने पर विजय, तुषार, दिलीप समेत अन्य ने हमला कर दिया। गोविंदनगर थाना प्रभारी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज की है।

जरीबचौकी फोरलेन आरओबी के लिए आज होगा भूमि पूजन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर के सर्वाधिक व्यस्तम चौराहों में शुमार जरीब चौकी पर यातायात जाम की समस्या का निदान करने के लिए फोरलेन आरओबी निर्माण कार्य का भूमि पूजन सांसद रमेश अवस्थी द्वारा शुक्रवार को सीसामऊ थाने के समीप पूर्वाह्न 11 बजे किया जाएगा। इस समारोह के दौरान चौराहे पर यातायात प्रतिबंध लागू रहेंगे।

जरीब चौकी चौराहा एक साथ पांच दिशाओं से वाहनों का आवागमन होने पर पुलिस कर्मियों और यातायात पुलिस के लिए ट्रैफिक संभालना मुश्किल हो जाता है। यातायात के इस भारी दबाव के कारण थोड़ी-थोड़ी देर में जाम की स्थिति बनती रहती है, ऐसे में चौराहे से कालपी रोड को जोड़ने वाली फर्रुखाबाद रेलवे लाइन की क्रासिंग बंद होने पर हालात बेकाबू हो जाते हैं। के चलते जाम की दिक्कत दो गुनी हो जाती है।

प्रदेश शासन ने एक साल पहले जरीब चौकी आरओबी के निर्माण को मंजूरी प्रदान की थी। 320 करोड़ की इस परियोजना के लिए धन की पहली किस्त भी जारी की जा चुकी है। सेतु निगम ने हिंगवेज कंस्ट्रक्शन कंपनी को इस आरओबी के निर्माण का ठेका दिया है। लेकिन यूटिलिटी शिफ्टिंग का काम पूरा नहीं होने की वजह से निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पा रहा है। जल निगम को यहां गहरी सीवरलाइन शिफ्ट करनी है। निगम तीन बार इस कार्य के लिए टेंडर करा चुका है, अब कंपनी चयनित हो पाई है।

स्वगणना में साइबर ठगों से सावधान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कोई मांगे तो भी जानकारी फोन पर न दें, न ही ओटीपी बताएं
- 21 मई तक होगी स्वगणना, 22 से घर-घर होगा सत्यापन

अमृत विचार। गुरुवार से स्वगणना का काम शुरू हो गया है। स्व-गणना 21 मई तक घर बैठे आनलाइन माध्यम से कराई जा सकेगी। 22 मई से जून तक स्व-गणना का सत्यापन घर-घर जाकर किया जाएगा। साइबर फ्राड व हैकरों से बचने के लिए डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने सलाह दी है कि किसी भी तरीके की जानकारी फोन पर नहीं दें। अगर कोई फोन कर ओटीपी मांगता है तो उससे बचने की भी सलाह दी है।

जिलाधिकारी ने अपनी पत्नी रश्मि सिंह के साथ स्व-गणना की शुरुआत की है। स्व-गणना 7 से 21 मई तक चलेगा। इसके बाद 22 मई से 20 जून तक प्रगणक घर-घर जाकर सत्यापन और गणना करेंगे। मोबाइल फोन के माध्यम से जनगणना पोर्टल पर जाकर स्वयं अपनी और अपने परिवार की जानकारी दर्ज कर सकते हैं। स्व-गणना के लिए नागरिकों को जनगणना पोर्टल पर जाकर राज्य का चयन कर पंजीकरण करना होगा। परिवार के मुखिया का नाम और 10 अंकों का मोबाइल नंबर दर्ज करने के बाद ओटीपी के माध्यम से सत्यापन किया जाएगा। एक मोबाइल नंबर से केवल एक परिवार का पंजीकरण संभव होगा। पंजीकरण के बाद मकान, परिवार और उपलब्ध सुविधाओं की भी जानकारी देनी होगी।

क्या-क्या जानकारी देनी होगी

मकान का प्रकार, फर्श व छत की स्थिति, शौचालय और स्नानघर की सुविधा, गैस कनेक्शन, मोबाइल, इंटरनेट, वाहन, दुपहिया वाहन, रेडियो, केबल व इंटरनेट कनेक्शन जैसी मूलभूत सुविधाओं की जानकारी देनी होगी।

U.P. KIRANA SEVA SAMITI VIDYALAYA

H – 1 BLOCK, KIDWAI NAGAR, KANPUR. PH.: 9519510427
(Affiliated to C.I.S.C.E., New Delhi)

Empowering students today to lead the world tomorrow.

The Management Heartily Congratulates

The Students, Parents and The Teachers for an outstanding Result in ISC & ICSE – 2026

ISC (CLASS XII)

TOTAL APPEARED - 185 | 90% & ABOVE - 38 | 80% & ABOVE - 91

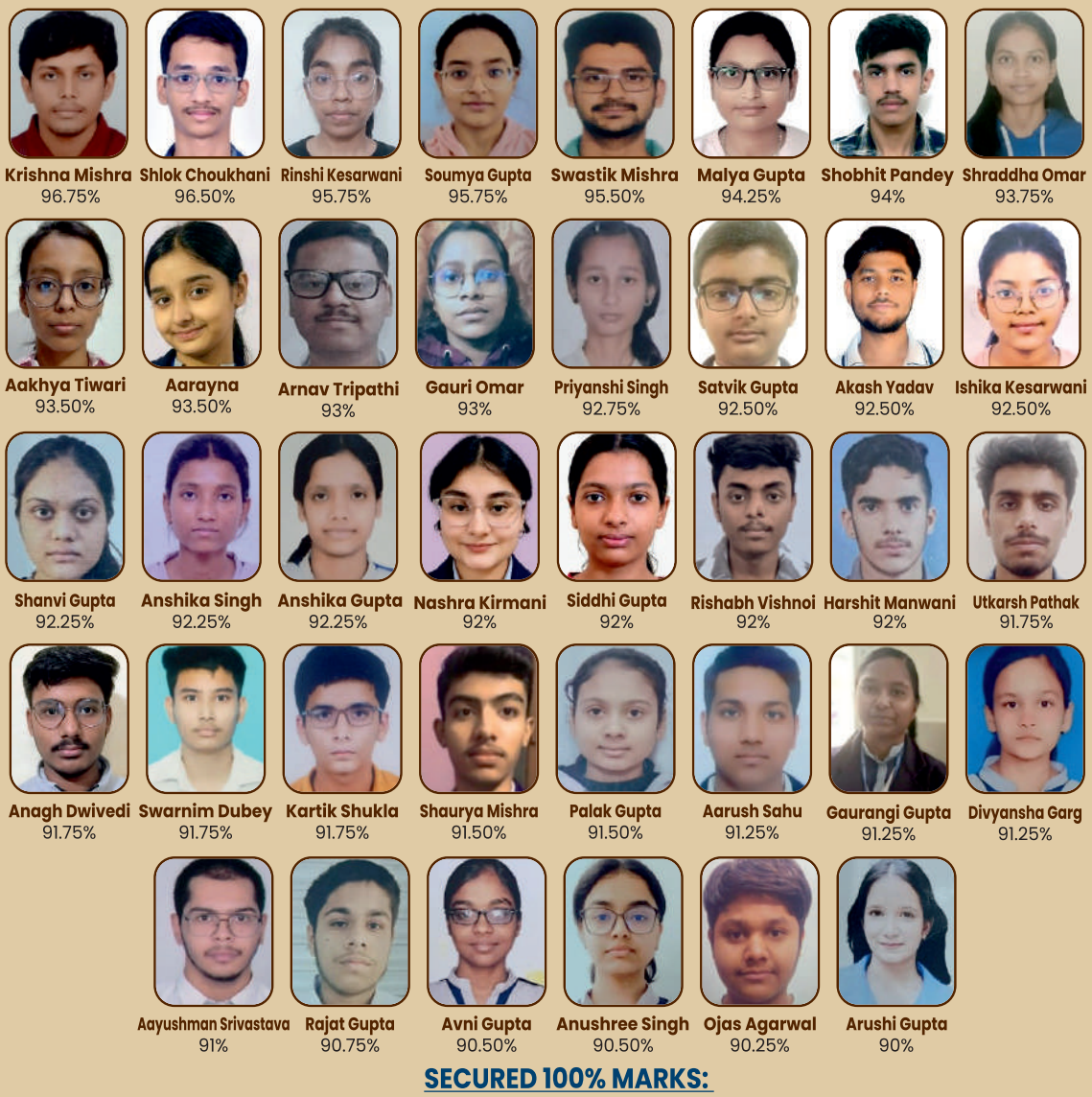

Krishna Mishra 96.75%, Shlok Choukhani 96.50%, Rinshi Kesarwani 95.75%, Soumya Gupta 95.75%, Swastik Mishra 95.50%, Malya Gupta 94.25%, Shobhit Pandey 94%, Shraddha Omar 93.75%
Aakhya Tiwari 93.50%, Aarayna 93.50%, Arnav Tripathi 93%, Gauri Omar 93%, Priyanshi Singh 92.75%, Satvik Gupta 92.50%, Akash Yadav 92.50%, Ishika Kesarwani 92.50%
Shanvi Gupta 92.25%, Anshika Singh 92.25%, Anshika Gupta 92.25%, Nashra Kirmani 92%, Siddhi Gupta 92%, Rishabh Vishnoi 92%, Harshit Manwani 92%, Utkarsh Pathak 91.75%
Anagh Dwivedi 91.75%, Swarnim Dubey 91.75%, Kartik Shukla 91.75%, Shaurya Mishra 91.50%, Palak Gupta 91.50%, Aarush Sahu 91.25%, Gaurangi Gupta 91.25%, Divyansha Garg 91.25%
Aayushman Srivastava 91%, Rajat Gupta 90.75%, Avni Gupta 90.50%, Anushree Singh 90.50%, Ojas Agarwal 90.25%, Arushi Gupta 90%

OUR TOPPERS

ICSE (CLASS X)

TOTAL APPEARED - 225 | 90% & ABOVE - 38 | 80% & ABOVE - 63

Aviral Yadav 99%, Utkarsh Kesharwani 97.60%, Kushagra Shukla 96.40%, Kaustubh Dwivedi 96%, Ishika Gupta 96%, Upendra Mishra 95.20%, Shreshi S. Rathore 95.20%, Shaurya S. Chauhan 95%
Samya Jain 94.60%, Dhruv S. Rathour 94.60%, Devansh Vishnoi 94%, Harsh Vardhan Singh 93.80%, Shreya Verma 93.80%, Vansh Vedi 93.20%, Shreya Gupta 93.20%, Adivik Srivastava 93%
Sanvi Bajpai 93%, Pallavi Agarwal 93%, Aqsa Rahman 92.80%, Jahnvi Sharma 92.60%, Sonali 92.40%, Unnati Mittal 92.20%, Ichhit Dwivedi 92.20%, Hardik Gupta 92.20%
Kushagra Dixit 92%, Tanvi Tripathi 92%, Pratyush Dhyani 91.80%, Tejas Awasthi 91.60%, Anshika Chauhan 91.60%, Shivansh Srivastava 91.60%, Kavya Gupta 91.40%, Akshat Pandey 91.40%
Sriyash Dixit 91%, Aditya Singh 90.40%, Abhinav Trivedi 90.20%, Aditya Kumar 90.20%, Preksha Manglani 90%, Shrid Gupta 90%

SECURED 100% MARKS:

Maths - Shlok Choukhani | **P. Ed. -** Krishna Mishra & Kartik Shukla

BOARD OF MANAGEMENT U.P. KIRANA SEWA SAMITI VIDYALAYA

SECURED 100% MARKS:

Hindi - Aviral Yadav, Shaurya S. Chauhan, Samya Jain, Devansh Vishnoi, Shreya Verma
Maths - Aviral Yadav | **Science**- Aviral Yadav | **Computer Science** - Aviral Yadav, Utkarsh Kesharwani, Kushagra Shukla | **P.Ed.**- Shrid Gupta, Avyan Dixit, Apoorva Saxena

सिटी ब्रीफ

बाइक में टक्कर मार युवक को रौंदा

कानपुर। गुजैनी हाईवे ढलान पर बुधवार रात बाइक सवार प्राइवेट कर्मी को पीछे से आए तेज रफ्तार वाहन ने जबरदस्त टक्कर मार दी। टक्कर से युवक उछलकर दूर जा गिरा और वाहन उसे रौंदता हुआ निकल गया। युवक की मौके पर ही मौत हो गई। चकेरी के विराटनगर अहिरवां निवासी 38 वर्षीय जितेंद्र सिंह भौंती स्थित पेट्रोल पंप पर नौकरी करते थे। बड़े भाई अमर सिंह ने बताया कि बुधवार रात करीब 11 बजे उसकी ड्यूटी खत्म हुई इसके बाद वह बाइक से घर आ रहा था। गुजैनी हाईवे ढलान पर पहुंचने पर पीछे से आए तेज रफ्तार वाहन ने उसकी बाइक में जबरदस्त टक्कर मार दी और रौंद दिया।

चार अपराधियों को किया जिलाबदर

कानपुर। पुलिस ने चार अपराधियों को जिलाबदर किया है। इस दौरान आरोपी जिला की सीमा में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। अगर वह निर्धारित समय के अंदर जिले में प्रवेश करते है तो उन पर विधिक कार्रवाई होगी। जेसीपी मुख्यालय संकल्प शर्मा के अनुसार चौबेपुर के बैदानी निवासी राजकुमार, मकड़ीखेड़ा चैतन्य विहार के अभिजीत राय, बिठूर के मंधना कुकरादेव का रवि कुमार उर्फ गुड्डू और बिठूर शिवदीनपुरवा के शिव निषाद को छह माह के लिए जिलाबदर किया गया है।

सड़क हादसों में दो की गई जान

कानपुर। रावतपुर के आफीसर्स कालोनी निवासी 45 वर्षीय मुकेश कुमार सीट कवर कारीगर थे। बेटे भानू ने बताया कि पिता एक अप्रैल को वह काम करके पैदल आ रहे थे, तभी आईआईटी गेट के पास तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी थी। पुलिस ने हैलट में भर्ती कराया था, जहां गुरुवार सुबह उनकी मौत हो गई। वहीं कल्याणपुर बैरीखेड़ा गांव निवासी 57 वर्षीय श्रीपाल प्राइवेट फैक्ट्री में नौकरी करते थे। बेटे अनुराग ने बताया कि एक अप्रैल को पिता ड्यूटी से लौट रहे थे। कल्याणपुर गौतम बुद्ध पार्क के पास पीछे से बाइक सवार ने उन्हें टक्कर मार दी जिससे मौत हो गई।

3200 करोड़ के अवैध लेन-देन का सरगना महफूज गिरफ्तार

16 बैंकों में 68 खातों से महफूज और उसके करीबियों का लेनदेन सामने आया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। 3200 करोड़ के अवैध लेनदेन में फरार 25 हजार के इनामी महफूज आलम उर्फ पप्पू छुरी को पुलिस ने गिरफ्तार कर गुरुवार जेल भेज दिया। महफूज व उसके करीबियों के 16 बैंकों में 68 बैंक खातों से इतनी बड़ी रकम का लेनदेन पुलिस जांच में सामने आया है। मास्टरमाइंड महफूज स्लाटर हाउस व स्क्रैप करोबार की ब्लैक मनी को अपने अकाउंट में लेकर कमीशन काटकर रकम वापस करता था। इतना ही नहीं दर्जनों बोगस फर्म बनाकर जीएसटी की आईटीसी क्लेम से सरकार को करोड़ों का झटका दिया है। महफूज का नेटवर्क व टर्नओवर काफी बड़ा था। वह पांच करोड़ तक की रकम रोज डिलीवर करता था। सिर्फ इंटर तक पढ़ा महफूज करोड़ों के अवैध लेनदेन का मास्टरमाइंड है। श्यामनगर लूटकांड की जांच में पुलिस को उसके अवैध कारोबार का पता चला था। तभी से वह फरार था।

श्यामनगर में बीती 16 फरवरी को 25 लाख की लूट हुई थी। पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल ने खुलासा करते बताया कि लूटकांड में पीड़ित महफूज आलम ने पहले बताया कि उसके कर्मचारियों से आठ लाख की लूट हुई। फिर 40 लाख और उसके बाद पुलिस की जांच से घबरा कर बोला, मेरे साथ कोई लूट की वारदात नहीं हुई है। इस पर पुलिस को संदेह हुआ तो जांच-पड़ताल शुरू की। नतीजे देखकर दंग रह गए। महफूल आलम उर्फ पप्पी छुरी व उसके परिवार व नजदीकियों के 16 बैंकों में अलग-अलग 68 खातों में से 1600 करोड़ का अवैध लेनदेन सामने आया। जांच के बाद यह आंकड़ा 3200 करोड़ पहुंच गया है।

पुलिस के सामने पूरी कहानी आने पर सरगना महफूज शहर छोड़कर भाग निकला। इसके बाद महफूज पर 25 हजार का इनाम घोषित किया गया। उसके बाद लगातार उसके खिलाफ चकेरी व जाजमऊ में छह मुकदमें दर्ज हुए। पुलिस टीम उसकी तलाश में जुटी थी। बुधवार रात महफूज को गिरफ्तार कर लिया गया। गुरुवार उसे जेल भेजा गया है।

पुलिस गिरफ्त में इनामी महफूज आलम उर्फ पप्पू छुरी।

- स्लाटर हाउस, स्क्रैप कारोबार की काली कमाई को लगा रहा था ठिकाने, श्यामनगर लूटकांड की जांच में हुआ खुलासा

कई बैंक कर्मियों की मिलीभगत से चल रहा था गोरखधंधा

- पुलिस की जांच में सामने आया कि महफूज आलम उर्फ पप्पू छुरी ने अपने बैंक अकाउंट में एपीएमसी का इस्तेमाल कर रहा था। इसके माध्यम से वह अपने खाते से अनलिमिटेड लेनदेन करता था। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि आईडीबीआई बैंक के कर्मचारी सत्यप्रकाश ने 1.50 लाख रुपये लेकर उसके बैंक अकाउंट में एपीएमसी का फर्जी दस्तावेज बनवाकर लगा दिया था। उन्होंने बताया कि मंडी आढ़तियों के लिए मंडी में कारोबार के लिए एपीएमसी लाइसेंस लेना पड़ता है। जिसके लाइसेंस के लिए फर्म का बैंक खाता जमा करना जरूरी होता है। फिर व्यापारी अनलिमिटेड ट्रांजेक्शन कर सकता है। महफूज इस तरह अपने तीन खाते से आसानी से करोड़ों का लेनदेन करता था। पुलिस कमिश्नर ने बताया जल्द ही बैंक कर्मियों के खिलाफ भी कार्रवाई होगी।

एनकाउंटर के डर से पश्चिम बंगाल भागा

- महफूज ने बताया कि पुलिस उसके बैंक खातों तक पहुंच गई और पूरी जानकारी हासिल कर ली। उसका अवैध लेनदेन खुलने पर वह घर छोड़कर भाग निकला। उसने बताया कि इस बीच उसके संपर्क में कई पुलिस वाले व नेता आए। जिन्होंने मामला निपटाने का भरोसा दिया। इसके लिए उसे कीमत चुकानी पड़ी। लोगों ने उससे सेटलमेंट के नाम पर करोड़ों वसूला। उसे धमकाया गया कि रुपया नहीं दिया तो पुलिस एनकाउंटर कर देगी। डर के कारण ही वह कानपुर से पश्चिम बंगाल भाग गया था।

कारोबारियों की ब्लैकमनी अपने खाते में मंगाता था

- पुलिस कमिश्नर के अनुसार पूछताछ व जांच में सामने आया कि महफूज स्लाटर हाउस व स्क्रैप कारोबारियों की ब्लैकमनी को अपने खाते में मंगाता था। उसके बाद पांच प्रतिशत तक कमीशन काटकर उन्हें रकम लौटाता था। करीब 20 स्लाटर हाउस व 15 स्क्रैप कारोबारी समेत सैकड़ों कारोबारी उससे अपनी ब्लैकमनी भेजकर लेते थे। कुछ समय बाद वह खुद बोगस कंपनियां बनाकर करोड़ों का लेनदेन करने लगा। यह कंपनियां सिर्फ कागजों पर होती थी। हकीकत में कंपनियों का कोई अस्तित्व नहीं था। उन्हीं कंपनियों से वह करोड़ों का लेनदेन करके सरकार को राजस्व नुकसान पहुंचा रहा था।

हवाला से जुड़ा था महफूज आलम

- पुलिस की जांच में सामने आया कि शातिर महफूज हवाला कारोबार से भी जुड़ा हुआ था। महफूज हवाला के जरिए कई राज्यों में रकम पहुंचाने का काम करता था। उसका नेटवर्क यूपी समेत कोलकाता, दिल्ली, मुंबई समेत कई राज्यों में फैला था।

इंटरनेट कॉलिंग से परिजनों से करता था बात

- पुलिस के हत्थे चढ़ने पर पूछताछ में उसने बताया कि एक करोड़ रुपये लेकर वह फरारी काटने निकला था। फरारी के दौरान उसने मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं किया। इंटरनेट कॉलिंग व अलग-अलग माध्ययमों से वह अपने करीबियों व परिजनों से बात करता था। उसी माध्यम से वह उन तक मैसेज पहुंचाता। कोलकाता में अपने करीबियों के यहां शरण ली थी। होटल का इस्तेमाल नहीं किया। लगातार ठिकाने बदलता रहा।

महिला व युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर दी जान

कानपुर। किदवईनगर में युवक व बिधनू में महिला ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। ई-ब्लाक किदवईनगर निवासी 40 वर्षीय सौरभ शुक्ला मुंबई में अपने जीजा के साथ रेलवे में कैटरिंग का काम करते थे। पिता विनोद कुमार की तीन साल पहले मौत हो चुकी है। परिवार में बड़ा भाई गौरव, मां-पत्नी व तीन साल की बेटी है। गौरव के अनुसार मंगलवार रात सौरभ मुंबई जा रहा था, उसे गोविंदपुरी स्टेशन पर छोड़ आए थे। इसके बाद वह अगले स्टेशन पर ट्रेन से उतरकर लौट आया। बुधवार शाम उसने जहरीला पदार्थ खा लिया। इस पर हैलट ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इसी तरह बिधनू के कठेरुआ निवासी विजय नागर नौबस्ता स्थित एक होटल में वेटर है। उसने बताया कि बुधवार शाम उसका 28 वर्षीय पत्नी रोशनी से खाना बनाने को लेकर झगड़ा हो गया था। वह काम पर चला गया तो रात में फोनकर पत्नी ने फिर झगड़ा किया। देर रात रोशनी ने जहरीला पदार्थ खा लिया। बड़े भाई राकेश ने उसे बिधनू सीएचसी में भर्ती कराया। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। विजय ने बताया कि रोशनी पहले भी आत्महत्या का प्रयास कर चुकी थी।

नगर निगम मुख्यालय में प्रदर्शन करते सपा नेता। अमृत विचार

समस्याओं को दूर कराने के लिए सपा का प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- नगर निगम में प्रदर्शन कर नारेबाजी की

अमृत विचार। नगर निगम मुख्यालय में गुरुवार को सपाइयों ने शहर की कई जनसमस्याओं को लेकर धरना प्रदर्शन किया। नगर निगम के खिलाफ नाराजगी जताते हुए समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग कर जमकर नारेबाजी की। अपर नगर आयुक्त आवेश खान को ज्ञापन सपाइयों ने ज्ञापन दिया।

नगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने कहा कि कई इलाकों में कूड़े के ढेर लगे हैं, नालियां जाम हैं, सड़कों पर जलभराव की स्थिति बनी हुई है और सीएम-ग्रिड्स योजना के तहत चल रहे निर्माण कार्यों ने आम जनता और व्यापारियों की परेशानियां बढ़ा दी हैं। आरोप लगाया कि अधूरे निर्माण कार्यों, धूल प्रदूषण व ट्रैफिक अव्यवस्था के कारण लाखों नागरिकों का जीवन प्रभावित हो रहा है। वहीं, सफाई कर्मचारियों की समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव ने कहा कि सफाई व्यवस्था में ठेकेदारी व आउटसोर्सिंग व्यवस्था को समाप्त की जाए, सभी सफाई कर्मचारियों को स्थायी और सुबह पांच बजे की डिजिटल फेस हाजिरी समाप्त कर सुबह साढ़े आठ बजे उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। प्रदेश सचिव केके शुक्ला, पूर्व सांसद राजाराम पाल, पूर्व विधायक सतीश निगम, राष्ट्रीय सचिव अपर्णा बंसल जैन, राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ.नीतेंद्र यादव, डॉ.कमलेश यादव, सत्यनारायण गहरवार, लोग मौजूद रहे।

आश्रम संचालक ने पुलिस आयुक्त से लगाई सुरक्षा करने की गुहार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। रावतपुर थाना क्षेत्र स्थित त्रिलोकीनाथ धाम केशवपुरम निवासी आश्रम संचालक रविकांत शुक्ला उर्फ भोले गिरि नागा ने पुलिस आयुक्त को प्रार्थना पत्र देकर जानमाल की सुरक्षा की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ स्थानीय लोग और कथित अपराधी प्रवृत्ति के व्यक्ति उनके आश्रम को बदनाम करने और उन्हें झूठे मामलों में फंसाने की साजिश कर रहे हैं।

प्रार्थना पत्र में रविकांत शुक्ला ने बताया कि 25 अप्रैल को अजय ठाकुर नाम के व्यक्ति ने आश्रम के पीछे स्थित ब्रह्मदेव स्थान के पास हवाई फायरिंग कर दहशत फैलाने का प्रयास किया। बाद में आरोपी ने आश्रम की ओर कैमरा लगवा दिया ताकि पुलिस की गतिविधियों पर नजर रखी जा सके।

प्रार्थना पत्र में आश्रम परिसर में लगे कैमरे हटवाने, आश्रम की भूमि की पैमाइश कराकर बाउंड्रीवाल निर्माण कराने, कथित हिस्ट्रीशीटरों से सुरक्षा दिलाने तथा झूठे आरोप लगाने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की गई है।

नहर में पड़ी बस पर खड़े फैक्ट्री कर्मी। अमृत विचार

रेलिंग तोड़ नहर में गिरी बस, सभी यात्री सुरक्षित

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

क्रेन से निकाली जा रही बस।

अमृत विचार। बिधनू के रामगंगा नहर पुल पर गुरुवार सुबह डंपर व सवारियों से भरी बस में टक्कर हो गई। डंपर की जबरदस्त टक्कर से फैक्ट्री कर्मियों से भरी बस पुल की रेलिंग तोड़कर नहर में जा गिरी। चालक व क्लीनर समेत बस में 21 लोग सवार थे। नहर में पानी कम होने के कारण बस पूरी तरह नहीं डूबी। चीख-पुकार मचने पर इलाके के लोग व राहगीरों ने पुलिस को खबर दी और बस के खिड़कियों व दरवाजे के शीशे तोड़कर कर्मियों को बाहर निकाला। बाहर निकले कर्मी नहर में पड़ी बस के ऊपर खड़े हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने सीढ़ी लगाकर रेस्क्यू अभियान चलाया। सभी को सुरक्षित बाहर निकाला। घायलों को हैलट भेजा। हादसे के बाद चालक फरार हो गया। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। हादसे की खबर पाकर डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी, एडीसीपी योगेश कुमार व एसीपी घाटमपुर समेत सर्कल का फोर्स मौके पर पहुंचा। क्रेन से नहर में डूबी बस को बाहर निकाला गया। इसी बीच लंबा जाम लगा रहा।

कानपुर देहात के रनियां स्थित ट्राई डेंट फैक्ट्री में साड़ व कुढ़नी क्षेत्र के 19 कर्मी रोज काम पर जाते हैं। इन कर्मियों को बस से लेकर जाया जाता है। बस चालक औरैया निवासी इंद्रपाल व क्लीनर मोहनलाल है। गुरुवार सुबह बिधनू के रामगंगा नहर पुल से बस गुजर रही थी, तभी सामने से आए तेज रफ्तार डंपर ने बस में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही चालक ने स्टेयरिंग पर नियंत्रण खो दिया और बस पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नहर में जा गिरी। कर्मियों में चीख-पुकार मच गई और लोग मदद के लिए दौड़े। गनीमत रही कि नहर में पानी कम था। जिससे बस पूरी तरह नहीं डूबी। हादसे के बाद कई कर्मियों ने हिम्मत दिखाते हुए बस की खिड़की तोड़ीं और बाहर निकलकर बस के ऊपर खड़े हो गए। फिर मदद के लिए आवाज लगाई।

तब तक आसपास के लोग पहुंचे और नहर में उतरकर सभी फंसे कर्मियों को बाहर निकाला। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने पुल से सीढ़ी लगाकर सभी को सुरक्षित बाहर निकाला और बिधनू सीएचसी भेजा। जहां से सुनील को हैलट रेफर किया गया।

कम पानी होने से बचा बड़ा हादसा

- रामगंगा नहर में बस गिरने के बाद पानी कम होने के कारण पूरी तरह नहीं डूबी। बस से करीब दो फिट नीचे पानी था। जिससे बस के ऊपर खड़े होकर फैक्ट्री कर्मियों ने खुद को सुरक्षित किया। नहर में ज्यादा पानी न होने के चलते लोगों के बहने का भी डर नहीं था। अगर पानी होता और बहाव तेज होता तो बड़ा हादसा हो सकता था। लोगों के अनुसार नहर अक्सर भरी रहती है, लेकिन गुरुवार को पानी कम था।

किशोरी ने फांसी लगाकर दी जान

कानपुर। सेन पश्चिम पारा के कठोगर गांव में बुधवार किशोरी ने फांसी लगाकर जान दे दी। कठोगर निवासी योगेंद्र गौतम की छह माह पहले कैंसर की बीमारी से मौत हो गई थी। उनकी पत्नी सुमन इलाके में स्थित एक फैक्ट्री में नौकरी करती हैं। बुधवार शाम जब सुमन का बेटा सौरभ स्कूल से लौटा तो 16 वर्षीय बड़ी बहन कशिश का शव फदे से लटका पाया।

कशिश।

उसके रोने-चिल्लाने पर पड़ोसियों ने मां के साथ पुलिस को सूचना दी। कशिश तीन भाई-बहनों में सबसे बड़ी थी। छोटी बहन साक्षी है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल की। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। परिजनों के अनुसार कशिश ने यह कदम क्यों उठाया इसकी वजह स्पष्ट नहीं है।

इंजीनियर ने डिप्रेशन के चलते की आत्महत्या

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- माता-पिता के सो जाने पर कमरे में फंदे पर लटका

अमृत विचार। नौबस्ता में अवसादग्रस्त इंजीनियर ने बुधवार रात फंदे से लटककर सुसाइड कर लिया। सुबह माता-पिता सोकर उठे तो बेटे के कमरे का दरवाजा खटखटाया। कोई जवाब न मिलने पर खिड़की से झांककर देखा तो शव फंदे से लटका मिला। जांच-पड़ताल के बाद पुलिस ने शव पोस्टमार्टम भेजा।

यशोदानगर निवासी प्रकाश नारायण त्रिपाठी का 35 वर्षीय बेटा मलय बीटेक था। परिवार में मां रज्जन देवी व पत्नी शिखा और एक बेटी तक्षणवी है। पिता ने बताया कि मलय का बड़ा भाई मयंक भी इंजीनियर है और पंजाब में परिवार समेत रहता है। उन्होंने बताया कि 2022 में मलय की शादी हुई थी, उसी साल उसकी नौकरी चली गई। उसके बाद से वह बेरोजगार था। मौजूदा समय उसकी पत्नी मायके गई है। घर में तीन लोग ही थे। बुधवार रात सभी ने एक साथ खाना खाया और मलय कमरे में सोने चला गया। पिता के अनुसार गुरुवार सुबह मलय देर तक नहीं उठा तो उसकी मां ने दरवाजा खटखटाया। अंदर से कोई जवाब न मिलने पर खिड़की से झांककर देखा तो उसका शव फंदे से लटक रहा था। रोने-चिल्लाने की आवाज सुनकर पहुंचे पड़ोसियों ने पुलिस को खबर दी। दरवाजा तोड़कर शव नीचे उतारा गया। उन्होंने बताया कि बेरोजगारी के साथ मलय करीब चार साल से शराब का लती हो गया था। जिस कारण वह डिप्रेशन में रहने लगा था।

स्मार्ट नहीं, कूड़ा सिटी

आवास विकास, केशवपुरम में केडीएमए स्कूल के सामने वाली सड़क पर पसरा कूड़ा देखकर कथित स्मार्ट सिटी की सफाई व्यवस्था का अंदाजा लगाया जा सकता है। फोटो से स्पष्ट है कि यहां कम से कम 15 दिन से कूड़ा नहीं उठा। अमृत विचार

उद्यान विभाग में कर्मियों से पूछताछ करते नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय। अमृत विचार

उद्यान विभाग में नहीं मिले अधिकारी और अभियंता

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय अचानक निरीक्षण करने उद्यान विभाग पहुंच गए। विभाग में उनको कोई अधिकारी व अभियंता नहीं मिला। चपरासी व गैंगमैन भी अनुपस्थित मिले। इसके अलावा कई खामियां मिलीं।

नगर आयुक्त ने तत्काल उद्यान अधीक्षक सीपी सिंह को बुलाया। विभाग में 11 नियमित कर्मचारी व नौ आउटसोर्स के कर्मचारी हैं। नियमित कर्मचारी चपरासी पवन कुमार गैंगमैन अजय वर्मा अनुपस्थित मिले। लिपित राकेश मिश्रा चिकित्सीय अवकाश पर मिले। आउटसोर्स में कंप्यूटर ऑपरेटर वर्षा अनुपस्थित मिली। अनुपस्थित कर्मियों का वेतन रोकने के निर्देश दिए। कंप्यूटर ऑपरेटर रक्षपाल द्वारा इस माह उपस्थिति पंजिका पर हस्ताक्षर नहीं किये गये, लेकिन वह मौके पर मिले। आउटसोर्स कुशल सहायक दिव्यम दीक्षित 25 फरवरी, 2026 से बिना किसी सूचना के अनुपस्थित मिले। उसके स्थानान्तरण और कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

हेल्थ जोन | **मेडिकल कॉलेज के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग में होंगे ऑपरेशन**

यूरो गाइनेकोलॉजी तकनीक का लाइव प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- प्रशिक्षण लेकर डॉक्टर तकनीक का कर सकेंगी इस्तेमाल

अमृत विचार। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग में आधुनिक यूरोगाइनेकोलॉजी तकनीकों का आज लाइव प्रदर्शन किया जाएगा। इसके लिए विभाग ने 10 मरीजों का चयन कर लिया है, जो यूरोगाइनेकोलॉजी व बच्चेदानी संबंधित समस्या से पीड़ित हैं। इनकी समस्याओं का समाधान आधुनिक तकनीकों की मदद से किया जाएगा। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद कॉलेज की स्त्री रोग विशेषज्ञ इन आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर सकतीं हैं।

कानपुर मेनोपॉज सोसाइटी और जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग द्वारा शुक्रवार को एक दिवसीय यूरोगाइनेकोलॉजी लाइव कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा, जिसमे भुवनेश्वर से डॉ. हारा पटनायक और अहमदाबाद से डॉ. विनीत मिश्रा शामिल होंगे, जो आधुनिक यूरोगाइनेकोलॉजी तकनीकों का लाइव प्रदर्शन करेंगे और शैक्षणिक सत्र में विशेष जानकारी देंगे। कानपुर मेनोपॉज सोसाइटी की अध्यक्ष डॉ. किरण पाण्डेय ने बताया कि इस कार्यशाला में सैक्रोस्पाइनस फिक्सेशन, फोदरगिल्स रिपेयर, सैक्रोहिस्टेरोपेक्सी, एनडीवीएच स्यूचरलेस, सैक्रोकोल्पोपेक्सी और टीवीटी व टीओटी जैसी नई सर्जिकल विधियों का प्रदर्शन किया जाएगा। स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रेनू गुप्ता ने बताया कि यह कार्यशाला विशेष रूप से डॉक्टरों व स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी, क्योंकि इसमें आधुनिक सर्जिकल तकनीकों का प्रत्यक्ष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। जटिल यूरोगाइनेकोलॉजिकल समस्याओं के नए उपचार विकल्पों की जानकारी दी जाएगी। कार्यशाला में ओवरी (अंडाशय), यूटेरस (गर्भाशय), सर्विक्स (गर्भाशय ग्रीवा) व खांसते या छींकते समय मूत्र रिसाव आदि यूरोगाइनेकोलॉजी समस्या से ग्रस्त चिन्हित मरीजों का लाइव ऑपरेशन किया जाएगा। कार्यशाला की सहसंयोजक डॉ. दिव्या त्रिपाठी और डॉ पविका लाल ने बताया कि ओपीडी में ऐसी कई महिलाएं आती हैं, जिनको यूरोगाइनेकोलॉजी की समस्या होती है, जिनमे कम उम्र की महिलाएं भी शामिल होती है।

क्लिनिकल स्किल्स और आत्मविश्वास में होगी वृद्धि

- कानपुर मेनोपॉज सोसाइटी की सचिव डॉ .शैली अग्रवाल ने कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से मेडिकल छात्र-छात्राओं व प्रतिभागियों की क्लिनिकल स्किल्स व आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मरीजों को बेहतर, सुरक्षित व उन्नत उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण ज्ञान प्राप्त होगा। यह कार्यशाला चिकित्सा शिक्षा में व्यावहारिक प्रशिक्षण को बेहतर करने के साथ महिला स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में भी योगदान देगी।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

सिटी ब्रीफ

चालान से भड़का ट्रक चालक, टीएसआई से की अभद्रता

कानपुर। दादानगर में नो एंट्री प्वाइंट पर चालान से नाराज ट्रक चालक ने यातायात पुलिसकर्मियों से अभद्रता की। आरोप है कि चालक ने गाली-गलौज किया। गोविंदनगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर चालक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार गुरुवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे दादानगर नो-एंट्री प्वाइंट पर टीएसआई आनेंद्र यादव ड्यूटी पर थे। हेड कांस्टेबल हरीशचंद्र चौधरी व होमगार्ड कृष्ण कुमार भी मौजूद थे। इसी दौरान मेरठ के सरोरपुर निवासी ट्रक चालक दिलशाद ट्रक लेकर वहां पहुंचा। रोकने पर पुलिसकर्मियों ने उससे नो-एंट्री में आने की वजह पूछी। आरोप है कि चालक बहस करने लगा। जिसके बाद पुलिस ने ट्रक की नंबर प्लेट का फोटो खींचकर चालान कर दिया। इससे नाराज चालक आपा खो बैठा और पुलिसकर्मियों को गालियां देने लगा। विवाद बढ़ता देख डायल 112 पर सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पीआरवी पर भी चालक ने आरोप लगाया। इसके बाद पुलिसकर्मी उसे पकड़कर गोविंदनगर थाने ले गए। थाना प्रभारी रिकेश कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया

वोटर सूची में नाम जुड़वाने को कांग्रेस लगाएगी कैंप

कानपुर। कानपुर महानगर कांग्रेस ने तिलक हाल में आयोजित बैठक में मतदाता सूची को लेकर भाजपा और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। कांग्रेसी नेताओं ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया के तहत वोटरों को प्रभावित करने और मतदाता सूची में गड़बड़ी कर भाजपा को लाभ पहुंचाने की साजिश हुई। ऐसी स्थिति कानपुर में न बनने पाए, इसके लिए अभी से बूथ और वार्ड स्तर पर अभियान चलाया जाएगा। महानगर कांग्रेस अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता हर वार्ड में कैंप लगाकर मतदाता सूची की जांच करेंगे तथा जिन लोगों के नाम हटाए गए हैं, उन्हें फॉर्म-छह और फॉर्म-आठ के माध्यम से दोबारा जुड़वाने का काम करेंगे। बैठक में विकास अवस्थी, जेपी पाल, निजामुद्दीन खान, इकबाल अहमद, फजल खान, शंकर दत्त मिश्रा, पदम मोहन मिश्रा, शीलू श्रीवास्तव, रितेश यादव, ग्रीनबाबू सोनकर, राकेश साहू, अमरेंद्र सिंह, धर्मेंद्र सिंह रहे।

सब बदले जाएंगे, नए सिरे से साधे जाएंगे समीकरण

विशेष संवाददाता

कानपुर। प्रदेश भाजपा को नया अध्यक्ष मिलने के बाद नई टीम भी शीघ्र ही घोषित होने वाली है। इसी के साथ क्षेत्रीय अध्यक्ष और मोर्चा प्रमुख भी बदले जाएंगे। इसमें क्षेत्रीय और जातीय संतुलन रखते हुए ज्यादातर नए चेहरे होंगे। दूसरे दलों से आए कुछ नेता भी समायोजित हो सकते हैं।

पश्चिम बंगाल में जबरदस्त सफलता के बाद भाजपा अब उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई है। रणनीति बन रही है, फीडबैक लिया जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने राष्ट्रीय नेतृत्व और प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं से रायशुमारी के बाद अपनी नई टीम बना ली है। किसी दिन भी नाम लिफाफे से बाहर आ सकते हैं।

शहर से तीन-चार नेताओं को मौका : प्रदेश के पदाधिकारियों और कार्यसमिति में कानपुर के तीन-चार नेता हो सकते हैं। नगर के एक विधान परिषद सदस्य को बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। वह संगठन में पहले भी महत्वपूर्ण पद पर रह चुके हैं, और नेतृत्व के भरोसेमंद हैं। संगठन में स्थान नहीं मिलने पर उन्हें राज्य मंत्री बनाया जा सकता है। बंगाल चुनाव में महती जिम्मेदारी निभा चुके एक और एमएलसी को किसी आयोग या बोर्ड का प्रमुख बनाए जाने की चर्चा है। वह स्थानीय मुद्दों पर मुखर रहते हैं, लेकिन सभी के साथ समन्वय है। शहर के ही दो और नेताओं को भी प्रदेश संगठन में जगह मिल सकती है। इसमें एक ब्राह्मण और एक दूसरे दल से आए नेता हैं। इनके लिए दिल्ली से भी पैरवी है।

चर्चा है कि कार्यसमिति सदस्य के रूप में यहां के दो-तीन नेताओं को रखा जाएगा। एक महिला का भी पदाधिकारियों की सूची में नाम बताया जाता है। इसी के साथ कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के 10 नेता प्रदेश टीम में जा सकते हैं। यदि प्रकाश पाल को हटाया गया तो उन्हें प्रदेश में बड़ा दायित्व या किसी बोर्ड के प्रमुख की जिम्मेदारी मिल सकती है। अनूप अवस्थी का ओहदा भी बढ़ सकता है।

मोर्चा प्रमुख भी बदल सकते क्षेत्रीय अध्यक्ष दूसरे जिले से

- युवा, महिला, एससी, एसटी ओबीसी, किसान और अल्पसंख्यक मोर्चा के मुखिया भी नए चेहरे हो सकते हैं। इसमें कानपुर के एक नेता भी समायोजित किए जा सकते हैं युवा मोर्चा प्रमुख प्रांशुदत्त द्विवेदी को मुख्य कमेटी में जगह मिल सकती है। यह भी तय है कि सभी क्षेत्रीय अध्यक्ष बदले जाने हैं, कानपुर क्षेत्र के लिए कई नेता लाइन में हैं, लेकिन इस बार कानपुर से इतर किसी और जिले से क्षेत्रीय अध्यक्ष बनाया जा सकता है और वह ब्राह्मण भी हो सकता है।

- भाजपा में विधानसभा चुनाव की तैयारी बड़े पैमाने पर फेरबदल संभावित

नए चेहरे को मंत्री पद

कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र से कोई नया चेहरा मंत्री बन सकता है। अभी इस क्षेत्र से छह मंत्री हैं, जिसमें कानपुर देहात से तीन मंत्री हैं। यहां से एक को हटा कर किसी नए अनुभवी नेता को मौका दिया जा सकता है। शहर से किसी विधायक को मौका मिलने की संभावना कम है, क्योंकि यहां से विधानसभा अध्यक्ष हैं। ऐसे में बोर्ड या आयोग प्रमुख बनाकर मंत्री का दर्ज़ा दिया जा सकता है।

निवेशकों की झोली में 400 करोड़ बढ़ सकते

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सेंसेक्स और निफ्टी की सुस्त चाल पर मिड और स्मॉल कैप ने पकड़ी रफ्तार

अमृत विचार। गुरुवार को शेयर बाजार सीमित दायरे में कारोबार करता रहा, लेकिन मिड और स्मॉल कैप शेयरों में शानदार तेजी देखने को मिली। दिनभर उतार-चढ़ाव के बीच सेंसेक्स 114 अंक जबकि निफ्टी महज चार अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी मिडकैप इंडेक्स पहली बार 62,000 के ऐतिहासिक स्तर को पार कर गया और नए शिखर तक पहुंचा। इसके चलते गुरुवार को शहर के निवेशकों के पोर्टफोलियो मूल्य में करीब 400 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी का अनुमान लगाया गया।

बड़े शेयरों में मुनाफा वसूली के बीच निवेशकों का रुझान अब मिड और स्मॉल कैप कंपनियों की ओर तेजी से बढ़ रहा है। मार्च में आई तेज गिरावट के बाद अप्रैल महीना मिड और स्मॉल कैप निवेशकों के लिए शानदार वापसी लेकर आया था। अप्रैल में स्मॉल कैप इंडेक्स में करीब 18 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई थी, जिसने निवेशकों का भरोसा फिर मजबूत किया है। इसी तेजी का असर मई के पहले सप्ताह में भी जारी है। शहर में बड़ी संख्या में निवेशक मिड और स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड्स तथा प्रत्यक्ष इक्विटी निवेश के जरिए इस सेगमेंट में सक्रिय हैं। इनमें खासतौर पर उन निवेशकों को ज्यादा फायदा हुआ है, जिन्होंने मार्च की गिरावट के दौरान घबराकर बिकवाली करने के बजाय निवेश बनाए रखा।

> वैश्विक संकेतों में सुधार, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और घरेलू आर्थिक आंकड़ों की मजबूती से बाजार को सहारा मिल रहा है। हालांकि मौजूदा तेजी में चुनिंदा शेयरों में निवेश और संतुलित पोर्टफोलियो रणनीति अपनाना जरूरी है, क्योंकि मिड और स्मॉल कैप में उतार-चढ़ाव अपेक्षाकृत अधिक रहता है।
>
> -राजीव सिंह, शेयर बाजार विशेषज्ञ।

भाऊपुर तक 20 किमी. में पांचवीं-छठी रेल लाइन

हाई डेन्सिटी नेटवर्क के तहत 40 लाख रुपये से होगा सर्वे

कार्यालय संवादाता, कानपुर

- पनकी से गोविंदपुरी के बीच ट्रेनें फंसने की समस्या कम होगी

अमृत विचार। दिल्ली-हावड़ा रूट पर बढ़ते ट्रैफिक लोड को कम करने के लिए पांचवीं और छठी रेल लाइन बिछेगी। रेल लाइन भाऊपुर से कानपुर के बीच 20 किमी में 40 लाख रुपये से बिछेगी। फाइनल लोकेशन सर्वे किया जाएगा। रेलवे ने इस काम की घोषणा कर दी है। नई रेल लाइन बिछने से बढ़ते ट्रेनों के संचालन में आसानी होगी। इसी के साथ पनकी से गोविंदपुरी के बीच ट्रेनों के फंसने की समस्या भी कम होगी। जिससे रेल यात्रियों का समय बचेगा और राहत मिलेगी।

केंद्र सरकार ने हाई डेन्सिटी नेटवर्क (एचडीएन) के तहत रेल मार्गों को चौड़ा करने की योजना बनाई है। दिल्ली से हावड़ा मुख्य मार्ग में तीसरी और चौथी रेल लाइन के साथ-साथ 5वीं व छठी रेल लाइन बिछाने की भी तैयारी शुरू कर दी गई है। सर्वे करने के लिए फंड के लिए भी रेलवे ने मंजूरी दे दी है। सर्वे का काम 40 रुपये से किया जाना है। मौजूदा समय में कानपुर से 300 से ज्यादा ट्रेनों का संचालन किया जाता है। त्योहारों व छुट्टियों जैसे मौके पर यात्री ट्रेनों की संख्या करीब 350 तक हो जाती है। यही कारण है कि रेलवे ने मालगाड़ी को अलग रूट देने के लिए डेडीकेटेड कॉरीडोर बनाया। जिससे यात्री ट्रेनों को राहत मिली और व्यापारियों का माल समय से उनके गंतव्य स्थल तक पहुंचने लगा। जिससे रेलवे के राजस्व में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई। रेलवे का मानना है कि आने वाले समय में ट्रेनें बढ़नी है। ये संख्या 450 ट्रेनों तक पहुंचने की संभावना है। तब ट्रैक पर दबाव ज्यादा होगा। वर्तमान में कानपुर से 26 ट्रेनों की शुरुआत (ओरिजिनेटिंग) होती है, क्षमता वृद्धि के बाद ओरिजिनेटिंग ट्रेनों की संख्या बढ़कर 40 होने की संभावना है। पनकी धाम और गोविंदपुरी को सहायक टर्मिनलों के रूप में विकसित किया जाएगा। टर्मिनल बनने से दोनों स्टेशन के बीच दादानगर में ट्रेनों के फंसने की समस्या कम होगी। रेलवे जानकारों की माने तो इस ट्रैक पर हर 3 मिनट की दूरी पर एक ट्रेन है। कॉरीडोर बनने से राहत मिली। नई रेल लाइन बिछने से कॉरीडोर में इजाफा होगा। रेल अधिकारी ने बताया कि नई रेल लाइन 160 से अधिक रफ्तार की क्षमता का होगा। जिसमें दो जगह नदी के ऊपर रेल पुल भी बनेगा।

नवागंतुक केस्को एमडी को कैलेंडर भेंट करते अध्यक्ष विजय त्रिपाठी व महामंत्री विष्णु अवतार पांडेय। अमृत विचार

केस्को मजदूर संघ ने एमडी नेहा जैन का किया स्वागत

कार्यालय संवादाता, कानपुर

अमृत विचार। केस्को मुख्यालय में शुक्रवार को नवागंतुक प्रबंध निदेशक नेहा जैन का केस्को मजदूर संघ के पदाधिकारियों को वार्षिक कैलेंडर व संघ का स्वागत पत्र भेंटकर उनका अभिनंदन किया। अध्यक्ष विजय त्रिपाठी व महामंत्री विष्णु अवतार पांडेय ने केस्को मजदूर संघ की ओर से नए दायित्व का पदभार ग्रहण करने की शुभकामनाएं दी। संगठन, कर्मचारियों व उपभोक्ताओ से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सकारात्मक चर्चा की। प्रबंध निदेशक ने कर्मचारियों व उपभोक्ताओ के हित समन्वय व सहयोग की भावना से कार्य करने का आश्वासन दिया। बता दें कि केस्को मजदूर संघ ने जो वार्षिक कैलेंडर केस्को एमडी को भेंट किया है, उसमे महामंत्री शंभू सिंह की फोटो है, जो जिलाधिकारी के फर्जी हस्ताक्षर मामले में जेल में है। इसको लेकर सोशल मीडिया में मैसेज वायरल हैं, जिसकी पुष्टि अमृत विचार नहीं करता है। हालांकि मामले में अध्यक्ष विजय त्रिपाठी का कहना है कि कैलेंडर नए वर्ष का है, अभी का नहीं है।

इस्पात नगर में अंधेरे का मुद्दा फिर उठा, उद्यमी नाराज

कानपुर। इस्पात नगर औद्योगिक क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट कमी की समस्या एक बार फिर उठी है। इस्पात नगर चैप्टर की नए पदाधिकारियों ने इस समस्या के समाधान के लिए जल्द ही अधिकारियों से संपर्क करने की योजना बनाई है। आक्रोश व्यक्त किया गया कि स्ट्रीट लाइट की समस्या से क्षेत्र लगातार पिछड़ रहा है। शाम के बाद से यहां पर माल की आवाजाही भी समस्या भरी होती है इस्पात नगर योजना 1978 में केडीए द्वारा शहर के बाहर विकसित की गई थी। मुख्य रूप से इस क्षेत्र में 2014 के बाद उद्योग स्थापित होने शुरू हुए तो यह पाया गया कि क्षेत्र में आधारभूत सुविधाएं नहीं है। इनमें सड़क, नालियां, स्ट्रीट लाइट, सीवर लाइन आदि शामिल हैं। पूर्व में यहां की समस्या का मुद्दा उद्योग बंधु की बैठक में भी उठा। इसके बाद क्षेत्र के विकास की बात कही गई। इनमें स्ट्रीट लाइट को प्रमुखता से लगाया जाना शामिल था। पदाधिकारियों का आरोप है कि कई महीने बीत जाने के बाद भी स्ट्रीट लाइट का काम पूरा नहीं हुआ। अब इसे लेकर जल्द ही अधिकारियों के साथ बैठक कर स्ट्रीट लाइट सहित अन्य समस्याओं के समाधान के लिए बात की जाएगी। फीटा इस्पात नगर चैप्टर के अध्यक्ष रजत गुप्ता व महामंत्री आशीष साहनी ने बताया कि अधिकारियों से मिलेंगे।

अमृत विचार क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
सर्वसूचित हो की हमारी संस्था की रजिस्ट्रेशन आई डी और अन्य दस्तावेज में संस्था का नाम त्रुटिवश मंगला गौरी सेवा संस्थान (MANGLA GAURI SEVA SANSTHAN) दर्ज हो गया है। जिसे भविष्य हेतु मंगला गौरी सेवा संस्थान (MANGLA GAURI SEVA SANSTHAAN) से जाना पहचाना जाये – **दिनेश कुमार अठवानी पुत्र श्री सुरेश कुमार अठवानी निवासी –559 ख/88, श्री नगर, सिगारं नगर, आलमबाग, लखनऊ उत्तर प्रदेश 226005**

सूचना
सूचित किया जाता है कि मेरा हाई स्कूल का अंकपत्र सह प्रमाण पत्र फटकर क्षतिग्रस्त हो गया है जिसका वर्ष परीक्षा वर्ष 2024 अनुक्रमांक 1242534318 है। नाम **पलक मोदनवाल पुत्री श्री मुन्नी लाल** है।

सूचना
सूचित करना है कि मेरा हाई स्कूल का अंक पत्र परीक्षा वर्ष 2012 अनुक्रमांक 2329393 तथा इंटरमीडिएट परीक्षा वर्ष 2013 का अंक पत्र अनुक्रमांक 1712289 कहीं गायब हो गया है। नाम संजीव शेखर पुत्र परमात्मा दीन है।

सूचना
पहले मेरा नाम MOHD AMEER BAKSH था अब मैंने बदलकर अपना नाम MO AMIR BAKSH रख लिया है अब भविष्य में मुझे MO AMIR BAKSH के नाम से जाना व पहचाना जाये । S/O-PIR BAKSH R/O- SAKRAURA PASHCHIMI COLONELGANJ GONDA 271502

सूचना
सूचित किया जाता है कि मेरे एल आई सी संख्या 216655657 में मेरा नाम रानी देवी पत्नी राजेश दर्ज है जबकि मेरे आधार 804003566985 व बैंक खाते में राजरानी दर्ज है। राजरानी उर्फ रानी देवी दोनों नाम उनके हैं, इसी से सभी जानते पहचानते हैं। **राजरानी उर्फ रानी देवी पत्नी राजेश निवासी गोनई पुरवा करुवा करनैलगंज गोंडा।**

सूचना
मैं सरोज कुमार पुत्र स्वर्गीय कुंज बिहारी व जितेंद्र कुमार वर्मा पुत्र स्वर्गीय कुंज बिहारी निवासी ग्राम व पोस्ट बांसा जिला बाराबंकी का निवासी हूँ। मुझे उक्त दोनों नाम से जाना वह पहचाना जाता है भारतीय जीवन बीमा निगम मे मेरी पॉलिसी संख्या 215 419 682 है जिसमे मेरा नाम जितेंद्र कुमार वर्मा है जबकि अन्य सभी में मेरा नाम सरोज कुमार है।

सूचना
मैं **अमित पुत्र बनवारीलाल निवासी जिन्दा निवादा माल का पुरवा पो0 कहिंजरी कानपुर देहात**, मेरे आधार कार्ड मेरा नाम अमित पुत्र बनवारीलाल (BANWARI LAL) अंकित है जो शुद्ध व सही है। मेरे इसी नाम अमित पुत्र बनवारीलाल (BANWARI LAL) को विधिक व विभागीय मान्यता प्रदान की जाये।

सूचना
मैंने अपना नाम SANTOSH KUMAR VERMA से बदल कर SANTOSH KUMAR रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O:PATIRAM R/O: HARIHARAAPUR MAHARAJA NAGAR SHRAWASTI UTTAR PRADESH 271803

सूचना
मेरे पासपोर्ट सं0– P8619200 में त्रुटिवश मेरा नाम MOHAMMAD FAHEEM अंकित हो गया है। जबकि मेरे अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम MOHD FAHEEM दर्ज है। अत: मेरे पासपोर्ट में संशोधन कर मेरा नाम MOHD FAHEEM लिखा व पढ़ा जाये। S/o MOHAMMAD KALEEM नि0: 401/80, अब्दुल अजीज रोड, लखनऊ, उ0 प्र0।

सूचना
मैने अपना नाम MOHAMMAD ZAKIR से बदलकर MOHD JAKIR रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-MOHD IBRAHIM ADD-78, RAIS NAGAR TAHSEEN GANJ, DIST-LUCKNOW-226003 (U.P.)

सूचना
मैने अपना नाम MOHAMMAD ABULKHAIR से बदलकर SYED ABDUL KHAIR रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-SYED CHASME ALAM ADD-538 K/1728, TRIVENI, NAGAR 3RD, NEAR 60 FITA ROAD , ALLU NAGAR DIGURIA, DIST-LUCKNOW-226020 (U.P.)

सांसद रमेश अवस्थी का स्वागत किया गया। अमृत विचार

बंगाल से लौटे सांसद का अभिनंदन

कार्यालय संवादाता, कानपुर

- चुनाव प्रचार के लिए गए थे सांसद रमेश अवस्थी

अमृत विचार। पश्चिम बंगाल चुनाव में भाजपा की प्रचंड विजय के बाद सांसद रमेश अवस्थी के शहर लौटने पर गुरुवार को वरिष्ठ भाजपा नेता पूर्व विधायक अजय कपूर के गोविंद नगर स्थित कार्यालय में स्वागत समारोह आयोजित किया गया। अजय कपूर व दादानगर कोआपरेटिव एस्टेट के चेयरमैन विजय कपूर ने कार्यकर्ताओं के साथ फूल माला पहनाकर सांसद का अभिनंदन किया। पूर्व विधायक ने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा ने ऐतिहासिक जीत हासिल करके वहां एक नए युग की शुरुआत की है। सांसद ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार जताया। कार्यक्रम में जगदीश तिवारी, महेश प्रसाद दीक्षित, अरविंद त्रिवेदी, शरद त्रिवेदी, पार्षद अनिल यादव, सुधीर यादव, अमित जायसवाल, नीरज चड्ढा, अक्षय मिश्रा, अशोक मिश्रा भूटानी, वीरेंद्र दुबे, वीरेंद्र वर्मा, बबलू अवस्थी, जितेंद्र मिश्रा, संगीत तिवारी, अंकित पाल, प्रशांत त्रिपाठी, शैलेंद्र सेंगर, राजू तिवारी, गोरेलाल, दिनेश पांडे, सुरेंद्र बिहारी आदि मौजूद रहे।

उद्यमियों को जेम पोर्टल पर पूंजी फंसने से राहत दिलाई जाए

समस्या

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- शहर के उद्यमियों ने अधिकारियों के समक्ष गिनाईं समस्याएं

अमृत विचार। जेम पोर्टल से संबंधित समस्याओं पर गुरुवार को शहर के उद्यमियों ने अपनी बात रखी। उद्योग निदेशालय में हुई बैठक के दौरान उद्यमियों ने कहा कि पोर्टल पर ऑर्डर मिलने के दौरान उनकी क्रियाशील पूंजी अक्सर फंस जाती है। इसके लिए उपाय करने की जरूरत है। जेम संवाद बैठक के दौरान उद्यमियों ने पुरानी योजनाओं से संबंधित भी समस्याएं गिनाईं।

जेम संवाद कार्यक्रम के जरिए गुरुवार को जागरुकता, व समस्याओं पर मंथन हुआ। इस दौरान बैठक की अध्यक्षता ज्वाइंट सेकेट्री एंड एडिशनल सीईओ जेम पोर्टल अजीत बी चौहान ने की। बैठक में उद्योग आयुक्त व निदेशक के विजयेंद्र पाण्डयन भी मौजूद रहे। बैठक के दौरान सबसे अधिक जेम पोर्टल को सूक्ष्म व लघु उद्योगों के लिए परेशानी भरा बताया गया। मर्चेंट चेंबर ऑफ एसोसिएशन के इंडस्ट्री कमेटी के चेयरमैन सुशील शर्मा ने कहा कि उद्योग में सबसे अधिक सूक्ष्म व लघु उद्योगों को क्रियाशील पूंजी की जरूरत होती है। जेम के तहत जैसे ही सप्लाई ऑर्डर आता है। नियम के तहत 5 फीसदी बैंक गारंटी जमा करनी होती है। इससे उद्यमी की पूंजी फंस जाती है। कारोबार पर इसका सीधा असर होता है। उसे नए ऑर्डर लेने या उसपर काम करने में परेशानी होती है। इस समस्या के समाधान की बात कही गई। इसी तरह जेम का ट्रांजेक्शन शुल्क को इस दायरे में उद्यमियों ने प्रस्तुत किया। कहा कि इस तरह के नियम जिससे पूंजी ब्लॉक हो उससे निदान मिलनी चाहिए। बैठक के दौरान भुगतान के 45 दिन के नियम के बावजूद भी भुगतान न होने की बात कही गई। यह भी बताया गया कि तय समय सीमा पर भुगतान न होने पर खरीदार को भी पैनाल्टी के दायरे में लाया जाए।

इससे भुगतान में होने वाली देरी से बचा जा सकेगा। बैठक में सरकार की ओर से जेम सहाय स्कीम लांच होने के बाद भी उसके कठिन नियम होने भी उद्यमियों ने समस्या रखी। बैठक के दौरान लघु उद्योग भारतीय से लाडली प्रसाद, संदीप अवस्थी, आईआईए से आलोक अग्रवाल व दिनेश बारासिया सहित अन्य उद्यमी शामिल रहे।

निरीक्षण — महाराजपुर गोशाला में टीन शेड लगेगी, स्वगणना का काम दो दिन पूरा करना होगा

सैबसी झील को पर्यटन के लिए विकसित किया जाएगा

कार्यालय संवादाता, कानपुर

अमृत विचार। सैबसी झील को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। झील में फैली गाद, जलकुंभी को हटाकर गहरा किया जाएगा। झील के चारों तरफ जिला पंचायत की ओर से स्ट्रीट लाइट, इंटरलॉकिंग, पौधरोपण और ब्रांडिंग बोर्ड के काम को दुरुस्त कराया जाएगा। झील में पर्याप्त पानी के लिए छोटी नहर को राजापुर स्थित कैनाल से जोड़ा जाएगा। ये काम सिंचाई विभाग करायेगा। सीडीओ ने अधिशाषी अभियंता को इसके बारे में निर्देश दिए हैं।

गौशाला का निरीक्षण करते सीडीओ अभिनव जैन। अमृत विचार

गुरुवार को सीडीओ अभिनव जैन सरसौल स्थित सैबसी झील का निरीक्षण करने पहुंचे। निरीक्षण के दौरान मत्स्य जीवी सहकारी समिति लिमिटेड के प्रतिनिधि रजनीश और मोनू ने बताया कि झील में फैली जलकुंभी की सफाई, गाद निकालने तथा झील को गहरा करने का काम कराया जा रहा है। यहां से वे महाराजपुर के पंचायत सचिवालय में स्व-गणना की बैठक कर ग्रामीणों से स्वगणना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सभी विकासखंड और ग्राम स्तरीय कर्मचारियों को दो दिन के भीतर स्व-गणना पूरी कराने के निर्देश दिए। सीडीओ ने महाराजपुर स्थित गौशाला का भी निरीक्षण किया। भूसा, चोकर, हरा चारा और पानी की व्यवस्था सही मिलने पर उन्होंने गौशाला के टीनशेड में सफेद पेंट और स्प्रिंकलर लगाने को कहा है। इस दौरान अधिशाषी अभियंता लघु डाल नहर, परियोजना निदेशक जिला ग्राम्य विकास अभिकरण, जिला पंचायत राज अधिकारी, खंड विकास अधिकारी सरसौल रहे।

डीसीपीयू में शिफ्ट होगा चाइल्ड हेल्पलाइन

कानपुर। चाइल्ड हेल्पलाइन कार्यालय को डीसीपीयू (जिला बाल संरक्षण इकाई) लायर्स बिल्डिंग में शिफ्ट किया जाना है। रात के समय काम करने में दिक्कत होने के कारण इसे शिफ्ट कराया जाना है।

मौजूदा समय में ये कार्यालय पुराने निर्वाचन कार्यालय से संचालित किया जा रहा है। इसी के साथ इंटरनेट समस्या की कनेक्टिविटी की बात बताई जा रही है।

शासन को लिखे पत्र में ये समस्या बताई गई है। जिस पर जल्द कार्रवाई करने व मंजूरी देने का अनुरोध डीपीओ की ओर से किया गया है।

सिटी ब्रीफ

पकड़े गए 6 बिजली चोर, रिपोर्ट दर्ज

कानपुर। केस्को की विजिलेंस टीम ने अभियान का संचालन कर गुरुवार को छह लोगों को बिजली चोरी करते हुए पकड़ा। केस्को मीडिया प्रभारी देवेंद्र वर्मा के मुताबिक टीम ने ग्वालटोली में अरशद, मो .शरीफ, शबनम, जूही में इकराम, दादा नगर में रजनी उर्फ ज्योति और कोमला शुक्ला को बिजली चोरी करते हुए पकड़ा है, जिनके खिलाफ बिजली चोरी की एफआईआर दर्ज कराई गई है।

यहां नहीं रहेगी बिजली

कानपुर। शहर में शुक्रवार को वाजिदपुर व संजय नगर उपकेंद्र के दुर्गा मंदिर, संजय नगर व तीन खंभा, आचार्य नगर, चालीस दुकान हनुमान मंदिर व अजीतगंज में बिजली सुबह 10 बजे से दोपहर दो बजे तक नहीं रहेगी। इसके अलावा दबौली उपकेंद्र के ओल्ड गुजैनी, रतनलाल नगर व दबौली में सुबह 11 बजे से दो बजे तक, नमक फैक्ट्री व नवीन नगर उपकेंद्र के पी व एम ब्लाक, काकादेव में सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक और दयानंद विहार नवशीलधाम में बिजली सुबह 11 बजे से दोपहर दो बजे तक गुल रहेगी।

फॉल्ट से गई बिजली

कानपुर। केस्को के पॉलीमार उपकेंद्र से जुड़े सेक्टर सी-ओल्ड, लोहिया स्टार लिंगर व नौरैया खेड़ा कह बिजली गुरुवार को सुबह नौ बजे इनकमर नंबर दो के इनडोर में फॉल्ट होने की वजह से गुल हो गई, जानकारी पर पहुंचे केस्को कर्मियों ने मरम्मत कार्य शुरू किया और दोपहर डेढ़ बजे बिजली आ सकी। यशोदा नगर में सुबह 10 बजे से दोपहर साढ़े तीन बजे तक और टीपी नगर में दोपहर 12 बजे से साढ़े तीन बजे तक बिजली न आने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

शरीर की कोशिकाओं में होने वाले संवाद का अब खुल सकेगा राज

आईआईटी का कम्प्युटेशनल टूल 'रेनॉयर' पढ़ सकेगा कोशिकाओं की बातचीत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के विशेषज्ञों ने एक ऐसा कम्प्यूटेशनल टूल 'रेनॉयर' विकसित किया है जो कोशिकाओं की बातचीत सुनने में सक्षम है। यह टूल स्पैटियल ट्रांसक्रिप्टोमिक्स डेटा का उपयोग करता है, जिससे वैज्ञानिक न केवल कोशिकाओं के बीच होने वाले संवाद को पहचान सकते हैं, बल्कि यह भी देख सकते हैं कि ये संकेत ऊतक के किस हिस्से में किस प्रकार जीन गतिविधि को प्रभावित कर रहे हैं। यह तकनीक विशेष रूप से कैंसर जैसी जटिल बीमारियों में रोग प्रेरित संचार नेटवर्क को समझने और सटीक उपचार लक्ष्य खोजने में सहायता करेगी।

मानव शरीर में कोशिकाओं के बीच होने वाले संकेत किस प्रकार जीन गतिविधि को प्रभावित करते हैं, यह बात अभी तक जैव-चिकित्सा अनुसंधान के लिए बड़ी चुनौती थी। अब आईआईटी के शोधकर्ताओं ने प्रो. हमीम जफर के नेतृत्व में 'रेनॉयर' नामक जिस उन्नत कम्प्यूटेशनल टूल को विकसित किया है, वह वैज्ञानिकों को यह समझने में सक्षम बनाता है कि जटिल ऊतकों के भीतर कोशिकाएं आपस में कैसे संवाद करती हैं। प्रतिष्ठित जर्नल नेचर कम्युनिकेशन में यह शोध प्रकाशित हुआ है।

प्रोजेक्ट पर कार्य करते प्रो. हमीम जफर। अमृत विचार

फ्रांसीसी कलाकार का नाम दिया

- इस अध्ययन के पहले लेखक आईआईटी कानपुर के पूर्व एमएस छात्र नरेन राव ने टूल 'रेनॉयर' के बारे में बताया कि इसका नाम फ्रांसीसी इंप्रेशनिस्ट कलाकार के नाम पर रखा गया है। इसकी वजह यह है कि यह दो आयामी ऊतक परिदृश्य में परस्पर क्रिया करने वाले जीन्स की गतिविधि को मानो 'चित्रित' करता है।

ऑस्ट्रेलिया की प्रयोगशाला का सहयोग

- यह अध्ययन ऑस्ट्रेलिया के गार्वन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल रिसर्च में प्रो. अंकुर शर्मा की प्रयोगशाला के साथ सहयोग में किया गया। जहां भ्रूणीय यकृत और लिवर कैंसर से संबंधित स्पैटियल ट्रांसक्रिप्टोमिक्स डेटा तैयार किया गया, ताकि 'रेनॉयर' का मूल्यांकन किया जा सके। इस विधि ने जैविक रूप से महत्वपूर्ण अंत:क्रियाओं का सफलतापूर्वक खुलासा किया, जिनमें ट्यूमर की प्रगति और विकास प्रक्रियाओं से जुड़ी गतिविधियां शामिल हैं।

शरीर के हर अंग का कार्य कोशिकाओं के निरंतर संवाद पर निर्भर करता है। कोशिकाएं ऊतक विकास, प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया और रोग की प्रगति जैसी महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं के समन्वय के लिए लगातार संकेतों का आदान-प्रदान करती रहती हैं। हालांकि कई अधुनिक तकनीकों से ऊतकों में जीन गतिविधि को मापा जा सकता है, लेकिन यह समझना अब तक कठिन रहा है कि ऊतकों की जटिल स्थानिक संरचना के भीतर एक कोशिका से प्राप्त संकेत दूसरी कोशिका के व्यवहार को वास्तव में कैसे प्रभावित करते हैं।

- मेडिकल साइंस में होगी नई क्रांति, कैंसर के उपचार में मिलेगी चिकित्सकों को बड़ी मदद

कैंसर के इलाज को शोध के लिए खुलेंगे नए रास्ते

- 'रेनॉयर' स्पैटियल ट्रांसक्रिप्टोमिक्स डेटा के उपयोग से न केवल यह पहचानता है कि कौन सी कोशिकाएं आपस में संवाद कर रही हैं, बल्कि यह भी दर्शाता है कि ये संकेत ऊतक के विशिष्ट स्थानों पर डाउनस्ट्रीम जीन्स को कैसे प्रभावित करते हैं। इससे शोधकर्ताओं को 'कम्युनिकेशन नीश' की पहचान करने में मदद मिलती है, जहां विशेष सिग्नलिंग मार्ग सक्रिय होते हैं। आईआईटी के एसोसिएट प्रोफेसर प्रो. हमीम जफर ने कहा कि 'रेनॉयर' विशेष रूप से कैंसर जैसी जटिल स्थितियों में रोग-प्रेरित संचार नेटवर्क की पहचान करने और अधिक सटीक उपचार लक्ष्यों की खोज के नए अवसर खोलता है।

बीएनएसडी कॉलेज के कार्यक्रम में मौजूद बच्चे। अमृत विचार

गुरुदेव के विचारों से गूंजा कॉलेज

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बीएनएसडी शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज में गुरुवार को विश्वविख्यात साहित्यकार, दार्शनिक व नोबेल पुरस्कार से सम्मानित महान विभूति रवीन्द्रनाथ टैगोर की जयंती श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन, पुष्पार्पण व मंगलाचरण के साथ हुआ।

विद्यालय परिवार ने गुरुदेव टैगोर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक और साहित्यिक प्रस्तुतियों के माध्यम से गुरुदेव टैगोर के व्यक्तित्व और कृतित्व को जीवंत रूप से प्रस्तुत किया। कक्षा सात की छात्रा अर्पिता ने अंग्रेजी भाषा में प्रभावशाली भाषण देते हुए टैगोर के जीवन, साहित्यिक योगदान और शिक्षा के क्षेत्र में उनके विचारों पर प्रकाश डाला। वहीं कक्षा 8 के छात्र अस्तित्व ने गुरुदेव का प्रसिद्ध गीत एकला चलो रे प्रस्तुत किया, जिसने उपस्थित विद्यार्थियों और शिक्षकों को भावविभोर कर दिया। इसके बाद कक्षा 7 के छात्र आकर्ष ने हिंदी में प्रेरणादायी भाषण प्रस्तुत करते हुए गुरुदेव टैगोर के राष्ट्रप्रेम, मानवता और सांस्कृतिक चेतना से जुड़े विचार साझा किए। समारोह का समापन वन्दे मातरम् के सामूहिक गायन के साथ हुआ। विद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों को गुरुदेव टैगोर के आदर्शों को जीवन में अपनाने तथा साहित्य, संस्कृति और नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा दी। विद्यालय की उपप्रधानाचार्या और समस्त शिक्षक मौजूद थे।

टैगोर की प्रतिमा को उचित स्थान दें

- **कानपुर।** रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती के अवसर पर गांधी विचार केंद्र की ओर से गुरुवार को गांधी भवन केईएम हॉल फूलबाग में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह व सांसद रमेश अवस्थी को ज्ञापन सौंपकर टैगोर की प्रतिमा को सम्मानजनक और सार्वजनिक स्थान पर स्थापित किए जाने की मांग की। उन्होंने बताया कि गांधी भवन परिसर में स्थापित टैगोर की प्रतिमा वर्तमान में पर्यटन विभाग के एक कमरे तक सीमित होकर रह गई है, जिससे लोगों को उनके दर्शन नहीं हो पाते। सांसद रमेश अवस्थी ने मामले का निरीक्षण कर महापुरुषों के सम्मान के लिए समुचित स्थल विकसित कराने का आश्वासन दिया। वहीं जिलाधिकारी ने शासन स्तर पर संग्रहालय निर्माण के प्रस्ताव पर विचार करने की बात कही।

जयंती पर लगा पुस्तक मेला

- कानपुर। बड़ा चौराहा मेट्रो स्टेशन में गुरुवार को राष्ट्रगान के रचयिता रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती पर क्वीवर संस्था के सहयोग से पुस्तक मेले का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने कहा कि पुस्तक मेले में साहित्य की विविध विधाओं और विविध विषयों पर आधारित पुस्तकें एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं। साहित्यकार रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती पर आयोजकों द्वारा गुरुदेव की कालजयी कृतियों गोरा और गीतांजलि सहित अन्य पुस्तकों का विशेष प्रदर्शन किया गया। एक माह तक चलने वाले पुस्तक मेले में देश व विदेश के प्रसिद्ध लेखकों की रचनाएं उपलब्ध हैं।

मौसम हो गया सुहाना आज भी रहेगा असर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर में मई महीने में मौसम में बदलाव जारी है। गुरुवार को भोर से ही बारिश ने अपना असर दिखाया। बारिश व शहर में कई जगहों पर हुई बूंदाबांदी ने तापमान को भी कम किया। मौसम विशेषज्ञों ने संभावना जताई हे कि शुक्रवार व शनिवार तापमान में तेजी रिकॉर्ड हो सकती है।

शहर में पश्चिमी विक्षोभ का असर जारी है। सुबह से ही मौसम सुहाना रहा। जिससे शहर वासियों को मई के महीने में भी पसीना व तपती गर्मी से बचाव हुआ। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ का असर कम हो सकता है। शुक्रवार शाम से मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। शनिवार दोपहर से धूप तेज हो सकती है। मौसम विशेषज्ञ डॉ. एसएन सुनील पाण्डेय ने बताया कि अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। यह सामान्य से 10.2 डिग्री सेल्सियस कम रहा। न्यूनतम तापमान 19.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। जो सामान्य से 4.7 डिग्री सेल्सियस कम रहा। आने वाले दिनों में दिन के तापमान मैं क्रमिक बृद्धि की संभावना है। 8 मई शाम से रात और सुबह तक तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी-बौछार हो सकती है।

जेके मंदिर पर छाई काली घटा। अमृत विचार

एयरोनॉटिक्स में देश का पहला उत्कृष्टता केंद्र

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- फ्रांस के सहयोग से विकसित होगा सेंटर, देशभर के उद्योग विशेषज्ञ 8 मई को करेंगे मंथन

अमृत विचार। कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय के तहत प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) द्वारा 8 मई को कानपुर स्थित राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (एनएसटीआई) में एयरोनॉटिक्स एवं संबद्ध क्षेत्रों के लिए प्रस्तावित राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) की स्थापना को लेकर उच्चस्तरीय उद्योग परामर्श बैठक आयोजित की जाएगी। देश में अपनी तरह का यह पहला संस्थान होगा। जिसके माध्यम से भारत में विश्वस्तरीय एयरोस्पेस स्किल इकोसिस्टम विकसित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है।

बैठक में देशभर से 30 से अधिक उद्योग प्रतिनिधि, सीईओ और नीति विशेषज्ञ शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय की सचिव देबाश्री मुखर्जी करेंगी, जबकि प्रशिक्षण महानिदेशक दिलीप कुमार भी उपस्थित रहेंगे। एनएसटीआई कानपुर में यह राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र प्रधानमंत्री स्किलिंग एंड एम्प्लॉयबिलिटी ट्रांसफॉर्मेशन थ्रू अपग्रेडेड आईटीआई (पीएम-सेतु) योजना के अंतर्गत विकसित किया जा रहा है। इस योजना के तहत देशभर में पांच राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। अन्य केंद्र भुवनेश्वर, चेन्नई, हैदराबाद और लुधियाना में विकसित किए जा रहे हैं। प्रत्येक केंद्र को देश की प्राथमिकता वाले औद्योगिक क्षेत्रों से जोड़ा गया है। कानपुर के प्रस्तावित केंद्र की सबसे बड़ी विशेषता इसका अंतरराष्ट्रीय सहयोग है। भारत सरकार और फ्रांस सरकार के बीच हुए रणनीतिक द्विपक्षीय समझौते के तहत इस संस्थान को विकसित किया जा रहा है। फ्रांस की एयरोनॉटिक्स विशेषज्ञता, जिसमें एयरक्राफ्ट डिजाइन, एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग, एमआरओ एवियोनिक्स और अन्य आधुनिक तकनीकें शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को एनएसटीआई कानपुर की वर्तमान अवसंरचना और कार्यशालाओं का प्रस्तुतीकरण दिया जाएगा। इसके साथ ही मौजूदा ट्रेड सेटअप का लाइव प्रदर्शन भी कराया जाएगा।

विधानसभा में अनन्या तिवारी ने संभाली मंच की कमान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- अनन्या ने विकसित भारत युवा संसद में दी प्रस्तुति

अमृत विचार। विधानसभा में छात्रा अनन्या तिवारी ने मंच संचालन की जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने प्रभावशाली, संतुलित और आत्मविश्वास से भरी आवाज से पूरे सदन में एक अलग पहचान बनाई। राज्य स्तरीय विकसित भारत युवा संसद 2026 में पीपीएन कॉलेज की पूर्व छात्रा एवं माय भारत स्वयंसेवक अनन्या तिवारी ने प्रस्तुति दी।

तीन दिवसीय आयोजन में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, राज्यसभा सांसद डॉ दिनेश कुमार, उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव, परिवहन राज्यमंत्री दयाशंकर सिंह ने युवाओं का मार्गदर्शन किया। निर्णायक मंडल में डॉ. नीरज बोरा, डॉ. सुरभि सिंह और शशांक वर्मा रहे। कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी किया गया, जिससे यह संवाद पूरे प्रदेश तक पहुंचा।

अनन्या तिवारी को सम्मानित किया गया। अमृत विचार

गजराज के संग निकलेगी पालकी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। इस्कॉन मंदिर में 10 मई को भक्ति, आस्था और भारतीय वैष्णव परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। भीषण गर्मी के बीच भगवान को शीतलता प्रदान करने की प्राचीन परंपरा के तहत मंदिर परिसर में भव्य बोट फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। इस बार का उत्सव खास इसलिए भी माना जा रहा है क्योंकि पहली बार भगवान की गजराज शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनेगी।

वैष्णव परंपरा के अनुसार ग्रीष्म ऋतु में भगवान के नौका विहार की परंपरा सदियों पुरानी है। इसी क्रम में मंदिर परिसर स्थित कृष्ण कालिया कुंड में श्री श्री राधा माधव जी हंस के आकार की आकर्षक एवं सुसज्जित नौका में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देंगे। मंदिर अध्यक्ष प्रेम हरिनाम प्रभु ने बताया कि अक्षय तृतीया से प्रारंभ हुई चंदन यात्रा महोत्सव के उपलक्ष्य में यह दिव्य आयोजन किया जा रहा है। उत्सव की शुरुआत शाम पांच बजे मंदिर परिक्रमा और भगवान की पालकी यात्रा से होगी। शोभायात्रा में हाथी भी शामिल रहेगा। इसके बाद भजन-कीर्तन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और भक्तिमय नृत्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शाम को मुख्य बोट फेस्टिवल आरंभ होगा, जहां कुंड के मध्य भगवान की मनोहारी नौका विहार लीला के दर्शन श्रद्धालुओं को कराए जाएंगे। सुरक्षा, पार्किंग के विशेष इंतजाम किए गए हैं।

प्रभु का नौका विहार।

- भजन-कीर्तन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां व भक्तिमय नृत्य होंगे

सिटी एक्शन हेल्थ प्लान से रोग मुक्त होगा कानपुर

कानपुर। सिटी एक्शन हेल्थ प्लान से शहर को रोगमुक्त किया जाएगा। प्लान को एक मॉडल के तहत लागू कराया जाएगा। जिसमें शहर की 39 लाख की आबादी के हिसाब से विभागों के नोडल अधिकारी तय होंगे। विभागों को सामूहिक रूप से जिम्मेदारी दी जाएगी। जिसमें सबकी जवाबदेही तय होगी। अच्छा कार्य करने पर सम्मान व खराब प्रदर्शन के आधार पर कार्रवाई भी की जाएगी।

जिला प्रशासन और जॉन स्नो इंडिया के सहयोग से सिटी हेल्थ एक्शन प्लान के लिए को-क्रिएशन वर्कशॉप आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य विभिन्न विभागों के समन्वय से एक समावेशी शहरी स्वास्थ्य मॉडल तैयार करना है।

NOTICE

यह सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री अशर्फी लाल, श्री छोटेलाल, श्री राम शंकर एवं श्री सुखरानी ग्राम दहेली सुजानपुर *कानपुर* स्थित भूमि, जो आराजी संख्या 1661 में दर्ज है, के सह-स्वामी हैं।

आगे यह भी सूचित किया जाता है कि श्रीमती तनु, श्रीमती एकता, श्रीमती रेनू देवी, अमन एवं आकाश, जो कि स्वर्गीय राजेश कुमार के विधिक उत्तराधिकारी हैं, उपरोक्त संपत्ति के संबंध में राजस्व अभिलेखों में विधिवत नामांतरण करा चुके हैं।

यह भी सूचित किया जाता है कि अमन एवं आकाश, स्वर्गीय राजेश कुमार के पुत्र, श्रीमती तनु, श्रीमती एकता एवं श्रीमती रेनू देवी द्वारा प्रदत्त पावर ऑफ अटॉर्नी के माध्यम से, उक्त आराजी संख्या 1661 से निकाले गए भाग प्लॉट संख्या 06 *क्षेत्रफल 60 वर्गगज* स्थित ग्राम दहेली सुजानपुर *कानपुर*, को महिन्द्रा रूरल हाउसिंग फाइनेंस *लि0* के ग्राहक *अमित कुमार* के पक्ष में विक्रय करने का प्रस्ताव कर रहे हैं, जो उक्त संपत्ति पर ऋण/वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है।

अतः यह सार्वजनिक सूचना दी जाती है कि यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति अथवा प्रस्तावित विक्रय के संबंध में कोई आपत्ति, दावा, अधिकार, स्वामित्व या हित हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से उचित समयावधि *7 दिनों में* के भीतर अधोहस्ताक्षरी के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

यदि निर्धारित समयावधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो यह मान लिया जाएगा कि किसी को कोई आपत्ति नहीं है तथा प्रस्तावित लेन-देन नियमानुसार पूर्ण कर दिया जाएगा।

किसी भी प्रकार की जानकारी अथवा आपत्ति हेतु संपर्क करें:

Ashish Gupta Adv
Chamber No-35 Shatabdi Adhivakta Bhawan, Civil Court Kanpur
8299319052

एचबीटीयू

एचबीटीयू के विशेषज्ञ अब तक 7 यूनिट्स में कर चुके भ्रमण

लेदर सेक्टर की जरूरतें कोर्स में होंगी शामिल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर के लेदर सेक्टर में अपने सपनों को पूरा करने वाले युवाओं के लिए एचबीटीयू जुलाई से नए कोर्स शुरू करने जा रहा है। लेदर एंड फैशन टेक्नोलॉजी से जुड़े इन कोर्स में लेदर सेक्टर की जरूरतों को शामिल किया जा रहा है। इसके लिए एचबीटीयू से जुड़े विशेषज्ञ अब तक शहर की 7 लेदर यूनिट्स में उद्यमियों की समस्याओं को जान चुके हैं।

एचबीटीयू में लेदर एंड फैशन टेक्नोलॉजी मे पिछले शैक्षणिक सत्र में प्रवेश हुए थे। इनका पहला बैच अब दूसरे वर्ष में पहुंच गया है। विश्वविद्यालय की ओर से दूसरे वर्ष में पहुंचने वाले युवाओं को लेदर सेक्टर की जरूरतों के अनुसार भी पढ़ाई कराई जाएगी। इसके अलावा कौशल निखारने का भी काम किया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति यहां के विशेषज्ञ के साथ लेदर सेक्टर के उद्यमियों के साथ ही बातचीत कर रहे हैं। इस बातचीत के दौरान उद्यमियों की लेदर प्रोडक्ट व विदेशी मांग को भी शामिल किया गया है। उद्यमियों का यह मानना है कि यदि पढ़ाई और उद्योग के बीच के गैप को भर दिया जाए तो अपडेट युवा लेदर सेक्टर में काफी तरक्की कर सकते हैं। उद्यमियों के बीच हुई वार्ता के अनुसार ही विशेषज्ञ जरूरी पाठ्यक्रम भी अपडेट कर रहे हैं, जिसे जुलाई महीने से ही युवाओं को पढ़ाई में शामिल किया जाएगा। इनमें लेदर सेक्टर से जुड़े पारंपरिक उत्पादों के विदेशी बाजार की जरूरतों के अनुसार नए स्वरूप में ढालना, नवीन तकनीकी मशीनरी सहित अन्य शामिल हैं। विश्वविद्यालय की ओर से लेदर टेक्नोलॉजी बीटेक प्रोग्राम की 31 सीटों के लिए यह कवायद की जा रही है।

फैक्ट्री का निरीक्षण करते शिक्षक। अमृत विचार

दो इकाइयों का भ्रमण किया

- एचबीटीयू के कुलपति प्रो समशेर व लेदर विभागाध्यक्ष प्रो जीएल देवनानी ने गुरुवार को शहर की दो लेदर यूनिट्स में जाकर उद्यमियों से बातचीत की। इस दौरान साथ आए अन्य शिक्षकों डॉ अभिषेक कुमार लाल, रणवीर सिंह व सुमंत चटर्जी के साथ यूनिट्स के उत्पादों व मशीनरी का अध्ययन भी किया। इन औद्योगिक इकाइयों में क्रेमॉस इंटरनेशनल लिमिटेड व स्वास्तिक इंटरनेशनल शामिल हैं। इस दौरान उन्होंने उद्यमी विनोद कुमार धवन, आशुतोष शुक्ला व कपिल शुक्ला से चर्चा की। उद्यमियों द्वारा बताया गया कि इस सेक्टर में चाइनीज तकनीकी द्वारा निर्मित उत्पादों की तुलना में यदि एचबीटीयू में उन्नत स्वदेशी तकनीकी विकसित की जाए, तो यह औद्योगिक इकाइयों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। गया।

स्वदेशी तकनीक होगी विकसित

- कुलपति प्रो समशेर ने उद्योगों को आश्वस्त किया कि एचबीटीयू औद्योगिक इकाइयों के साथ मिलकर उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वदेशी तकनीक विकसित करेगा। इसके अलावा औद्योगिक इकाइयों को पूरा सहयोग प्रदान करेगा।

कार्यालय नगर पालिका परिषद कन्नौज

पत्रांक संख्या–548/के0जे0/जल0 अनु0/2025–26 दिनांक–07–05–26

ई निविदा सूचना

प्रमुख सचिव उत्तर प्रदेश नगर विकास के शासनादेश संख्या 3890/नौ–5–19–149सा/2019 नगर विकास अनुभाग 05 लखनऊ दिनांक 20 सितम्बर 2019 एवं शासनादेश संख्या 03/2017/1067/78–2–2017–42 आईटी0/2017 अनुभाग–2 दिनांक 12–05–2017 तथा निदेशक स्थानीय निकाय निदेशालय सेक्टर– 07 गोमती नगर विस्तार उ0प्र0 लखनऊ के पत्रांक सं0 तक0 सेल/07/निदे0/2019 दिनांक 28 जून 2019। निदेशक, स्थानीय निकाय निदेशालय, उ0प्र0 लखनऊ के पत्र संख्या–8/1057/320 (6)/15वां वि0आ0/2025–26 लखनऊ दिनांक 22.01.2026 के अन्तर्गत (Tied Grant) वित्तीय वर्ष 2025–26 के अन्तर्गत निर्दिष्ट अनुदान की द्वितीय किश्त से प्राप्त धनराशि व कार्यवृत्त संख्या 90/एल0बी0सी0/2025–26/कार्यवृत्त/ 15वां वि0आ0 (Tied Grant) दिनांक 27.02.2026 के क्रम में नगर पालिका परिषद कन्नौज के कराये जाने वाले जलापूर्ति कार्यों के अन्तर्गत समस्त ठेकेदार / कान्ट्रेक्टर्स/ फर्मो को सूचित किया जाता है, कि नगर पालिका परिषद कन्नौज द्वारा www.etender.upnic.in पर जलकल अनुभाग की निविदा आमंत्रित की जा रही है, जो निम्नलिखित निविदा समय शेड्यूल के अनुसार होगी, जिसकी विस्तृत जानकारी जलकल अनुभाग से प्राप्त की जा सकती है, तथा www.etender.upnic.in पर भी देखी जा सकती है।

टेण्डर शेड्यूल (www.etender.upnic.in)

क्र0सं0	नगर पालिका परिषद	प्रारम्भ दिनांक एवं समय	अन्तिम दिनांक एवं समय
1	Publishing Date	07-05-2026 09:00	07-05-2026 13:00
2	Document Download/Sale Start Date	07-05-2026 09:00	
3	Bid submission Start Date	07-05-2026 14:00	
4	Bid submission Closing Date		29-05-2026 13:00
5	Bid Opening Date		29-05-2026 15:00

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद कन्नौज।

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद कन्नौज।

108 छमकनाली पुलिया शिफ्टिंग का कार्य किया स्थगित

डीआरएम को निरीक्षण में मिलीं खामियां, सरैयां रेलवे क्रासिंग के बारे में गेटमैन से ली जानकारी

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार: कानपुर-लखनऊ रेल रूट स्थित छमकनाली 108 पुलिया के पुनर्निर्माण कार्य को लेकर रेलवे प्रशासन सतर्क है। गुरुवार को प्रस्तावित पुलिया शिफ्टिंग कार्य से पहले लखनऊ मंडल के डीआरएम सुनील वर्मा ने मौके का निरीक्षण किया। उन्होंने इसमें तकनीकी खामियां मिलने पर कार्य तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया।

ब्रिटिश काल की जर्जर हो चुकी इस पुलिया को बदलने के लिए बीते कई दिनों से कार्य चल रहा है। कार्यदायी संस्था स्वास्तिक एंड कंपनी द्वारा नए स्ट्रक्चर का निर्माण किया गया था, जिसे गुरुवार को मेगा ब्लॉक के दौरान स्थापित होना था। गंगा नदी पर बने रेलवे पुल पर एचबीम चैनल स्लीपर डालने के लिए 8 घंटे का मेगा ब्लॉक लिया गया था, इसी दौरान पुलिया के पैनल की शिफ्टिंग भी प्रस्तावित थी। डीआरएम सुबह 11 बजे सड़क मार्ग से गंगाघाट पहुंचे फिर पुश ट्रॉली से 108 छमकनाली पुलिया पहुंचे। मौके पर निरीक्षण में उन्हें निर्माण में कई कमियां व तकनीकी खामियां दिखीं। इस पर उन्होंने तत्काल शिफ्टिंग कार्य रुकवाते हुए कार्यदायी संस्था को सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खामियां दूर होने के बाद ही आगे की कार्रवाई होगी, ताकि कार्य गुणवत्ता के साथ पूरा हो सके। जल्द 108 पुलिया को बदलने का कार्य कराया जायेगा। इसके साथ उन्होंने सरैयां रेलवे क्रासिंग का भी निरीक्षण किया और गेटमैन से जानकारी ली।

छमकनाली पुलिया की शिफ्टिंग के कार्य की योजना देखते डीआरएम। ● अमृत विचार

सरैयां क्रासिंग पर गार्डर रखने का काम 30 मई से

बैराज मार्ग स्थित सरैयां रेलवे क्रासिंग पर 30 मई से ब्लॉक लेकर गार्डर रखने का काम होना है। इसे लेकर रेलवे ने तैयारी शुरू कर दी है। डिप्टी चीफ इंजीनियर ब्रिज आशीष वर्मा ने बताया कि ब्लॉक मिलने के बाद गार्डर रखने का काम तेजी से कराया जायेगा।

पुल के नीचे सुरक्षा के लिए बैरीकेडिंग

रेलवे पुल के नीचे सुरक्षा को देखते हुए बैरीकेडिंग की गई है। कानपुर छोर से शुरू हुआ एचबीम कार्य अब शुक्लागंज की ओर बढ़ रहा है। इस दौरान पुल से गिट्टियां गिरने की संभावना रहती है। दुर्घटना से बचाव के लिए कर्मियों ने पुल के नीचे आवाजाही रोकने को बैरीकेडिंग की है।

एचबीम स्लीपर कार्य की देखी हकीकत

● अमृत भारत स्टेशन योजना के कार्य में तेजी लाने के दिये निर्देश

शुक्लागंज उन्नाव: रेलवे पुल की डाउन लाइन पर ट्रफ बदलकर नए एचबीम चैनल स्लीपर डालने के कार्य का निरीक्षण करने लखनऊ मंडल के डीआरएम सुनील वर्मा गुरुवार को पहुंचे। कार्य के 36वें दिन पहुंचे डीआरएम ने वहां चल रहे कार्य की प्रगति व गुणवत्ता देखी और अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। गुरुवार सुबह कार से गंगाघाट रेलवे स्टेशन पहुंचे डीआरएम वहां रेलवे पुल की ओर बढ़े और डाउन लाइन पर कानपुर की दिशा में लग रहे एचबीम स्लीपर कार्य देखा। इस दौरान उन्होंने कार्य की गुणवत्ता पर संतोष जताया। बताया कि 13 मई से पहले कार्य पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित है। एचबीम स्लीपर डालने के बाद डाउन लाइन पर पाथवे का निर्माण भी होगा। निरीक्षण में डीआरएम ने गंगाघाट रेलवे स्टेशन पर चल रहे अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत कार्यों का भी जायजा लिया। उन्होंने कार्यदायी संस्था को निर्देश दिए कि निर्माण स्थल पर उचित बेरीकेडिंग की व्यवस्था की जाए और सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन किया जाए। साथ ही कार्य में तेजी लाने और हाईटेक संसाधनों के उपयोग पर जोर दिया, ताकि समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा हो सके।

रेलवे पुल पर लगे एचबीम स्लीपर की हकीकत देखते डीआरएम।

मौसम खराब होने से 20 स्लीपर ही बदले जा सके

गुरुवार को खराब मौसम के चलते रेलवे कार्य प्रभावित रहा। सुबह से तेज हवाओं व बारिश के कारण डाउन लाइन पर स्लीपर बदलने का काम धीमा हुआ। दोपहर 2 :20 से शाम 5 :20 बजे तक चले मेगा ब्लॉक में केवल 20 स्लीपर ही बदले जा सके। मौसम अनुकूल न होने से निर्धारित लक्ष्य पूरा नहीं हो पाया।

न्यूज ब्रीफ

बी. लिब की प्रयोगात्मक परीक्षा 10 मई को

उन्नाव, अमृत विचार : डीएसएन कॉलेज के पुस्तकालय व सूचना विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मनीष त्रिपाठी ने कहा कि सूचना एवं पुस्तकालय विज्ञान विभाग की बीलिब कक्षाओं की प्रायोगिक/मौखिक परीक्षा 10 मई को सुबह 11 बजे से महाविद्यालय में संपन्न होगी। सभी छात्र-छात्राएं अपनी शुल्क रसीद, परिचय पत्र व प्रोजेक्ट फाइल लेकर समय से परीक्षा देने पहुंचें।

चोरी के तराजू के साथ दो युवक गिरफ्तार

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : कोतवाली प्रभारी अजय सिंह ने बताया कि बुधवार रात को अहमद नगर मोहल्ला निवासी अली हुसैन ने कोतवाली गंगाघाट में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। गुरुवार को पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर नेतुआ मोड़ स्थित निर्माणाधीन ओवरब्रिज के पास से 2 युवकों को पकड़ लिया। इनमें विशाल निषाद निवासी कटहादल नरायनपुर और सोम्य रावत उर्फ मैडी निवासी सर्वोदय नगर को पकड़ा। पुलिस ने उनके पास से चोरी किया गया एक इलेक्ट्रॉनिक तराजू बरामद किया है। जहां दर्ज मुकदमें के आधार पर कार्यवाही करते हुये कोर्ट भेजा गया है।

युवती हुई घायल, रेफर

नवाबगंज-उन्नाव, अमृत विचार : अजगैन कोतवाली क्षेत्र के एतबारपुर गांव निवासी आयुषी (19) को गुरुवार को कॉलेज से घर लौटते हुए सड़क पार करते समय तेज रफ्तार बाइक ने टक्कर मार दी। आसपास मौजूद लोगों ने उसे नवाबगंज सीएचसी पहुंचाया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

बाढ़ से बचाव की तैयारी न होने पर की जाएगी कठोर कार्रवाई: जिलाधिकारी

कार्यालय संवाददाता उन्नाव, अमृत विचार : जिलाधिकारी घनश्याम मीना की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट सभागार में बाढ़ क्षेत्रों के अनुश्रवण हेतु बाढ़ स्टीयरिंग ग्रुप की बैठक हुई। इसमें डीएम ने एक्सईएन सिंचाई विभाग द्वारा बाढ़ से बचाव के लिए विभाग स्तर पर होने वाले इंतजामों के बारे में कोई तैयारी न होने व संतोषजनक जवाब न मिलने पर एक्सईएन सिंचाई खण्ड को फटकारते हुए कठोर कार्यवाही करने की चेतावनी दी। डीएम ने कहा कि समय से बाढ़ के संबंध में टेंडर हो जाएं। इसमें कोई लापरवाही न हो। बाढ़ के समय परिवार विस्थापित होने पर जो स्कूल चयनित किए जाते हैं उनकी सफाई पहले से हो जाए, स्कूल अच्छी स्थिति में हों, शौचालय ठीक हों और बिल्डिंग ठीक हो यह सुनिश्चित कर लिया जाए। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देश दिये कि भूसे का टेंडर समय से कर लिया जाए। मुख्य चिकित्साधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी चिकित्सालयों में मौसम जनित बीमारियों से संबंधित पर्याप्त संख्या में दवाएं उपलब्ध हों। एक्सईएन विद्युत को निर्देश दिये कि जो आंधी तूफान से पोल गिरकर टूट सकते हैं, जो पेड़ कमजोर हैं या जर्जर स्थिति में हैं अभियान चलाकर उन्हें चिन्हित कर बदला जाए। कहीं भी तार गिरने से बिजली संबंधी कोई भी दिक्कत नहीं होनी चाहिए। बीएसए को निर्देश दिये कि जो विद्यालय जर्जर है उन्हें चिन्हित कर लें। जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर लें। जिससे वर्षा के समय स्कूल गिरने की घटना न हो। कहा कि बाढ़ से संबंधित सभी अधिकारी प्राथमिकता के साथ विभागीय स्तर पर जरूरी तैयारी कर लें। बाढ़ के समय कोई भी लापरवाही नहीं होनी चाहिए। इस दौरान सीडीओ कृति राज, एडीएम सुशील कुमार गोंड, परियोजना निदेशक तेजवंत सिंह, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एचएन सिंह, एसडीएम सदर, बीघापुर सहित अन्य बाढ़ से संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में अधिकारियों को संबोधित करते डीएम घनश्याम मीना। ● अमृत विचार

डांट से नाराज छात्र घर से निकलकर लापता

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के आदर्श नगर से एक 15 वर्षीय छात्र के लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों की डांट से क्षुब्ध होकर छात्र मंगलवार को घर से निकल गया और वापस नहीं लौटा। आदर्श नगर निवासी शोभित अवस्थी ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि उनका बेटा उत्सव अवस्थी मंगलवार दोपहर करीब दो बजे स्कूल से घर आया था। देर से आने पर मां ने उसे डांट दिया, जिससे नाराज होकर वह घर से चला गया। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर छात्र की तलाश शुरू कर दी है।

नशा बर्बाद कर सकता है जीवन: ज्योति बाबा

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : एनसीबी की रिपोर्ट के अनुसार डार्क नेट के माध्यम से पंजाब, जम्मू, नॉर्थ ईस्ट व दिल्ली में ड्रग्स की सप्लाई हो रही है। इसका पैसा आतंकवाद में भी इस्तेमाल हो रहा है। दुश्मन देश सस्ते नशीले पदार्थों को 'बायो वेपन' की तरह उपयोग कर भारत की युवा शक्ति को कमजोर करने की साजिश कर रहे हैं। यह बात गुरुवार को सोसाइटी योग ज्योति इंडिया व हिंदू जागरण मंच के तत्वावधान में नशा मुक्ति युवा भारत थीम पर नेहरू नगर स्थित बालेश्वरी भवन में आयोजित प्रेसवार्ता में अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति अभियान के प्रमुख योग गुरु ज्योति बाबा ने कही। उन्होंने युवाओं में तेजी से फैल रहे सिंथेटिक ड्रग्स के खतरे पर गंभीर चिंता जताई। कहा कि 18 से 30 वर्ष के युवाओं को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। जिससे देश की सुरक्षा व भविष्य दोनों प्रभावित हो सकते हैं। उन्होंने एम्स व शहरों में सामने आए मामलों का उल्लेख करते हुए कहा कि रेव पार्टियों में बेहद सस्ते नशे की उपलब्धता चिंताजनक है। समाजसेवी कमल वर्मा ने युवाओं को जागरूक करते हुए कहा कि 'सिर्फ एक बार ट्राई' की गलती जिंदगी बर्बाद कर सकती है। प्रेस वार्ता में सरकार से सख्त कानून बनाने और जाइलाजाइन जैसे खतरनाक पदार्थों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की गई।

प्रेस वार्ता में जानकारी देते ज्योति बाबा। ● अमृत विचार

संदिग्ध हालात में सड़क किनारे पड़ा मिला अधेड़ का शव

नवाबगंज उन्नाव, अमृत विचार: अजगैन कोतवाली क्षेत्र के मद्दू खेड़ा गांव के पास सड़क किनारे एक अधेड़ का शव मिलने से सनसनी फैल गई। परिजनों के मुताबिक उसे मिर्गी के दौरे आते थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया। जिसमें उसके दो अंदरूनी चोटें मिली हैं।

अजगैन कोतवाली क्षेत्र रवनहार गांव निवासी राजन (52) पुत्र चेतराम अविवाहित था। परिजनों के मुताबिक वह खेती में हाथ बंटाता था। उसे मिर्गी के दौरे पड़ते थे। गुरुवार सुबह घर से करीब 3 किमी आगे मद्दू खेड़ा गांव के पास वह सड़क किनारे अचेत पड़ा मिला। इससे वहां लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। पुलिस ने उसकी पहचान कराकर जांच की जिसमें कोई जाहिरा चोट नहीं मिली। राजन की मौत की खबर से मां इंद्राना बेहाल हो गई। उसके भाइयों में हरिंद्र दिल्ली व रवींद्र और बीरेंद्र परिवार के साथ शुक्लागंज में रहते हैं। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। जिसमें उसके दो अंदरूनी चोंट मिलीं। जिसमें एक आंख के पास व दूसरी लिवर के तिल्ली में मिली। तिल्ली फटने से हुए आंतरिक रक्तस्राव से उसकी मौत हुई है। अजगैन कोतवाली प्रभारी ने बताया कि चचेरे भाई की सूचना पर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

डिजिटल जनगणना को जागरूकता अभियान शुरू

उन्नाव, अमृत विचार : राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में जनगणना 2026-27 को लेकर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। संस्थान के प्रधानाचार्य एके पांडेय ने स्टाफ व प्रशिक्षार्थियों को डिजिटल गणना की बारीकियां बताईं। फील्ड ट्रेनर आशुतोष ने इसकी ट्रेनिंग दी। बताया कि 7 से 21 मई तक चलने वाले इस विशेष अभियान में सेल्फ एन्यूमरेशन पोर्टल के माध्यम से आम नागरिक खुद अपनी गणना कर सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि परिवार का मुखिया अपने मोबाइल या कंप्यूटर से पोर्टल पर पंजीयन कर ओटीपी से जानकारी दर्ज कर सकता है। इस प्रक्रिया में पहले मकान की गणना होगी। सुरक्षा के लिहाज से एक मोबाइल नंबर का उपयोग एक ही बार संभव होगा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य जनगणना कार्य में तेजी लाना व डेटा की शुद्धता सुनिश्चित करना है।

अनियमितता मिलने पर सोहरामऊ की इंचार्ज शिक्षिका सहित दो निलंबित

● कंपोजित विद्यालय सोहरामऊ का बीएसए ने 20 अप्रैल को किया था निरीक्षण, मिली थीं खामियां

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव, अमृत विचार : विकासखंड नवाबगंज के कंपोजिट स्कूल सोहरामऊ में बीएसए ने इंचार्ज शिक्षिका सहित 2 का निलंबन कर दिया। जबकि चार्ज न देने वाले एआरपी पर कोई कार्रवाई न करते हुए उसे बरी कर दिया गया। बता दें कि सोहरामऊ कंपोजिट स्कूल का बीएसए शैलेश पांडे ने 20 अप्रैल को निरीक्षण किया था। इस निरीक्षण में इंचार्ज शिक्षिका विभा सिंह ने बताया था कि एआरपी ओम शुक्ला ने वित्तीय व अन्य कई पंजिकाएं हस्तगत नहीं कराई हैं। उन्होंने आख्या में यह भी लिखा था कि इंचार्ज शिक्षिका विभा सिंह, सहायक शिक्षिका सुषमा, रश्मिकमल ओम शुक्ला को नोटिस देकर साक्ष्य सहित स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए थे। मंगलवार को बीएसए कार्यालय में स्कूल का पूरा स्टाफ, एआरपी व नवाबगंज के प्रभारी बीईओ दीपेश कुमार आए थे। सुनवाई में सुषमा के मोबाइल पर फोन आने व किसी को बीईओ द्वारा 10 हजार रुपये प्रति शिक्षक जमा कर उसके विरुद्ध साजिश कराने की बात बताई जा रही थी। यह अधिकारियों के कानों तक पहुंचते ही वह सक्रिय हुए और शिक्षिका सुषमा से पूरी बात समझी तो पता चला कि यह बात साथी शिक्षिका प्रतिमा ने बताई है। इस पर बीएसए ने प्रतिमा को बुलवाया लेकिन वह अफसरों के सामने मुकर गईं। इसका वीडियो भी अधिकारियों ने बनवाया और सहायक शिक्षिका सुषमा को निलंबित कर दिया। यह भी दिखाया गया कि सुषमा ने नोडल संकुल रहते हुए खाते में भेजे गए 15 हजार रुपये के बिल वाउचर प्रस्तुत नहीं किए तो वह वित्तीय अनियमितता में आ गया। इंचार्ज शिक्षिका विभा सिंह पर निरीक्षण के समय स्कूल की अव्यवस्था, शौचालय में ताला बंद मिलने, टोल फ्री नंबर अंकित न मिलने, स्टॉक रजिस्टर अपूर्ण, बैंक पासबुक, चेकबुक, पीपीए रजिस्टर, बिल वाउचर, एसएमसी रजिस्टर विद्यालय में उपलब्ध न होने, छात्र उपस्थिति पंजिका अपूर्ण मिलने आदि वित्तीय कमियां मिलने पर निलंबित किया गया। बीएसए ने बताया कि दोनों शिक्षिकाओं को नवाबगंज बीआरसी में संबद्ध कर वहां की वरिष्ठ शिक्षिका ममता चौधरी को इंचार्ज बना दिया गया है। दोनों की जांच बीईओ बीघापुर शुचि गुप्ता को दी गई है।

एसवीएम में सम्भाग निरीक्षक को दी गई विदाई

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : गोपीनाथपुरम स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में गुरुवार को सीतापुर सम्भाग के सम्भाग निरीक्षक सुरेश कुमार के सेवानिवृत्त होने पर उन्नाव संकुल के 7 विद्यालयों के आचार्यों, प्रधानाचार्यों व प्रबंधकों ने सम्मानपूर्वक विदाई दी। शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन व वंदना से हुआ। प्रधानाचार्य श्रवण कुमार सिंह ने अतिथियों का परिचय कराया, जबकि प्रबंधक राकेश कुमार ने अंगवस्त्र व उपहार देकर सुरेश कुमार का सम्मान किया। साथ ही नए सम्भाग निरीक्षक अवरीश का स्वागत किया गया। इस अवसर पर दुर्गेश सिंह, बृजेश कुमार मिश्र, चन्द्रेश, अंजू, अनुपम सिंह और रविशंकर श्रीवास्तव सहित कई शिक्षाविद उपस्थित रहे। सुरेश कुमार ने अपने उद्बोधन में निष्ठा व ईमानदारी से कार्य करने का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने जीवन की शुरुआत प्रचारक के रूप में की थी। अंत में बृजेश कुमार मिश्र ने आभार व्यक्त किया तथा रविशंकर श्रीवास्तव ने शांति मंत्र के साथ कार्यक्रम का समापन कराया।

उपहार देकर विदाई देते प्रबंधक व प्रधानाचार्य।

आयोग की उपाध्यक्ष ने सुनीं महिलाओं की समस्याएं

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

● उप्र राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने की महिला कल्याण को चलाई जा रही योजनाओं की समीक्षा

अमृत विचार: उप्र राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने गुरुवार को जिले का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने महिला चौपाल, जनसुनवाई व विभिन्न सरकारी संस्थानों का निरीक्षण कर महिलाओं के कल्याण हेतु चल रही योजनाओं की समीक्षा की।

बिछिया विकासखंड में आयोजित इस महिला चौपाल में करीब 125 आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों, सहायिकाओं व स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने प्रतिभाग किया। उपाध्यक्ष ने महिलाओं को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं व हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जागरूक किया। इस दौरान उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया और 4 महिलाओं की गोदभराई व 3 बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार संपन्न कराया। उपाध्यक्ष ने श्याम कुमारी सेठ बालिका इंटर कॉलेज जाकर छात्राओं को महिला कल्याण विभाग की योजनाओं की जानकारी दी। इसके बाद जिला महिला चिकित्सालय में उन्होंने 8 नवजात बालिकाओं का केक काटकर जन्मोत्सव मनाया। नवजात शिशुओं की माताओं को बेबी केयर किट व मिष्ठान बांटकर उन्हें प्रोत्साहित किया। पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में आयोजित समीक्षा बैठक व जनसुनवाई में उपाध्यक्ष के समक्ष 4 शिकायतें आईं। उन्होंने 2 प्रकरणों का मौके पर निस्तारण कराया और शेष के लिए पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए। इस दौरान डीएम घनश्याम मीना, एएसपी अखिलेश सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी क्षमानाथ राय, जिला कार्यक्रम अधिकारी अजय कुमार व सीओ बिन्नी सिंह आदि मौजूद रहे।

समीक्षा बैठक में मौजूद राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष व डीएम। ● अमृत विचार

सृष्टि कल्याण के लिए हुई द्वादश ज्योतिर्लिंग की स्थापना:विज्ञानानंद

उन्नाव, अमृत विचार: शहर के पीडी नगर स्थित श्री बाबा विश्वनाथ मंदिर परिसर अटल उपवन में श्री शिव महापुराण कथा में संत विज्ञानानंद सरस्वती महाराज ने बताया कि द्वादश ज्योतिर्लिंगों की स्थापना सृष्टि के कल्याण को हुई।

हिंदू धर्म में 12 ज्योतिर्लिंग भगवान शिव के सबसे पवित्र व स्वयंभू (स्वयं प्रकट) स्थान हैं। जो शिव पुराण के अनुसार ब्रह्मा व विष्णु के बीच श्रेष्ठता विवाद को सुलझाने के लिए प्रकाश के स्तंभ के रूप में प्रकट हुए थे। ये भारत के विभिन्न हिस्सों में स्थित हैं। जिनमें सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, ओंकारेश्वर, महाकालेश्वर, केदारनाथ, भीमाशंकर, काशी विश्वनाथ, त्र्यंबकेश्वर, वैद्यनाथ, नागेश्वर, रामेश्वरम व घृष्णेश्वर शामिल हैं। सदर विधायक पंकज गुप्ता, नगर पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि प्रवीण मिश्रा भानू ने महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। प्रज्ञानं सत्संग सेवा समिति द्वारा आयोजित अनुष्ठान में प्रमुख रूप से मुख्य यजमान रणजीत सिंह भदौरिया, अरुणा भदौरिया, जगवीर सिंह, नीलम सिंह, दिलीप मिश्रा, सोनी मिश्रा, इंद्रमणि मिश्रा संजय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. मनीष सिंह, महामंत्री यज्ञ प्रकाश दीक्षित, राखी शुक्ला, सुमन सिंह, रोली दीक्षित आदि ने पूजन में शामिल होने के साथ व्यास पूजन में भाग लिया।

जिला बदर आरोपी आदेश उल्लंघन में गिरफ्तार

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : कोतवाली प्रभारी अजय सिंह के अनुसार गुरुवार को दरोगा राजेंद्र सिंह चौहान टीम के साथ गशत पर थे। तभी सूचना के आधार पर मोहल्ला गोताखोर शाहीनगर से जिला बदर आरोपी सूरज निषाद पुत्र जगन्नाथ निवासी चम्पापुरवा कोतवाली गंगाघाट को पकड़ा गया। आरोपी पर जिला बदर के आदेश का उल्लंघन करने का आरोप है। इस संबंध में कोतवाली में उप्र गुंडा नियंत्रण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी का आपराधिक इतिहास लंबा रहा है और उसके विरुद्ध हत्या के प्रयास, चोरी, आर्म्स एक्ट व एनडीपीएस एक्ट समेत 21 गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं।

बाल श्रम के विरुद्ध छापेमारी में 4 किशोर कराये मुक्त

उन्नाव, अमृत विचार : डीएम के निर्देश पर पुरवा में बाल व किशोर श्रम अधिनियम के तहत छापेमारी अभियान चलाया गया। श्रम प्रवर्तन अधिकारी राधे श्याम सिंह व इंदीवर जोशी के नेतृत्व में एएचटीयू (एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट) व चाइल्ड हेल्पलाइन टीम ने तहसील क्षेत्र के विभिन्न होटलों, ढाबों, रेस्टोरेंट व वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। इस दौरान 3 प्रतिष्ठानों से 4 बाल व किशोर श्रमिकों को चिन्हित कर मुक्त कराया गया। टीम में सब-इंस्पेक्टर अनिल सिंह, महिला कांस्टेबल पूजा व चाइल्ड हेल्पलाइन के दिवाकर ओझा व अम्बरीश शामिल रहे। अधिकारियों ने उल्लंघनकर्ता सेवायोजकों को मौके पर नोटिस देते हुए कार्यवाही की चेतावनी दी और स्पष्ट किया है कि बाल श्रम के विरुद्ध यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। सभी व्यापारियों से अपील की है कि वे बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ न करें और जिले को बाल श्रम मुक्त बनाने में सहयोग दें।

दिव्यांगता के बावजूद साइकिल से चला रहे पर्यावरण जागरूकता अभियान

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : बचपन में दिव्यांगता का सामना करने वाले आगरा के वाशु राइडर ने कठिन परिस्थिति के बावजूद हिम्मत नहीं हारी और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेकर साइकिल यात्रा शुरू की। हाथ की दो अंगुलियां कटने व पैर में गंभीर चोट के कारण उनका सैनिक बनने का सपना टूट गया, लेकिन उन्होंने देश सेवा का दूसरा रास्ता चुन लिया। दुर्गानगर चुंगी, आगरा निवासी वाशु राइडर ने बताया कि 2 जून 2025 को उन्होंने अपने गृह नगर से साइकिल यात्रा शुरू की थी। शुरू में उनके परिजन इस निर्णय से सहमत नहीं थे, लेकिन उन्होंने उन्हें अपना उद्देश्य बताया। बीते एक वर्ष से वह लगातार साइकिल से यात्रा कर रहे हैं और इस दौरान राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड व मध्यप्रदेश सहित कई राज्यों के विभिन्न जिलों का भ्रमण कर चुके हैं। यात्रा के दौरान वह स्कूलों में जाकर बच्चों को प्रदूषण के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करते हैं। साथ ही पेट्रोल-डीजल के सीमित उपयोग और अधिक से अधिक पैदल चलने व साइकिल अपनाने की अपील करते हैं। गुरुवार को वह शुक्लागंज पहुंचे, जहां एक परिचित के यहां ठहरे। उन्होंने बताया कि अगला पड़ाव लखनऊ होगा। वाशु राइडर ने उम्मीद जताई कि उनकी यह यात्रा वर्ष 2028 तक पूरी हो जाएगी। उनके इस सराहनीय प्रयास की विभिन्न राज्यों में प्रशंसा हो रही है और कई जिलों के प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा उन्हें सम्मानित भी किया जा चुका है।

पर्यावरण संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक करता दिव्यांग वाशु राइडर।

मौसम में बदलाव | किसान बोले- यह बूंदाबांदी आगामी फसलों की तैयारी व बागवानी के लिए साबित हो सकती है फायदेमंद

मौसम ने फिर ली करवट, रुक-रुककर हुई बूंदाबांदी से पारा गिरा

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: गुरुवार सुबह से ही आसमान में बादलों की आवाजाही शुरू हो गई थी। इसके बाद जिले के विभिन्न हिस्सों में रुक-रुककर हुई बूंदाबांदी ने मौसम को खुशनुमा बना दिया। आसमान में घने बादल छाए रहने व ठंडी हवाएं चलने से तापमान में गिरावट दर्ज की गई। दोपहर में जहां सूरज की तपिश लोगों को बेहाल कर रही थी, वहीं आज बादलों की ओट के कारण लोगों को धूप से निजात मिली। राहगीरों व दफ्तर जाने वाले लोगों के लिए यह मौसम किसी तोहफे से कम नहीं रहा। जिले के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में हल्की फुहारों के चलते धूल व प्रदूषण से भी राहत महसूस की गई।

मौसम विभाग की मानें तो पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से ऐसे बदलाव देखे जा रहे हैं। स्थानीय किसानों का कहना है कि यह बूंदाबांदी आगामी फसलों की तैयारी व बागवानी के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। वहीं, शहर के पार्कों व चौराहों में लोग सुहाने मौसम का लुत्फ उठाते दिखे। हालांकि, बूंदाबांदी के कारण कुछ निचले इलाकों में हल्की फिसलन की स्थिति भी बनी रही। लेकिन कुल मिलाकर इस मौसम ने लोगों को चिलचिलाती गर्मी से सुकून देने का काम किया है।

गुरुवार को कुछ इस तरह बादलों से घिरा रहा आसमान। ● अमृत विचार

गर्मी के बीच मौसम हुआ सुहावना, मई में छूटी कंपकंपी

शुक्लागंज, उन्नाव : मई की भीषण गर्मी से परेशान लोगों को बुधवार रात अचानक बदले मौसम ने राहत दी। भोरपहर तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश हुई तो तापमान में गिरावट आई और मौसम सुहाना हो गया। कई दिनों से पड़ रही तेज धूप और उमस से बेहाल लोगों ने इस बदलाव का स्वागत किया। देररात 3 बजे अचानक मौसम ने करवट ली। तेज हवाओं के झोंकों के साथ आसमान में बादल छा गए और तेज बारिश शुरू हो गई। बारिश के चलते वातावरण ठंडा हो गया और लोगों को गर्मी से राहत मिली। गुरुवार को भी दिनभर मौसम मेहरबान रहा। धूप न निकलने व बीच-बीच में रिमझिम बारिश होने से मौसम खुशनुमा बना रहा। मौसम के इस बदलाव से जहां लोगों ने राहत महसूस की वहीं किसानों के लिए भी यह बारिश फायदेमंद मानी जा रही है। हालांकि कुछ स्थानों पर तेज हवाओं के कारण हल्की असुविधा भी हुई। इसके बावजूद अधिकांश लोगों ने मौसम के इस मिजाज का आनंद लिया और गर्मी से मिली राहत पर संतोष जताया।

मौसम बदलने से आसमान में छाए काले बादल।

अमृत विचार
शुक्रवार, 8 मई 2026

शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है, जिसका उपयोग आप दुनिया को बदलने के लिए कर सकते हैं।
–नेल्सन मंडेला, पूर्व राष्ट्रपति, दक्षिण अफ्रीका

पश्चिम बंगाल में हिंसा

पश्चिम बंगाल में भड़की हिंसा के दौरान राजनीतिक कार्यकर्ताओं की हत्याएं, पार्टी कार्यालयों में आगजनी, घरों पर हमले और पलायन जैसी घटनाएं कानून-व्यवस्था की विफलता के साथ ही लोकतांत्रिक संस्कृति पर गहरे संकट का संकेत हैं। बंगाल में चुनाव बाद हिंसा नई घटना नहीं है, वामपंथी दौर से लेकर तृणमूल कांग्रेस के उदय तक की यही कहानी है, पर सत्ता परिवर्तन और राजनीतिक संघर्ष की वर्तमान घटनाओं को बंगाल की उस हिंसक राजनीतिक परंपरा का हवाला देकर इस हिंसा को सामान्य नहीं कह सकते। राजनीतिक मतभेद अब वैचारिक संघर्ष न रहकर सामाजिक प्रतिशोध का रूप लेते जा रहे हैं। सबसे भयावह पहलू यह है कि हमले केवल पार्टी कार्यालयों तक सीमित नहीं, बल्कि घरों तक पहुंच रहे हैं। जब परिवार, महिलाएं और बच्चे राजनीतिक संघर्ष की कीमत चुकाने लगें, तब यह केवल राजनीतिक संकट नहीं, सामाजिक विघटन का संकेत होता है। किसी भी लोकतंत्र में चुनाव जनादेश का उत्सव होना चाहिए, भय और बदले का नहीं। इस संदर्भ में नेताओं की भाषा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है।

ममता बनर्जी के चुनाव परिणामों और चुनाव आयोग को लेकर आक्रामक तथा अड़ियल रुख को उनके समर्थकों ने किस रूप में लिया, यह गंभीर प्रश्न है। जब शीर्ष नेतृत्व लगातार यह संदेश दे कि जनादेश 'छीन' लिया गया है, तो कार्यकर्ताओं में उग्रता बढ़ना स्वाभाविक है। दूसरी ओर भाजपा नेताओं की भाषा भी संयमित नहीं रही। यह कहना कि 'सबका साथ, सबका विकास के बाद अब सबका हिसाब होगा' निश्चित रूप से उत्तेजक और प्रतिशोधात्मक संदेश देता है। लोकतंत्र में 'हिसाब' चुनाव से होता है, सड़क की हिंसा से नहीं। सुरक्षा तंत्र की विफलता और भी गंभीर मसला है। चुनाव से पहले भारी केंद्रीय बलों की तैनाती की गई थी। कहा गया कि कोलकाता में मणिपुर से भी अधिक सुरक्षाबल मौजूद हैं। गृह मंत्रालय ने दूरदर्शिता दिखाते हुए चुनाव के बाद भी केंद्रीय बल बनाए रखने का निर्णय लिया था। इसके बावजूद यदि हिंसा भड़कती है, फैलती है और हत्याओं तक पहुंच जाती है, तो यह केवल राजनीतिक दलों की नहीं, प्रशासनिक तंत्र की भी असफलता है। ढाई लाख सुरक्षाबलों और स्थानीय पुलिस की मौजूदगी के बावजूद यदि खुफिया तंत्र हिंसा की आशंका नहीं भांप पाया, तो जवाबदेही तय होनी ही चाहिए। भाजपा का यह आरोप कि हतोत्साहित तृणमूल कार्यकर्ता हिंसा फैला रहे हैं, आंशिक रूप से सही हो सकता है, लेकिन राजनीतिक हिंसा अक्सर एकतरफा नहीं होती; प्रतिशोध और प्रतिक्रिया का चक्र दोनों पक्षों को इसमें शामिल कर देता है। यदि तृणमूल के कार्यालय और कार्यकर्ता अधिक निशाने पर हैं, तो यह भी संभव है कि हिंसा बहुपक्षीय रूप ले चुकी हो।

केंद्र सरकार संवैधानिक सीमाओं के भीतर अतिरिक्त बल, त्वरित गिरफ्तारी, संयुक्त नियंत्रण कक्ष और राज्य सरकार पर अधिक दबाव जैसे कदम पहले उठा सकती थी। अब भी आवश्यकता संयुक्त शांति प्रयास की है। संभव है गृहमंत्री पहुंचने तक हिंसा रुक जाए। फिलहाल बंगाल को यह समझना होगा कि हिंसा से कोई स्थायी सियासी सफलता नहीं मिल सकती। यदि राजनीतिक दल अपने कार्यकर्ताओं को संयम नहीं सिखा सके, तो अंततः सबसे बड़ी हार जनता और लोकतंत्र दोनों की होगी।

प्रसंगवश

पैरानॉयड डिसऑर्डर मतलब खामोश संकेत, बड़ा खतरा

कभी-कभी एक खबर सिर्फ सूचना नहीं होती, बल्कि समाज के भीतर छिपी किसी गहरी दरार को उजागर कर देती है। उत्तर प्रदेश के कानपुर में घटी वह घटना, जहां एक पिता ने अपनी ही जुड़वा बेटियों की हत्या कर दी। ऐसी ही एक सच्चाई को सामने लाती है। विभिन्न रिपोर्ट्स में सामने आई जानकारी के अनुसार वह अपनी पत्नी पर शक करता था, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह केवल 'शक' था या फिर एक ऐसी मानसिक अवस्था, जिसे हमने समय रहते पहचाना ही नहीं? हम आज भी भावनात्मक असुरक्षा और मानसिक बीमारी के बीच के अंतर को समझने में चूक रहे हैं।

पैरानॉयड डिसऑर्डर केवल एक शब्द नहीं बल्कि एक ऐसी स्थिति है, जहां व्यक्ति का मन धीरे-धीरे अपने ही बनाए संदेहों की कैद में बंद हो जाता है। उसे हर चेहरा संदिग्ध लगता है, हर व्यवहार में धोखा दिखाई देता है और हर रिश्ता असुरक्षित प्रतीत होता है। यह केवल सोच नहीं, बल्कि एक विकृत यथार्थ है, जिसमें व्यक्ति जीने लगता है। वह अपने ही मन की आवाज को सच मान लेता है और बाहरी दुनिया की हर बात उसे झूठ लगने लगती है। ऐसे में उसके निर्णय तर्क से नहीं बल्कि डर और भ्रम से संचालित होते हैं और यही स्थिति कभी-कभी त्रासदी का रूप ले लेती है।

डॉ. नीलू तिवारी
शिक्षिका

पैरानॉयड डिसऑर्डर की एक बड़ी समस्या यह है कि व्यक्ति खुद को बीमार नहीं मानता। उसे लगता है कि उसकी सोच सही है और बाकी लोग गलत हैं। यही कारण है कि वह इलाज से बचता है और परिवार भी कई बार इसे 'जिद' या 'स्वभाव' समझकर नजरअंदाज कर देता है। धीरे-धीरे यह स्थिति और गंभीर हो जाती है। पुरुषों में यह विकार अक्सर अधिकार और नियंत्रण के रूप में सामने आता है। पत्नी की स्वतंत्रता, उसकी बातचीत, उसके संबंध हर चीज पर संदेह करना धीरे-धीरे एक आदत नहीं, बल्कि मानसिक जकड़न बन जाता है। समस्या तब और गहरी हो जाती है, जब समाज इस व्यवहार को 'सामान्य' या 'पुरुष स्वभाव' कहकर स्वीकार कर लेता है। यही सामाजिक स्वीकृति इस विकार को पहचानने में सबसे बड़ी बाधा बनती है। उत्तर प्रदेश की घटना इसी अनदेखी का चरम परिणाम है, जहां शक ने संवेदना को निगल लिया।

महिलाओं के संदर्भ में भी यह समस्या कम गंभीर नहीं है। कई बार महिलाएं भी पैरानॉयड सोच का शिकार हो जाती हैं, जहां वे अपने पति या परिवार के अन्य सदस्यों पर बिना कारण संदेह करने लगती हैं। उदाहरण के तौर पर, कुछ मामलों में महिला को यह विश्वास हो जाता है कि उसका पति उसे धोखा दे रहा है, भले ही उसके पास कोई प्रमाण न हो। यह संदेह धीरे-धीरे उसके मानसिक संतुलन को बिगाड़ता है और रिश्तों में तनाव पैदा करता है।

एक और महत्वपूर्ण उदाहरण प्रसव के बाद की मानसिक स्थिति से जुड़ा है। पोस्टपार्टम साइकोसिस जैसी अवस्था में कुछ महिलाओं में पैरानॉयड विचार विकसित हो सकते हैं। उन्हें लग सकता है कि कोई उनके बच्चे को नुकसान पहुंचाएगा या परिवार उनके खिलाफ साजिश कर रहा है। इस मानसिक भ्रम के कारण वे असामान्य और कभी-कभी खतरनाक व्यवहार कर सकती हैं। देश और दुनिया में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां मानसिक असंतुलन के कारण मां ने अपने ही बच्चे को नुकसान पहुंचाया। ये उदाहरण यह स्पष्ट करते हैं कि यह विकार केवल पुरुषों तक सीमित नहीं है, यह एक व्यापक मानसिक स्वास्थ्य समस्या है।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

सोमनाथ और भारत की अजेय भावना

नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

वर्ष 2026 की शुरुआत में मुझे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला। यह सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के एक हजार वर्ष बाद भी मंदिर के शाश्वत और अविनाशी होने का पर्व था। अब 11 मई को मुझे एक बार फिर सोमनाथ जाने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है। इस बार यह यात्रा पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में है। मैं उस क्षण को फिर जीने जा रहा हूं, जब भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी ने मंदिर का लोकार्पण किया था। उस दिन, सोमनाथ में विध्वंस से सृजन तक की यात्रा फिर से जीवंत होगी। छह महीनों के भीतर सोमनाथ के इतिहास से जुड़े इन दो अत्यंत महत्वपूर्ण पड़ावों का साक्षी बनना मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है।

सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, हमारी सभ्यता का अटूट संकल्प है। इसके सामने लहराता विशाल समुद्र अनंत काल की अनुभूति कराता है। हमारे प्राचीन शास्त्रों में लिखा हैः प्रभासं च परिक्रम्य पृथिवीक्रमसंभवम्। अर्थात दिव्य प्रभास (सोमनाथ) की परिक्रमा पूरी पृथ्वी की परिक्रमा के समान है। जब लोग यहां दर्शन-पूजन के लिए आते हैं, तब उन्हें उस सभ्यता की अद्भुत निरंतरता का भी अनुभव होता है, जिसकी ज्योति कभी बुझाई नहीं जा सकी। कई साम्राज्य आए और गए, समय बदला और इतिहास ने ढेरों उतार-चढ़ाव देखे, फिर भी सोमनाथ हमारे हृदय में हमेशा बना रहा। यह समय उन असंख्य महान विभूतियों के स्मरण का भी है, जो क्रूर आक्रांताओं के सम्मुख अडिग रहे। लकुलीश और सोम शर्मा जैसे मनीषियों ने प्रभास को शैव दर्शन का महान केंद्र बनाया। चक्रवर्ती महाराज धारसेन चतुर्थ ने सदियों पहले वहां दूसरा मंदिर बनवाया था। समय की कठिन परीक्षा के बीच भीम प्रथम, जयपाल और आनंदपाल जैसे शासकों ने आक्रमणों के विरुद्ध अपनी सभ्यता की ढाल बनकर मंदिर की रक्षा की थी। ऐसा माना जाता है कि महान राजा भोज ने भी इस पावन स्थल के पुनर्निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया था। कर्णदेव सोलंकी और जयसिंह सिद्धराज ने गुजरात की राजनीतिक और सांस्कृतिक शक्ति को पुनर्स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई। भाव बृहस्पति, कुमारपाल सोलंकी और पाशुपताचार्यों ने इस तीर्थ को आराधना और ज्ञान के केंद्र के रूप में स्थापित करने में अमूल्य योगदान दिया। विशालदेव वाघेला और त्रिपुरांतक ने इसकी बौद्धिक और आध्यात्मिक परंपराओं की रक्षा की। महिपाल चूड़ासमा और राव खंगार चूड़ासमा ने विध्वंस के बाद पूजा-पाठ की परंपरा को पुनर्जीवित किया। पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर, जिनकी 300 वीं जयंती मनाई जा रही है, उन्होंने सबसे चुनौतीपूर्ण समय में भी भक्ति की परंपरा को जीवंत रखा।

1940 के दशक में स्वतंत्रता की भावना पूरे भारत में फैल रही थी। सरदार पटेल जैसे महान नेताओं के नेतृत्व में स्वतंत्र भारत की नींव रखी जा रही थी। ऐसे में एक बात जो उन्हें बहुत व्यथित करती थी, वह थी- सोमनाथ की दुर्दशा। 13 नवंबर 1947 को, दिवाली के समय, उन्होंने सोमनाथ के जर्जर अवशेषों के सामने खड़े होकर, समुद्र का जल हाथ में लेकर संकल्प लिया, "इस (गुजराती) नववर्ष पर हमारा निश्चय है कि सोमनाथ का पुनर्निर्माण होगा। सौराष्ट्र के लोगों को इसके लिए हर तरह से अपना योगदान देना होगा। यह एक पावन कार्य है, जिसमें हर किसी को भागीदारी निभानी होगी।" उनके इस आह्वान ने सिर्फ गुजरात ही नहीं, बल्कि संपूर्ण भारतवर्ष को नए उत्साह से भर दिया। दुर्भाग्यवश, सरदार पटेल अपने उस सपने को साकार होते नहीं देख सके, जिसके लिए उन्होंने स्वयं को समर्पित कर दिया था। इससे पहले कि जीर्णोद्धार के बाद सोमनाथ मंदिर भक्तों के लिए खुलता, उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। इसके बावजूद, प्रभास पाटन की पावन धरती पर उनका प्रभाव निरंतर महसूस किया जाता रहा है। उनके विजन को के.एम. मुंशी ने आगे बढ़ाया, जिन्हें नवानगर के जामसाहेब का समर्थन मिला। 1951 में मंदिर का पुनर्निर्माण पूरा होने पर राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरू के विरोध के बावजूद, डॉ. प्रसाद ने समारोह में हिस्सा लेकर इसे ऐतिहासिक बना दिया।

11 मई 1951 को अपने भाषण में डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा था कि सोमनाथ मंदिर दुनिया को यह संदेश देता है कि अद्वितीय श्रद्धा और विश्वास को कभी नष्ट नहीं किया जा सकता। उन्होंने आशा व्यक्त की, कि यह मंदिर सदैव लोगों के हृदय में बसा रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि मंदिर के पुनर्निर्माण से सरदार पटेल का सपना साकार हुआ है। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि सरदार पटेल की भावनाओं के अनुरूप लोगों के जीवन में समृद्धि भी लानी होगी। इसको लेकर उनके संदेश अत्यंत प्रेरणादायी रहे हैं। पिछले एक दशक से हम इसी मार्ग पर चल रहे हैं। सोमनाथ हमें याद दिलाता है कि जब कोई समाज अपनी आस्था, अपनी संस्कृति और अपनी एकता से जुड़ा रहता है, तब उसे लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता। आज भी हमारी सबसे बड़ी शक्ति यही साझा चेतना है, यही एकात्म भाव है।

मैं सभी देशवासियों से आग्रह करता हूं कि इस पावन अवसर पर पवित्र सोमनाथ धाम की यात्रा करें और इसकी भव्यता के साक्षात दर्शन करें। जब आप सोमनाथ के तट पर खड़े होंगे, तब उसकी प्राचीन प्रतिध्वनियों को अपने भीतर महसूस करेंगे। वहां आपको केवल भक्ति का अनुभव नहीं होगा, बल्कि उस सभ्यतागत चेतना की सशक्त धड़कन भी सुनाई देगी, जो कभी रुकी नहीं, जिसकी तीव्रता कभी कम नहीं हुई। वहां आप भारत की उस अपराजित आत्मा का अनुभव करेंगे, जिसने हर आघात के बावजूद अपनी पहचान और अपनी संस्कृति को अक्षुण्ण बनाए रखा। आप समझ पाएंगे कि इतने प्रयासों के बाद भी क्यों हमारी सभ्यता मिट नहीं सकी। वहां आपको चिर विजय के उस दर्शन का अनुभव होगा, जो सदियों से भारत की शक्ति बना हुआ है। मुझे पूरा विश्वास है कि आपके लिए यह एक अविस्मरणीय अनुभव होगा।

> सोमनाथ हमें याद दिलाता है कि जब कोई समाज अपनी आस्था, अपनी संस्कृति और अपनी एकता से जुड़ा रहता है, तब उसे लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता। आज भी हमारी सबसे बड़ी शक्ति यही साझा चेतना है।

आमने सामने

अगर स्मार्ट मीटर में बेईमानी हो सकती है, तो ईवीएम कैसे सुरक्षित है? ईवीएम में बेईमानी क्यों नहीं हो सकती? भाजपा झूठ की सोन पापड़ी है। एक झूठ की परत के ऊपर दूसरी परत चढ़ा देती है। प्रोपेगेंडा भाजपा का टार्गेटेड कैंपेन है। वो जनता को डराकर चुनाव लड़ती है।
–अखिलेश यादव
सपा मुखिया

समाजवादी पार्टी के मुखिया की हालिया प्रेस कॉन्फ्रेंस में (बंगाल) हार की बौखलाहट और फ्रस्ट्रेशन साफ उनके चेहरे पर दिखाई दे रहा है। अखिलेश यादव चुनावी हार के बाद मनगढ़ंत तरीके से ईवीएम और चुनाव आयोग पर सवाल उठा रहे हैं, जबकि यह कोई नई बात नहीं है।
–अनिल राजभर
मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार

'नमामि' मिशन की जमीनी हकीकत

सुमन कुमार सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन (नमामि) के तहत भारत की विशाल पांडुलिपि संपदा के डिजिटलीकरण की दिशा में पिछले दो दशकों में उल्लेखनीय पहल की गई है। वर्ष 2024 के बाद इसे 'ज्ञान भारतम् मिशन' के रूप में पुनर्गठित किया गया, जिससे अपेक्षा थी कि यह प्रयास और अधिक गति और प्रभावशीलता के साथ आगे बढ़ेगा। परंतु जमीनी स्तर पर स्थिति अब भी असमान है और यह पहल अनेक संरचनात्मक तथा प्रशासनिक चुनौतियों से घिरी हुई दिखाई देती है।

हाल के दिनों में बिहार एवं देश अन्य हिस्सों से यह समाचार मिल रहे हैं कि जिला प्रशासन की पहल पर सैकड़ों वर्ष पुरानी पांडुलिपियों को डिजिटलीकरण के लिए एकत्र किया जा रहा है। यह पहल पहली दृष्टि में अत्यंत सकारात्मक और स्वागतयोग्य प्रतीत होती है, क्योंकि इससे स्थानीय स्तर पर सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ती है, किंतु इसके साथ यह आशंका भी जुड़ी रहती है कि कहीं यह प्रयास केवल औपचारिकता या सोशल मीडिया पर प्रचार तक सीमित न रह जाए।

इतिहास में जब भी प्रशासनिक स्तर पर विरासत संरक्षण की बात होती है, तो अलेक्जेंडर कनिंघम जैसे उदाहरण याद आते हैं, किंतु समकालीन संदर्भ में यह भी स्पष्ट है कि कुछ अपवादों को छोड़कर प्रशासनिक तंत्र में इस दिशा में दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का अभाव रहा है। यही कारण है कि अनेक योजनाएं प्रारंभ तो होती हैं, परंतु उनमें निरंतरता और संस्थागत स्थायित्व नहीं बन पाता।

डिजिटलीकरण के संदर्भ में 'कृति संपदा' जैसे राष्ट्रीय डेटाबेस के माध्यम से लाखों पांडुलिपियों का पंजीकरण किया गया है। भंडारकर प्राच्य अनुसंधान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय तथा अन्य पांडुलिपि संसाधन केंद्रों में स्कैनिंग, मेटाडेटा निर्माण और संरक्षण का कार्य जारी है। इसके बावजूद, पांडुलिपियों का राज्यवार सटीक और अद्यतन सार्वजनिक डेटा अभी भी एकीकृत रूप में उपलब्ध नहीं है, क्योंकि यह प्रक्रिया निरंतर चल रही है और विभिन्न संस्थानों के माध्यम से चरणबद्ध ढंग से अद्यतन होती रहती है।

उपलब्ध सूचनाओं के अनुसार, पांडुलिपियों की अधिकतम संख्या तमिलनाडु, केरल, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों में पाई जाती है, जहां मंदिरों, मठों और निजी संग्रहों में इनका विशाल भंडार सुरक्षित है। वहीं राजस्थान और गुजरात में जैन तथा संस्कृत पांडुलिपियों की समृद्ध परंपरा है। उत्तर प्रदेश और बिहार में ऐतिहासिक पुस्तकालयों और विद्वत केंद्रों के कारण उल्लेखनीय संग्रह मौजूद हैं, जबकि पश्चिम बंगाल और जम्मू कश्मीर में तिब्बती, फारसी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं की पांडुलिपियां महत्वपूर्ण हैं।

कुल मिलाकर, भारत में लगभग 45–50 लाख पांडुलिपियों का अनुमान है, जिनमें से एक बड़ा हिस्सा अभी भी अपंजीकृत या निजी हाथों में है। ऐसे में 'ज्ञान भारतम् मिशन' का कार्य केवल संग्रह तक सीमित नहीं है, बल्कि इन विविध स्रोतों को एकीकृत कर एक विश्वसनीय राष्ट्रीय डेटाबेस तैयार करना भी है। इसके बावजूद, इस विशाल संख्या की तुलना में डिजिटलीकरण की गति अभी भी धीमी है। कई परियोजनाएं तकनीकी उन्नयन, सतत वित्तपोषण और डेटा की सार्वजनिक उपलब्धता के अभाव में अधूरी रह जाती हैं।

इस पूरी प्रक्रिया में सबसे बड़ी बाधा देश के अधिकांश पुस्तकालयों की जर्जर स्थिति है। बड़े और प्रतिष्ठित संस्थानों को छोड़ दें तो जिला, विश्वविद्यालय और निजी संग्रहालयों में बुनियादी अवसंरचना का अभाव है। नियंत्रित तापमान, आर्द्रता प्रबंधन, प्रशिक्षित संरक्षक और उच्च गुणवत्ता वाले स्कैनिंग उपकरणों की कमी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। कई पुस्तकालय आज भी पारंपरिक सूचीकरण तक सीमित हैं और कुछ स्थानों पर तो न्यूनतम स्टाफ भी उपलब्ध नहीं है। परिणामस्वरूप, वित्तीय संसाधनों की कमी डिजिटलीकरण की प्रक्रिया को गंभीर रूप से प्रभावित करती है।

मानव संसाधन का संकट भी उतना ही महत्वपूर्ण है। पांडुलिपि विज्ञान और संरक्षण के क्षेत्र में प्रशिक्षित विशेषज्ञों की संख्या अत्यंत सीमित है। यद्यपि मिशन द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, परंतु उनका प्रभाव और विस्तार अभी पर्याप्त नहीं है।

आलोचनात्मक दृष्टि से देखें तो नमामि की सबसे बड़ी चुनौती 'नीति और क्रियान्वयन के बीच का अंतर' है। एक ओर इसकी परिकल्पना व्यापक और दूरदर्शी है, वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर संस्थागत समन्वय, तकनीकी मानकीकरण और सतत् वित्तपोषण का अभाव इसकी गति को सीमित करता है। डिजिटलीकरण के बाद भी डेटा की ओपन-एक्सेस उपलब्धता सीमित है, जिससे शोधार्थियों और आम जनता को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाता।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

> भारत की विशाल पांडुलिपि संपदा के डिजिटलीकरण की दिशा में पिछले दो दशकों में उल्लेखनीय पहल की गई है, परंतु जमीनी स्तर पर स्थिति अब भी असमान है।

सोशल फोरम

प्रोफेसरों के नोट्स

हमारे यहां के प्रोफेसरों का आलम यह है कि वे एक ही विषय को सालों साल पढ़ाते रहते हैं। उनके पढ़ाने में कोई बेहतरी नजर नहीं आती। कोई नई अंतर्वस्तु नजर नहीं आती। उनके क्लास नोट्स में कोई नयापन या नई ठोस सामग्री और समझ नहीं होती। इसके विपरीत स्थितियां देखें, मैं इन दिनों मिशेल फूको के कक्षा में दिए गए व्याख्यान या यों कहें क्लास नोट्स पढ़ रहा हूं, उनमें गजब की मेहनत नजर आती है।

जगदीश्वर चतुर्वेदी
पूर्व अध्यक्ष हिंदी विभाग कलकत्ता यूनिवर्सिटी

मिशेल फूको College de France में 1971 से लेकर मृत्यु पर्यंत प्रोफेसर रहे, वहां नियम था कि प्रोफेसर को साल में 26 घंटे पढ़ाना है, इनमें आधे समय उनको सेमीनार के रूप में बोलना होता है और हर साल नई रिसर्च करके पढ़ाना होता था। वहां पाठ्यक्रम एकदम खुले होते थे, किसी किस्म के नामांकन की जरूरत नहीं होती थी, शर्त एक होती थी जो विषय चुना है, उस पर हर साल नया शोध करके लेक्चर दो। इस क्रम में मिशेल फूको के क्लास नोट्स सामने आए।

अब तस्वीर का दूसरा पहलू देखें। हिंदी में जो आए दिन फूको-फूको करते रहते हैं या फिर पश्चिम के विद्वानों को उद्धृत करके किताबें लिखते रहते हैं, व्याख्यान देते रहते हैं, उनमें से अधिकांश तो ठीक से कक्षा में पूरे समय पढ़ाने तक नहीं जाते, उनके क्लास नोट्स मिल जाएं तो आपको शर्मिंदा होना पड़ेगा।

मसलन, नामवर सिंह के क्लास नोटस प्रकाशित हो चुके हैं, वे किसी भी तरह एक प्रोफेसर के नोट्स नहीं लगते। खासकर एक ऐसे प्रोफेसर के नोट्स तो एकदम नहीं लगते, जो दुनियाभर के साहित्य का गंभीर अध्येता रहा हो। हिंदी में रामचंद्र शुक्ल के साहित्य इतिहास को देखें या फिर हजारी प्रसाद द्विवेदी के दिए गए व्याख्यानों को देखें, तो एकदम नए किस्म का अध्यापकीय विवेक और शोधदृष्टि सामने आएगी।

रामचंद्र शुक्ल ने एमए हिंदी के विद्यार्थियों को इतिहास पढ़ाते समय जो नोट्स बनाए, उनके आधार पर बाद में हिंदी साहित्य का इतिहास नामक महत्वपूर्ण ग्रंथ लिखा। द्विवेदी ने आदिकाल नामक किताब में अपने व्याख्यान शामिल किए हैं, इनमें एकदम नई सामग्री है, यही स्थिति उनकी व्याख्यानों की किताब मध्यकालीन बोध का स्वरूप की है। वहां पर मध्यकाल पर एकदम नए नजरिए से विचार किया गया है।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

एनसीईआरटी किताबें विवादों में घिरी

नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी), 2020 के तहत विकसित किया गया नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क (एनसीएफ), 2023 भारत में स्कूली शिक्षा के लिए एक विस्तृत गाइडलाइन है, इसका मकसद छात्रों को इक्कीसवीं सदी की चुनौतियों के लिए तैयार करना है, जिसमें होलिस्टिक डेवलपमेंट, कॉम्पिटेंसी-बेस्ड लर्निंग और इनक्लूसिविटी अर्थात समावेशिता पर जोर दिया गया है। स्कूली शिक्षा को चार चरणों में बांटा गया है। फाउंडेशनल (3-8 वर्ष), प्रिपरेटरी (8-11 वर्ष), मिडिल (11-14 वर्ष) और सेकेंडरी (14-18 वर्ष) कॉम्पिटेंसी-बेस्ड लर्निंग यानी रोट मेमोराइजेशन के बजाय कौशल आधारित शिक्षा पर जोर, फ्लेक्सिबल सब्जेक्ट चॉइस यानी सेकेंडरी स्तर पर छात्रों को विषय चुनने की आजादी, होलिस्टिक डेवलपमेंट यानी शारीरिक, भावनात्मक और बौद्धिक विकास पर ध्यान और इनक्लूसिविटी मायने सभी छात्रों के लिए समान अवसर तय करना है, नतीजतन उद्देश्य स्कूल पाठ्यक्रम और पठन-पाठन की सामग्री को विकसित है।

खालिद जीलानी
एक्टिविस्ट

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की क्लास एक से लेकर आठ तक नई किताबें बाजार में आने के साथ ही विवादों का सिलसिला भी शुरू हो गया है। मुद्दा एक नहीं लोगों को कई चीजों पर ऐतराज है। एनसीईआरटी पर इतिहास को सांप्रदायिक दृष्टिकोण से पेश करने के आरोप लग रहे हैं। मुगल साम्राज्य के बारे में कुछ अध्यायों को हटाने का फैसला किया गया, जिसका इतिहासकारों और शिक्षकों ने विरोध किया। देश के कई शहरों में एनसीईआरटी की नकली किताबों का जखीरा बरामद हुआ, जिससे शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठे हैं,

पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने आठवीं क्लास की सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार नामक एक खंड का स्वतः संज्ञान लिया था। अदालत ने इस पाठ्यपुस्तक की भौतिक या ऑनलाइन प्रतियों के इस्तेमाल पर पाबंदी लगा दी थी।

वर्तमान, नये शैक्षणिक सत्र की किताबें मार्केट में हैं। पहले एनसीईआरटी की फाउंडेशनल से लेकर मिडिल क्लासों की भाषाई पाठ्य पुस्तकों के नाम भारतीय संगीत वाद्ययंत्रों और क्लासिकल रागों के नाम पर रखे जाने पर आपत्ति जताई गई। अब नई किताबों में पुरानी किताबों के कुछ संदर्भ न होने को लेकर भी चर्चाएं चल रही हैं। सातवीं की सोशल साइंस की किताब में मुगलों व दिल्ली सल्तनत के संदर्भों को हटा दिया गया है। भारतीय राजवंशों पर चैप्टर, महाकुंभ का संदर्भ, मेक इन इंडिया, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, चार धाम, धार्मिक यात्राओं जैसी योजनाओं के बारे में बताया गया है।

सोशल साइंस की नई किताब में मगध, मौर्य, शुंग और सातवाहन जैसे प्राचीन भारतीय राजवंशों पर नए चैप्टर शामिल किए गए हैं। पवित्र भूगोल (सेक्रेड साइट) अब दुनिया भर में एक मान्यता प्राप्त एकेडमिक डिसिप्लिन है, भारत के अनूठे मामले पर कई अध्ययन हुए हैं। स्वतंत्रता के बाद से ही कई शैक्षिक आयोगों और शिक्षाविदों ने हमारे बच्चों में राष्ट्रीय एकीकरण की भावना पैदा करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। यह चैप्टर ऐसी भावना विकसित करने के कई संभावित तरीकों में से एक है। एनसीईआरटी किताब का टाइटल आर्यभट्ट, भास्कराचार्य, ब्रह्मगुप्त और श्रीनिवास रामानुजन जैसे महान भारतीय गणितज्ञों के योगदान को दर्शाता है। देश के हर राज्य की संस्कृति को किताबों के माध्यम से बताया गया है। किताब के एक चैप्टर ऑल इंडियंस में बारह राज्यों के बारे में जानकारी दी गई है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

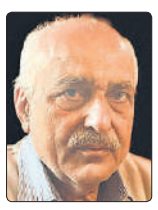

वैज्ञानिकों ने काफी समय तक निगरानी करते हुए मालूम किया है कि रात में खाने के लिए शिकार ढूंढने वाले जीव-जंतु चांदनी रातों में बेहतरी से और अधिक ऊर्जा से शिकार करते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि चांदनी ही उन्हें अतिरिक्त शक्ति प्रदान करती है। यह स्टडी साइंस एडवांसेज जर्नल पहली मई 2026 के अंक में 'मूनलाइट ड्राइव्स द एनर्जी बैलेंस एंड एनुअल साइकिल ऑफ नॉक्टर्नल फोरेजर' शीर्षक से स्पेन के साथ वैज्ञानिकों ने संयुक्त रूप से प्रकाशित की है। इस स्टडी की अहमियत पक्षियों के रात्रिकालीन व्यवहार, इनकी फिटनेस, शिकार पकड़ने की शक्ति के संचय के लिए चांदनी के प्रकाश की जरूरत और पारिस्थिकी संतुलन के लिए मानी गई है।

रणबीर सिंह
विज्ञान लेखक

चंद्रमा की रोशनी से जुड़ी प्रतिक्रियाएं

ज्यादातर जीव-जंतु कई समय-सीमाओं में होने वाले समय-समय पर होने वाले पर्यावरणीय बदलावों का सामना करते हैं। ये बदलाव आकाशीय पिंडों की घूमने और अपनी जगह बदलने वाली गतियों के कारण भी होते हैं, जिससे जीवों में भू-भौतिकीय चक्रों के हिसाब से ढलने की क्षमता विकसित होती है। इन बदलावों में, उदाहरण के लिए, प्रजनन और जीवित रहने के लिए संसाधनों की तलाश में मौसम के हिसाब से एक जगह से दूसरी जगह जाना, संसाधनों की बहुतायत के समय ज्यादा से ज्यादा ऊर्जा लेने के लिए पाचन क्रिया को समायोजित करना और उपवास के दौरान ऊर्जा बचाने के लिए शरीर के तापमान और चयापचय दर में नियंत्रित कमी करना शामिल हैं।

चमगादड़ से लेकर गीदड़, मेंढक, लोमड़ी और सांप जैसे रात में सक्रिय रहने वाले जीवों के लिए चंद्रमा का चक्र, रात की रोशनी का एक दोहराया जाने वाला पैटर्न बनाता है, जो उनके व्यवहार, शारीरिक बनावट और जीवन-इतिहास की विशेषताओं को आकार देता है। चंद्रमा की रोशनी से जुड़ी प्रतिक्रियाएं हवा, जमीन और पानी के पारिस्थितिक तंत्रों में अलग-अलग पोषण स्तरों पर दर्ज की गई हैं, जिससे यह पता चलता है कि चंद्रमा का चक्र वैश्विक स्तर पर पारिस्थितिक प्रक्रियाओं को प्रभावित कर सकता है। इसके बावजूद, जीवों की पारिस्थितिकी और विकास पर चंद्रमा के चक्र के प्रभावों को अभी भी ठीक से समझा नहीं गया है, क्योंकि रात में खुले वातावरण में रहने वाले जीवों का अध्ययन करने में कई तरह की स्वाभाविक चुनौतियां आती हैं।

शिकारी जीवों को ताकत देती है चांदनी

नाइटजार पक्षी

नाइटजार एक विश्वव्यापी समूह है, जिसमें ऐसे हवाई कीटभक्षी पक्षी शामिल हैं, जो सुबह और शाम के धुंधलके में या रात में सक्रिय रहते हैं। ये मुख्य रूप से कम रोशनी वाली स्थितियों में भोजन की तलाश करते हैं और दिन के समय बिना हिले-डुले आराम करते हैं, जिससे ये जीवों के व्यवहार और शारीरिक बनावट पर चंद्रमा की रोशनी के प्रभावों की जांच करने के लिए एक बेहतरीन माध्यम बन जाते हैं। कई प्रजातियों पर किए गए पिछले अध्ययनों में चंद्रमा के चक्र और रोजाना भोजन की तलाश करने की गतिविधि, साथ ही प्रजनन और प्रवास जैसे ऊर्जा की ज्यादा खपत वाले वार्षिक जीवन-इतिहास की घटनाओं के समय के बीच संबंध पाए गए हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि चंद्रमा की रोशनी ऊर्जा प्राप्त करने की प्रक्रिया पर समय-समय पर कुछ सीमाएं लगा सकती है। हालांकि चंद्रमा की रोशनी को किसी जीव की व्यक्तिगत गतिविधि, ऊर्जा के बंटवारे और जीवन-इतिहास से जुड़े फैसलों से जोड़ने वाले तंत्रों को अभी भी ठीक से समझा नहीं गया है। नाइटजार सुबह और शाम के धुंधलके में भोजन की तलाश के छोटे-छोटे समय-अंतरालों के दौरान कीड़ों को पेट भर खा सकते हैं और शरीर के तापमान में अस्थायी कमी (जिसे 'टॉरपोर' कहते हैं) करके अपनी चयापचय लागत को कम कर सकते हैं। ये ऐसी रणनीतियां हैं, जो संभवतः उन्हें बिना चंद्रमा वाली रातों में भोजन की तलाश के लिए मिलने वाले बहुत ही कम समय का सदुपयोग करने में सक्षम बनाती हैं। ये सभी विशेषताएं मिलकर नाइटजार पक्षियों को एक बेहतरीन मॉडल के रूप में स्थापित करती हैं, जिससे यह समझने में मदद मिलती है कि चंद्रमा के चक्र किस तरह रात में सक्रिय रहने वाले जीवों के व्यवहार, शरीर-क्रिया विज्ञान और जीवन-इतिहास से जुड़े समझौतों को प्रभावित करते हैं। लाल गर्दन वाले नाइटजारों (Caprimulgus ruficollis, जिन्हें आगे नाइटजार कहा जाएगा) का अध्ययन किया गया। उद्देश्य यह समझना था कि चंद्रमा का चक्र उनकी रोजाना की भोजन खोजने की आदतों और सफलता को कैसे प्रभावित करता है। भोजन खोजने के दौरान चांदनी से जुड़ी बाधाएं किसी पक्षी के ऊर्जा भंडार और ऊर्जा बचाने वाले तरीकों (जैसे कि 'टॉरपोर' या सुप्तावस्था) के इस्तेमाल पर कैसे असर डालती हैं, और ये प्रभाव किस तरह मिलकर वार्षिक जीवन-चक्र की मुख्य घटनाओं जैसे कि प्रजनन, पंख झड़ना और प्रवास को एक-दूसरे के साथ तालमेल बिठाने में मदद करते हैं। भोजन खोजने में मिली सफलता, ऊर्जा की प्राप्ति और प्रजनन व पंख झड़ने के लिए समय के बंटवारे का आकलन करने के लिए, शोधकर्मियों ने स्पेन के 'दोनाना' क्षेत्र से 2011 से 2020 के बीच इकट्ठा किए गए लंबे समय के क्षेत्रीय आंकड़ों का उपयोग किया। उड़ान संबंधी गतिविधियों, टॉरपोर की स्थिति और प्रवास के समय पर नजर रखने के लिए सन् 2016 से 2020 के दौरान 74 वयस्क नाइटजारों पर विशेष रूप से तैयार किए गए छोटे आकार के 'मल्टीसेंसर डेटा लॉगर' लगाए गए थे। इसके अलावा, पांच अन्य पक्षियों पर 'ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम' लॉगर भी लगाए गए थे।

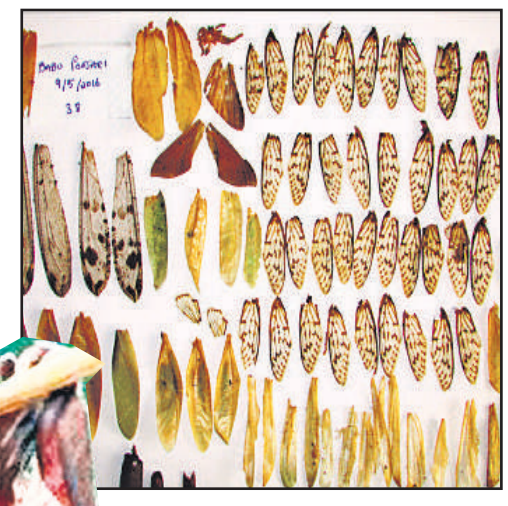

क्या कहते हैं शोध

शोध के नतीजों से नाइटजार में चांद के समय के हिसाब से कई अडैप्टेशन होने और उनके आपस में तालमेल बिठाने का सपोर्ट मिलता है, जिससे वे अमावस्या के आसपास अकाल का समय झेल पाते हैं। इन अडैप्टेशन में हाइपोथर्मिया में जाने की क्षमता, शरीर के रिजर्व को साइकल के हिसाब से फिर से भरना और थोड़े समय के लिए बहुत ज्यादा खाना स्टोर करने की क्षमता बनाए रखना शामिल है। हम दिखाते हैं कि चांद से जुड़े ऐसे काउंटरमेजर का इस्तेमाल सिर्फ थोड़ा या कुछ समय के लिए किया जाता है, शायद फिटनेस कॉस्ट के कारण जो सालाना साइकिल में अलग-अलग होती है, जिसके नतीजे में जीवन-इतिहास की घटनाओं का चांद के साथ पहले से तय सिंक्रोनाइजेशन होता है।

नाइटजार कीड़ों के शिकारी और बड़े जानवरों के शिकार, दोनों के तौर पर एक अहम ट्रॉफिक जगह रखते हैं अर्थात भोजन को एक इनाम के तौर से प्राप्त करना। इसलिए, चांद की वजह से होने वाले उनके रोजाना के खाने की एक्टिविटी और एनर्जी बैलेंस में उतार-चढ़ाव कम्युनिटी में फैल सकते हैं, जिससे शिकार की आबादी और शिकारी-शिकार के बीच बातचीत पर इनडायरेक्ट असर पड़ सकता है और आखिर में, बड़े इकोसिस्टम के काम करने के तरीके पर भी असर पड़ सकता है।

यह स्टडी अंधेरे में जीवन के लिए चांदनी की अहमियत को दिखाती है और ऐसे संभावित अडैप्टेशन का पता लगाती है, जो जीवों को रात के समय की जगह का फायदा उठाने में मदद करते हैं। यह रात में रहने वाले जीवों की सालाना साइकिल ट्रैकिंग स्टडीज में इकोलॉजिकल एनर्जी को शामिल करने की जरूरत पर भी जोर देता है, जो रात की इकोलॉजी को आगे बढ़ाने के लिए एक जरूरी कदम है, खासकर तब जब दुनियाभर में ज्यादा से ज्यादा स्पीसीज रात में रहने वाले जीव बन रहे हैं। अपने आसपास भी हम पक्षियों के व्यवहार में कुछ परिवर्तन देख सकते हैं जोकि शहरी इलाकों, शहर के बाहरी इलाकों और खेतों में विचरण करने और घोंसला बनाकर संतोनात्पत्ति के कार्य में व्यस्त रहते हैं। भारत में ऐसे अध्ययन किए गए हैं। यह भी देखा गया है कि माइग्रेटरी बर्ड्स ज्यादातर चांदनी रातों में ही एक से दूसरे स्थान पर बहुत लंबी दूरी तक उड़ते हैं। सन् 2000 में मदुरै कामराज यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने चमगादड़ों पर ऐसा ही एक अध्ययन लंदन से प्रकाशित जूलॉजी जर्नल में किया था। इसमें यह भी बताया गया कि शहरों के आकाश में कृत्रिम विद्युत रोशनी की चमक इन रात्रिकालीन शिकारियों के व्यवहार और इनके ब्रीडिंग और फोरेज़िंग पैटर्न पर विपरीत असर डालती है।

वैज्ञानिक फैक्ट

अंतरिक्ष में डकार लेना क्यों होता है मुश्किल

पृथ्वी पर डकार लेना एक सामान्य शारीरिक प्रक्रिया है। जब हम भोजन करते हैं या पानी पीते समय हवा निगल लेते हैं, तो वह गैस पेट में जमा हो जाती है और बाद में डकार के रूप में बाहर निकलती है। यहां गुरुत्वाकर्षण एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह भोजन और तरल पदार्थों को पेट के निचले हिस्से में बनाए रखता है, जबकि गैस ऊपर की ओर आ जाती है और आसानी से मुंह के रास्ते बाहर निकल जाती है। वहीं अंतरिक्ष में स्थिति बिल्कुल अलग होती है। वहां लगभग शून्य गुरुत्वाकर्षण यानी माइक्रोग्रैविटी होती है। ऐसी अवस्था में गैस, तरल और ठोस पदार्थ अलग-अलग परतों में नहीं बंट पाते। परिणामस्वरूप पेट में मौजूद हवा भोजन और तरल के साथ मिश्रित रहती है। यही कारण है कि अंतरिक्ष यात्री सामान्य तरीके से डकार नहीं ले पाते। यदि वे डकार लेने की कोशिश करें, तो गैस के साथ पेट का तरल पदार्थ और भोजन भी मुंह तक आ सकता है। इसे वैज्ञानिक भाषा में 'वेट बर्प' कहा जाता है, जो काफी असहज अनुभव हो सकता है।

इसी वजह से अंतरिक्ष यात्रियों के खानपान पर विशेष ध्यान दिया जाता है। उन्हें ऐसे खाद्य पदार्थ कम दिए जाते हैं, जो पेट में ज्यादा गैस बनाते हों, जैसे कार्बोनेटेड ड्रिंक्स या अत्यधिक मसालेदार भोजन। अंतरिक्ष मिशनों में भोजन को इस प्रकार तैयार किया जाता है कि वह आसानी से पच जाए और गैस की समस्या कम पैदा करे। नासा के वैज्ञानिकों के अनुसार, अंतरिक्ष में केवल डकार ही नहीं, बल्कि शरीर की कई सामान्य प्रक्रियाएं भी बदल जाती हैं। उदाहरण के लिए, माइक्रोग्रैविटी के कारण शरीर के तरल पदार्थ ऊपर की ओर खिसकने लगते हैं, जिससे अंतरिक्ष यात्रियों का चेहरा सूजा हुआ दिखाई देता है। वहीं पैरों में रक्त और तरल कम पहुंचता है। अंतरिक्ष में पाचन तंत्र भी पृथ्वी की तुलना में अलग तरीके से काम करता है। कई अंतरिक्ष यात्रियों ने बताया है कि वहां भोजन का स्वाद थोड़ा फीका लगता है, क्योंकि शरीर के तरल ऊपर आने से नाक बंद जैसी स्थिति बन जाती है। यही कारण है कि अंतरिक्ष यात्री अधिक तीखे और मसालेदार भोजन को पसंद करने लगते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि लंबे अंतरिक्ष मिशनों जैसे मंगल ग्रह की यात्रा के लिए मानव शरीर पर माइक्रोग्रैविटी के प्रभावों को समझना बेहद जरूरी है। डकार जैसी छोटी लगने वाली प्रक्रिया भी अंतरिक्ष विज्ञान में महत्वपूर्ण शोध का विषय बन चुकी है। यह दिखाता है कि पृथ्वी पर सामान्य दिखने वाली हमारी कई शारीरिक क्रियाएं वास्तव में गुरुत्वाकर्षण पर कितनी निर्भर हैं।

अमेजन जंगल क्यों माना जाता है रहस्यमयी

अमेजन का वर्षावन, जिसे 'पृथ्वी का फेफड़ा' भी कहा जाता है, सदियों से मानव जाति के लिए कौतूहल और रहस्य का केंद्र रहा है। दक्षिण अमेरिका के नौ देशों में फैला यह विशाल जंगल न केवल अपनी जैव-विविधता के लिए जाना जाता है, बल्कि यहां छिपे अनगिनत अनसुलझे रहस्य इसे दुनिया के सबसे रहस्यमयी जगहों में से एक बनाते हैं। अमेजन में पौधों और जीवों की इतनी प्रजातियां हैं कि वैज्ञानिकों का मानना है कि हमने अभी तक केवल 10 प्रतिशत हिस्से को ही समझा है। हर साल यहां दर्जनों नई प्रजातियों की खोज होती है, जिससे यह सवाल उठता है कि इस घने अंधेरे विस्तार में और क्या-क्या छिपा हो सकता है?

'उबलती हुई नदी' का रहस्य

पेरू के जंगलों के बीच 'शनाय-तिम्पिशका' (Shanay-timpishka) नाम की एक नदी बहती है, जिसका पानी खौलता रहता है। यहां का तापमान 90 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है, जिसमें कोई भी जीव जीवित नहीं रह सकता। सबसे रहस्यमयी बात यह है कि इस नदी के पास कोई सक्रिय ज्वालामुखी नहीं है, फिर भी इसका पानी कैसे उबलता है, यह आज भी वैज्ञानिकों के लिए शोध का विषय है।

छिपी हुई सभ्यताएं और 'एल डोरैडो'

हजारों वर्षों से यह माना जाता रहा है कि अमेजन के घने जंगलों के बीच सोने का शहर 'एल डोरैडो' छिपा है। हालांकि वह शहर तो नहीं मिला, लेकिन हालिया 'लिडार' (LiDAR) तकनीक के स्कैन से जंगल के नीचे विशाल संरचनाएं, सड़कें और नहरों के जाल मिले हैं। यह संकेत देते हैं कि प्राचीन काल में यहां एक बहुत बड़ी और विकसित सभ्यता निवास करती थी, जो अचानक विलुप्त हो गई।

जनजातियां

अमेजन दुनिया के उन चुनिंदा जगहों में से एक है, जहां आज भी ऐसी जनजातियां रहती हैं, जिनका आधुनिक दुनिया से कोई संपर्क नहीं है। ये लोग अपनी आदिम जीवनशैली में मस्त हैं और बाहरी दुनिया के लिए एक पहेली बने हुए हैं। वे कौन सी भाषा बोलते हैं और उनके पास प्रकृति के क्या रहस्य हैं, यह कोई नहीं जानता।

मिट्टी के पिरामिड

हाल ही में बोलिविया और ब्राजील के जंगलों के नीचे विशाल मिट्टी के पिरामिड और ऊंचे चबूतरे मिले हैं। ये संरचनाएं दर्शाती हैं कि यहां कभी भव्य धार्मिक स्थल थे। वैज्ञानिकों को यहां इंसान द्वारा बनाई गई बेहद उपजाऊ काली मिट्टी मिली है। यह मिट्टी हजारों सालों बाद भी उपजाऊ बनी हुई है, जो इस बात का सबूत है कि प्राचीन लोग खेती की उन्नत तकनीक जानते थे।

प्रतिकूल वातावरण और 'अंधेरा'

अमेजन का घनत्व इतना अधिक है कि सूर्य की रोशनी जंगल की सतह तक मुश्किल से पहुंच पाती है। यहां का वातावरण इतना चुनौतीपूर्ण है कि आधुनिक तकनीक के बावजूद इसके कई हिस्सों में प्रवेश करना लगभग असंभव है। कई खोजकर्ता इस जंगल में गए और कभी वापस नहीं लौटे, जिससे इसके साथ 'शापित' या 'खतरनाक' होने की कहानियां जुड़ गईं।

वर्ल्ड ब्रीफ

रूस की सेना ने यूक्रेन की ओर से दागे 347 ड्रोन को किया नष्ट

कीव। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने रात भर में 347 यूक्रेनी ड्रोन को नष्ट किया। यह घटना मॉस्को द्वारा सप्ताह की शुरुआत में कीव के युद्धविराम प्रस्ताव को ठुकराए जाने और रूस के आगामी 'विजय दिवस' समारोह में सुरक्षा को लेकर बढ़ते तनाव के बाद एक बड़े हमले के रूप में सामने आई। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यूक्रेन द्वारा किए गए हवाई हमलों में मॉस्को समेत 20 से अधिक क्षेत्रों में ड्रोन नष्ट किए गए। ये हमले रूस द्वारा चार साल पहले शुरू किए गए युद्ध के बाद यूक्रेन का दूसरा सबसे बड़ा हवाई हमला था। इससे पहले मार्च में यूक्रेन ने 389 ड्रोन दागे थे। रूसी अधिकारियों ने यूक्रेन में शुक्रवार और शनिवार के लिए एकतरफा युद्धविराम की घोषणा की है।

बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप फैला, 12 और बच्चों ने तोड़ा दम

ढाका। बांग्लादेश में खसरे की महामारी से पिछले 24 घंटों में 12 और बच्चों की मौत हो गई है जिनमें एक बच्चे में खसरे की पुष्टि हुई थी, जबकि 11 बच्चों में खसरे जैसे लक्षण थे। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) ने बताया है कि पूरे देश में 1,238 और बच्चों में खसरे के लक्षण पाए गए हैं। यह जानकारी 'प्रथम आलो' की रिपोर्ट में दी गई है। इनमें से 286 मामलों के प्रयोगशाला में पुष्टि हुई है। इससे पहले 4 मई को 24 घंटों के भीतर खसरे और खसरे के लक्षणों के कारण कम से कम 17 बच्चों की मौत हो गई थी। इसके साथ ही 15 मार्च से अब तक मरने वालों की कुल संख्या 279 हो गई है।

जयशंकर ने सूरीनाम को दिया विकास में सहयोग का आश्वासन

पारामारिबो। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत सूरीनाम की विकास क्षमता को पहचानता है और उसकी प्रगति यात्रा में एक भरोसेमंद सहयात्री बना रहेगा। जयशंकर ने संयुक्त आयोग की बैठक के बाद प्रेस से बातचीत करते हुए कहा कि भारत और सूरीनाम व्यापार, पर्यटन, डिजिटल क्षमताओं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित कई क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बैठक में द्विपक्षीय संबंधों के लिए अधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्य और उद्देश्य निर्धारित किए गए।

तीस्ता पर तनाव : भारत से जुड़ा मुद्दा लेकर चीन के पास पहुंचा बांग्लादेश

तीस्ता नदी पुनर्स्थापन परियोजना के लिए मांगी मदद, भारत से संबंधों पर पड़ेगा असर

बीजिंग, एजेंसी

तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश सरकार ने तीस्ता नदी पुनर्स्थापन परियोजना के लिए औपचारिक रूप से चीन से मदद मांगी है। इस कदम से भारत और बांग्लादेश के संबंधों के प्रभावित होने के आसार बढ़ गए हैं। चीन ने बांग्लादेश का समर्थन किया है, साथ ही उसके साथ पारंपरिक क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा करने को लेकर प्रतिबद्धता जताई है।

बांग्लादेश की सरकारी समाचार एजेंसी बांग्लादेश संगबाद संस्था (बीएसएस) के अनुसार, बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान और चीन के उनके समकक्ष वांग यी के बीच बुधवार को बीजिंग में हुई बैठक में तीस्ता नदी व्यापक प्रबंधन एवं पुनर्स्थापन परियोजना (टीआरसीएमआरपी) से जुड़े मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई। तीस्ता नदी पूर्वी हिमालय से निकलकर सिक्किम और पश्चिम बंगाल से होते हुए बांग्लादेश में प्रवेश करती है, जहां यह सिंचाई एवं लाखों लोगों की आजीविका का प्रमुख स्रोत है।वांग ने नई बांग्लादेश सरकार का समर्थन करते हुए कहा कि चीन उच्च गुणवत्ता वाली ''बेल्ट एंड रोड'' सहयोग परियोजना को बांग्लादेश की राष्ट्रीय विकास रणनीतियों के साथ जोड़ने और अर्थव्यवस्था, अवसंरचना एवं लोगों के बीच संपर्क जैसे पारंपरिक क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि सरकार चीन की कंपनियों को बांग्लादेश में निवेश के लिए भी प्रोत्साहित करेगी।

चीन के अनुसार, वांग ने जोर दिया कि बांग्लादेश और अन्य दक्षिण एशियाई देशों के साथ चीन के संबंधों का विकास किसी तीसरे पक्ष को लक्ष्य नहीं बनाता। तारिक रहमान के नेतृत्व वाली नई सरकार के फरवरी में सत्ता संभालने के बाद यह रहमान की चीन की पहली यात्रा है। वह पांच मई को यहां पहुंचे और बृहस्पतिवार को लौटेंगे। रहमान पिछले महीने भारत भी आए थे। भारतीय नेताओं के साथ उनकी वार्ता पर बीजिंग ने करीबी नजर रखी क्योंकि शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद यूनुस नीत अंतरिम प्रशासन के चीन और पाकिस्तान के करीब आने से ढाका और भारत के बीच संबंधों में तनाव आ गया था।

पहले से तीस्ता के मुद्दे में दिलचस्पी दिखा रहा है चीन

चीन कई वर्ष से टीआरसीएमआरपी के विकास में रुचि दिखाता रहा है, जो भारत के संवेदनशील सिलीगुड़ी गलियारे के पास स्थित है। यह इसकी मुख्य भूमि को पूर्वोत्तर राज्यों से जोड़ता है। इस पृष्ठभूमि में भारत ने 2024 में तीस्ता बेसिन के लिए तकनीकी और संरक्षण सहायता की पेशकश की थी जो सीमा-पार नदी प्रबंधन पर ढाका के साथ सहयोग बढ़ाने के नई दिल्ली के प्रयासों को दर्शाता है। जल बंटवारा द्विपक्षीय संबंधों में एक प्रमुख मुद्दा बना हुआ है और गंगा नदी के शुष्क मौसम में जल बंटवारे को नियंत्रित करने के लिए 1996 में 30 वर्ष के लिए हस्ताक्षरित भारत-बांग्लादेश गंगा जल संधि को यदि नवीनीकृत नहीं किया गया तो यह इस वर्ष समाप्त होने वाली है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब हाल के वर्षों में चीन ने बांग्लादेश में अपनी आर्थिक एवं कूटनीतिक उपस्थिति का विस्तार किया है।

चीन के दो पूर्व रक्षा मंत्रियों को भ्रष्टाचार के मामले में मृत्युदंड

बीजिंग। चीन के दो पूर्व रक्षा मंत्रियों वी फेंघे और ली शांगफू को बृहस्पतिवार को भ्रष्टाचार के आरोपों में दो साल की राहत के साथ मौत की सजा सुनाई गई। सरकारी शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार चीन की सैन्य अदालत ने उन्हें अलग-अलग सजा दी। फेंघे को रिश्वत लेने के मामले में दोषी ठहराया गया, शांगफू को रिश्वत लेने और देने दोनों मामले में गुनहगार करार दिया गया। फेंघे और उनके बाद रक्षा मंत्री बने शांगफू को 2024 में सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी से निकाल दिया गया था। दोनों ने जिनपिंग के तहत काम किया था। वे केंद्रीय सैन्य आयोग के सदस्य भी रहे। फेंघे 2018 से 2023 तक रक्षा मंत्री रहे, शांगफू ने उनके उत्तराधिकारी के रूप में कुछ महीने यह प्रभार संभाला। फेंघे और शांगफू दोनों ने 2015 में स्थापित पीपल्स लिबरेशन आर्मी की अति महत्वपूर्ण रॉकेट (मिसाइल) फोर्स का नेतृत्व किया था।

दीदी हारी नहीं, बहादुरी से लड़ीं: अखिलेश

- कोलकाता में ममता बनर्जी से मिले अखिलेश, कहा- भाजपा से मिला हुआ है चुनाव आयोग

कोलकाता, एजेंसी

कोलकाता में अपने आवास पर अखिलेश का स्वागत करतीं ममता बनर्जी। ● शुभंकर

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत के बाद समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कोलकाता पहुंचकर ममता बनर्जी से मुलाकात की और उनका हौसला बढ़ाया। अखिलेश ने कहा, सामंती और पुरुषवादी सोच रखने वाली भाजपा की नजरों में दीदी हमेशा खटकती रही हैं क्योंकि वह आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रक्रिया बिल्कुल भी पारदर्शी नहीं थी। ममता बनर्जी हारी नहीं हैं बल्कि हराई गई हैं।

पश्चिम बंगाल में हुए राजनीतिक बदलाव के बाद अखिलेश की ममता बनर्जी से यह पहली मुलाकात थी। कोलकाता में हुई इस मुलाकात के दौरान ममता बनर्जी खुद अखिलेश यादव को रिसीव करने गेट तक पहुंचीं, अभिषेक बनर्जी ने गले लगाकर उनका स्वागत किया। अखिलेश यादव ने ममता बनर्जी को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और कहा, दीदी, आप हारी नहीं हैं बल्कि आपने एक योद्धा की तरह चुनाव लड़ा है।

मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत में अखिलेश यादव ने भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि उन्होंने बंगाल चुनाव को करीब से देखा और चुनाव प्रचार के दौरान जिस तरह की भाषा और रवैया अपनाया गया, वह हैरान करने वाला था। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने बंगाल में वही प्रयोग किया, जिसकी शुरुआत उत्तर प्रदेश में की गई थी।

कुंदरकी-रामपुर में भी हुई थी इसी तरह की धांधली

अखिलेश ने उत्तर प्रदेश के कुंदरकी और रामपुर उपचुनावों का जिक्र करते हुए कहा कि वहां मतदाताओं को डराया गया और पोलिंग एजेंटों को बाहर निकाल दिया गया। उन्होंने चुनौती दी कि यदि चुनाव आयोग निष्पक्ष है तो बंगाल और कुंदरकी की वोटिंग और मतगणना के सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक किए जाएं।

सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा की राजनीति अराजकता फैलाने वाली है और चुनाव के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर किए गए दावे भी सवालों के घेरे में हैं। चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग भाजपा के साथ मिलकर काम कर रहा है।

90 देशों में 1.55 करोड़ डॉलर की नकली दवाएं जब्त

सिंगापुर, एजेंसी

- इंटरपोल का अभियान, 66 गिरोहों का भंडाफोड़, 269 लोग गिरफ्तार

इंटरपोल के समन्वय में 90 देशों और क्षेत्रों में चलाए गए 'ऑपरेशन पेंजिया 18' के तहत 1.55 करोड़ डॉलर मूल्य की 64.2 लाख से अधिक अवैध और नकली दवाओं को जब्त किया गया है। इस बीच अवैध दवा व्यापार में शामिल 66 आपराधिक समूहों का भंडाफोड़ करने के साथ 269 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

इंटरपोल की ओर से जारी एक बयान के अनुसार यह अभियान 10 से 23 मार्च 2026 तक चला। इस दौरान दुनिया भर की कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने नकली और घटिया चिकित्सा उत्पादों को निशाना बनाते हुए 392 जांच शुरू कीं और 158 सर्च वारंट निकाले किए। इंटरपोल के महासचिव वाल्डेसी उरक्विजा ने कहा, नकली दवाएं केवल एक धोखाधड़ी नहीं हैं, बल्कि ये लोगों के जीवन को खतरे में डालती हैं। अपराधी ऑनलाइन माध्यम से उन लोगों को निशाना बनाते हैं जो त्वरित या किफायती इलाज की तलाश में होते हैं। इस वैश्विक अभियान में भारत, अमेरिका, ब्रिटेन, बांग्लादेश, तुर्की और मलेशिया सहित 90 देशों ने हिस्सा लिया। आंकड़ों के अनुसार, सबसे अधिक जब्ती ब्रिटेन (21.2 लाख खुराक) और कोलंबिया (14.7 लाख खुराक) में हुई। भारत को इस तरह के उत्पादों के निर्माण केंद्र के रूप में भी चिन्हित किया गया है।

दर्द निवारक और नींद की गोलियां सबसे ज्यादा

अभियान के दौरान इरेक्टाइल डिसफंक्शन की दवाएं, नींद की गोलियां, दर्द निवारक, एंटीबायोटिक्स और धूम्रपान रोधी उत्पाद सबसे अधिक मात्रा में जब्त किए गए। इसके अलावा, डिजिटल कार्रवाई के तहत दवाओं की अवैध बिक्री में शामिल लगभग 5,700 वेबसाइटों, सोशल मीडिया पेजों और बॉट्स को बंद कर दिया गया। जांच में एंटी-पैरासिटिक दवाओं की जब्ती में भारी उछाल देखा गया है, विशेष रूप से आइवरमेक्टिन और फेनबेंडाजोल, जिन्हें ऑनलाइन मंचों पर वैज्ञानिक साक्ष्यों के बिना कैंसर के वैकल्पिक उपचार के रूप में प्रचारित किया जा रहा था।

पोप लियो से मिलने के लिए वेटिकन पहुंचे रुबियो

वेटिकन सिटी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो बृहस्पतिवार को वेटिकन की यात्रा पर पहुंचे। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पोप लियो 14वें के बीच बढ़ते तनाव को कम करना और बिगड़े हुए रिश्तों को सुधारना है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आलोचनाओं और ईरान में अमेरिका-इजराइल युद्ध को लेकर पोप नाराज हो गए थे। ट्रंप ने शिकागो में जन्मे पोप की आलोचना की थी वहीं लियो ने कहा था कि अमेरिकी राष्ट्रपति शांति पर महज बाइबल का उपदेश पढ़ रहे हैं। रुबियो की वेटिकन के विदेश मंत्री कार्डिनल पिएत्रो पारोलिन से भी मुलाकात होनी है। पिएत्रो ने अपनी मुलाकात से पहले लियो का पुरजोर बचाव किया है।

महाराष्ट्र की 1,194 बस्तियों और 411 गांवों में जल संकट

मुंबई, एजेंसी

- लाखों लोग टैंकरों पर हुए निर्भर जल्द संकट और बढ़ने के आसार

महाराष्ट्र में भीषण गर्मी के प्रकोप के बीच मई के पहले सप्ताह में 411 गांवों और 1,194 बस्तियों में रहने वाले लोग पीने के पानी की आपूर्ति के लिए पूरी तरह से पानी के टैंकरों पर निर्भर हैं। तपती गर्मी में भारी वृद्धि हुई है और डर है कि महीने के अंत तक पानी की कमी वाले क्षेत्रों की संख्या और बढ़ सकती है।

अधिकारियों के मुताबिक राज्य भर के बांधों में जल स्तर तेजी से घट रहा है और अब यह गिरकर लगभग 38 प्रतिशत रह गया है। महाराष्ट्र के अधिकांश हिस्सों में भीषण लू की स्थिति बनी हुई है, जिससे जल भंडार कम हो रहे हैं और ग्रामीणों को टैंकरों की आपूर्ति पर निर्भर होना पड़ रहा है। वर्तमान में कुल 1,605 स्थानों को कवर करने वाले 12 जिलों में टैंकरों के माध्यम से पानी पहुंचाया जा रहा है। राज्य प्रशासन ने मई के पहले सप्ताह में ही पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए 466 टैंकर तैनात किए हैं, जिनमें 20 सरकारी और 446 निजी टैंकर शामिल हैं। इसकी तुलना में, अप्रैल के चौथे सप्ताह के दौरान 321 टैंकर चल रहे थे, जो बहुत कम समय में पानी की मांग में भारी वृद्धि को दर्शाता है।

इमोशनल फूल बनाने का बड़ा हथियार

डिजिटल साइकोलॉजी

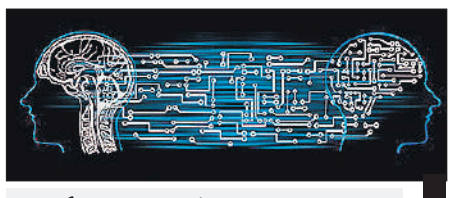

डिजिटल प्राइवेसी के बाद दूसरा बड़ा खतरा डिजिटल फिंगरप्रिंटिंग और डार्क पैटर्न्स है। शायद ही आपको एहसास हो कि इंटरनेट आपकी पसंद-नापसंद को आपके बिना बताए कंट्रोल करने की कोशिश कर रहा है। क्या आपने कभी गौर किया है कि जब आप किसी एप को अनइंस्टॉल करने लगते हैं तो वह इमोशनल मेसेज देता है... क्या आप वाकई हमें छोड़कर जा रहे हैं, हम आपको याद करेंगे। ऐसे ही जब आप शॉपिंग करते हैं तो वहां लिखा आता है... सिर्फ 2 स्टॉक बचे हैं, 15 लोग इसे अभी देख रहे हैं। दरअसल, यह कोई इत्तफाक नहीं है, बल्कि डिजिटल साइकोलॉजी का एक गहरा जाल है।

यह है असली खेल

- कंपनियां अब सिर्फ आपका डेटा नहीं चुरातीं, बल्कि आपके व्यवहार को डिजाइन करती हैं। इसे बिहेवियरल इंजीनियरिंग कहते हैं।
- वेबसाइट और एप्स के इंटरफेस इस तरह बनाए जाते हैं कि आप वह कर बैठें जो नहीं करना चाहते थे जैसे अनचाहे सब्सक्रिप्शन लेना।
- सोशल मीडिया के इनफिनिटी स्क्रॉल को इस तरह बनाया गया है कि आपके दिमाग में डोपामाइन रिलीज हो और आपको लत लग जाए।
- आप कुकीज डिलीट भी कर दें, तब भी कंपनियां आपके ब्राउजर वर्जन, स्क्रीन रेजोल्यूशन और बैटरी लेवल से आपकी पहचान कर लेती हैं।

फैक्ट

शॉपिंग साइट्स पर दिखने वाला काउंटडाउन टाइमर जैसे, सेल खत्म होने में 05 :00 मिनट बाकी, फर्जी होता है। और आपको दबाव में लाने के लिए है। प्रिंसटन यूनिवर्सिटी की एक स्टडी के अनुसार, दुनिया की टॉप 11,000 शॉपिंग वेबसाइट्स में से 1,200 से ज्यादा धोखा देने के लिए इन डार्क पैटर्न्स का इस्तेमाल करती हैं।

एक्सपर्ट टिप्स

- सिर्फ इनकॉग्निटो मोड इस्तेमाल करने से आप ट्रैक होने से नहीं बचते। इसके बजाय प्राइवेसी फोकस्ड सर्च इंजन इस्तेमाल करें।
- एप्स के पुश नोटिफिकेशन बंद रखें। ये आपको बार-बार एप खोलने को उकसाते हैं। जरूरी एप्स के नोटिफिकेशन ऑन रखें।
- कोई वेबसाइट सभी कुकीज को स्वीकार करने का विकल्प दे तो कस्टमाइज पर क्लिक करें और ट्रैकिंग कुकीज को अनचेक करें।
- लेख पढ़ते समय हमेशा रीडिंग मोड का इस्तेमाल करें ताकि वेबसाइट पर विज्ञापनों और ध्यान भटकाने वाले एलिमेंट्स से बच सकें।
- हफ्ते में एक दिन या दिन में कुछ घंटे नो फोन जोन तय करें ताकि आपका दिमाग अपनी मर्जी से सोचे, एल्गोरिदम की मर्जी से नहीं।

आपके लिए जरूरी बातें

- एआई अब आपके टाइपिंग पैटर्न और स्क्रीन पर उंगलियों के दबाव से यह समझ सकता है कि आप कब उदास हैं या कब एक्साइटेड। उसी हिसाब से आपको कंटेंट या विज्ञापन दिखाए जाते हैं।
- एल्गोरिदम आपको केवल वही चीजें दिखाता है जो आपकी विचारधारा से मेल खाती हैं। इससे आप एक बबल में फंस जाते हैं और आपको लगता है कि पूरी दुनिया वैसा ही सोच रही है जैसा आप।
- स्लीप स्टीलिंग यानी वीडियो एप्स का ऑटो-प्ले फीचर आपकी नींद चुराने के लिए बनाया गया है। एक के बाद एक वीडियो चलते रहते हैं और आपका दिमाग यह तय नहीं कर पाता कि कब रुकना है।
- आप किसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नहीं भी हैं, तब भी आपके दोस्तों के कॉन्टैक्ट्स और डेटा के जरिए कंपनियां आपकी एक शैडो प्रोफाइल तैयार कर लेती हैं।

एपस्टीन की आत्महत्या की कोशिश के बाद मिला रहस्यमय नोट सार्वजनिक

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- जेल में साथ रहे टार्टाग्लियोन को मिला था नोट, वर्षों से अदालत की वॉल्ट में था बंद

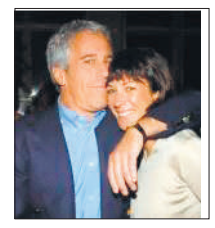

न्यूयॉर्क की एक अदालत ने उस रहस्यमय नोट को सार्वजनिक कर दिया है, जिसे यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन के साथ जेल में बंद रहे निकोलस टार्टाग्लियोन ने मिलने का दावा किया था। वर्षों एक अदालत के वॉल्ट में बंद रहा यह नोट एपस्टीन की आत्महत्या की पहली कोशिश के बाद टार्टाग्लियोन को मिला था।

न्यूयॉर्क के व्हाइट प्लेन्स में अमेरिकी जिला न्यायाधीश केनेथ करास ने नोट जारी करने का आदेश दिया था। इससे पहले 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' ने पिछले सप्ताह इसे और उस मामले से जुड़े अन्य दस्तावेजों को सार्वजनिक करने का अनुरोध किया था जिसमें टार्टाग्लियोन शामिल था। संघीय अभियोजकों ने इस अनुरोध का विरोध नहीं किया। इस नोट के बारे में तब तक बहुत कम लोगों को ही पता था, जब तक कि चार लोगों की हत्या के लिए उम्रकैद की सजा काट रहे पूर्व पुलिस अधिकारी टार्टाग्लियोन ने लेखिका जेसिका रीड क्रॉस के पॉडकास्ट पर इसका ज़िक्र नहीं किया। टार्टाग्लियोन ने दावा किया कि उसे यह नोट एक किताब में तब मिला जब एपस्टीन 23 जुलाई, 2019 को मैनहट्टन फेडरल जेल में अपनी कोठरी के फर्श पर पड़ा मिला था और उसके गले में एक चादर की पट्टी लिपटी हुई थी।

चुनौतियों से निपटने को अपनी क्षमता बढ़ाएंगे: पाकिस्तान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की सेना ने कहा कि वह भविष्य की चुनौतियों से निपटने और हर प्रकार की आक्रामकता का निर्णायक जवाब देने के लिए अपनी क्षमताओं को बढ़ाती रहेगी। पाकिस्तान सेना ने 'मारका-ए-हक' के एक साल पूरे होने पर इसे देश के सैन्य इतिहास का निर्णायक अध्याय बताया।

पाकिस्तानी सेना ने पिछले साल भारत के साथ चार दिन तक चले सैन्य संघर्ष को मारका-ए-हक नाम दिया है। पहलगाम में आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत होने के बाद भारत ने पिछले साल सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था। इसके तहत पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादियों के नौ ठिकानों पर हमले किए गए थ, जिनमें करीब 100 आतंकवादी मारे गए थे। इस कार्रवाई के बाद दोनों देशों के बीच भारी तनाव पैदा हो गया था और पाकिस्तान ने भारत की कार्रवाई के जवाब में हमले किए थे, हालांकि उनमें से ज्यादातर को भारतीय सेना ने नाकाम कर दिया था।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष आज कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा। रुके कार्य पूरे होने के संकेत हैं।

वृष आज आर्थिक मामलों में सावधानी बरतने की जरूरत है। व्यापार में बड़ी साझेदारी हो सकती है। प्रतियोगी छात्रों के लिए मेहनत का समय है।

मिथुन आज का दिन नई योजनाओं पर काम करने के लिए अच्छा है। व्यापार में लाभ के अवसर मिल सकते हैं।

कर्क आज भावनाओं में आकर कोई बड़ा निर्णय लेने से बचें। मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। घर में शांति का वातावरण बना रहेगा।

सिंह आज आपकी नेतृत्व क्षमता लोगों को प्रभावित करेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। यात्रा के दौरान सावधानी बरतें।

कन्या आज कामकाज में व्यस्तता अधिक रह सकती है। किसी पुराने विवाद का समाधान निकलेगा। मेहनत का अच्छा परिणाम प्राप्त होगा।

तुला आज भाग्य का साथ मिलेगा और रुके काम आगे बढ़ेंगे। प्रेम संबंधों में मधुरता बनी रहेगी। धन निवेश से सलाह जरूर लें।

वृश्चिक आज गुस्से पर नियंत्रण रखना आपके लिए लाभकारी रहेगा। नई उपलब्धि मिलने की संभावना है। बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त होगा।

धनु आज आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ सकती है। करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर मिलेंगे। मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा।

मकर आज मेहनत के अनुसार परिणाम मिलने की संभावना है। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें। स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें।

कुंभ आज समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। नई योजनाएं भविष्य में लाभ दिला सकती हैं।

मीन आज मन रचनात्मक कार्यों में अधिक लगेगा। व्यवसाय में लाभ के संकेत मिल रहे हैं। किसी प्रिय व्यक्ति से शुभ समाचार प्राप्त होगा।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

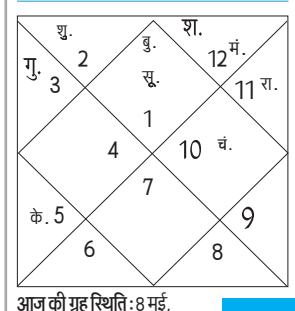

आज की ग्रह स्थिति : 8 मई, शुक्रवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- ज्येष्ठ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, षष्ठी 12 .21 तक तत्पश्चात सप्तमी।

दिशाशूल-पश्चिम, **ऋतु**- ग्रीष्म। **चन्द्रबल**- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन। **ताराबल**-भरणी, कृतिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती। **नक्षत्र**- उत्तराषाढ़ा 21 .20 तक तत्पश्चात श्रवण।

सुडोकू - 142 का हल

9	2	6	7	4	5	1	8	3
4	7	8	2	1	3	6	5	9
1	5	3	9	6	8	7	2	4
7	4	9	3	2	1	5	6	8
8	6	1	5	9	7	4	3	2
2	3	5	6	8	4	9	7	1
5	9	2	4	3	6	8	1	7
6	1	4	8	7	2	3	9	5
3	8	7	1	5	9	2	4	6

सुडोकू -143

		1				2		
3				2				
2			5	6				
	8		9		7			
	9						7	
	2		3		4			
		4		9	3			
		6		7				
		2				1		

टैगोर को 165वीं जयंती पर शंघाई में दी गई श्रद्धांजलि

बीजिंग। शंघाई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास के नेतृत्व में बृहस्पतिवार को नोबेल पुरस्कार से सम्मानित रवींद्रनाथ टैगोर की 165 वीं जयंती पर उनके प्रशंसकों और भारतीय समुदाय ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

भारतीय वाणिज्य दूतावास ने एक बयान में कहा कि भारतीय महावाणिज्यदूत प्रतीक माथुर ने माओमिंग स्ट्रीट पर स्थित टैगोर की प्रतिमा और लू शुन पब्लिक पार्क में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। भारतीय महावाणिज्यदूत ने जोर दिया कि लोग आपसी संपर्कों को मजबूत करें। चीनी बुद्धिजीवी टैगोर को काफी पसंद करते हैं।

सबरीमाला मुद्दा | सुप्रीम कोर्ट ने कहा- हर धर्म विघटित हो जाएगा, हर संवैधानिक अदालत को करना पड़ेगा बंद

सवाल उठाने से धर्म और सभ्यता के विघटन का होगा खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट की नौ न्यायाधीशों वाली संविधान पीठ ने बृहस्पतिवार को टिप्पणी की कि यदि लोग धार्मिक प्रथाओं या धर्म से जुड़े मामलों पर संवैधानिक अदालत में सवाल उठाने लगेंगे तो विभिन्न रीति-रिवाजों और परंपराओं पर सवाल उठाने वाली सैकड़ों याचिकाएं दायर होंगी और इससे धर्मों और सभ्यता के विघटन का खतरा पैदा हो जाएगा।

संविधान पीठ महिलाओं के साथ धार्मिक स्थलों पर होने वाले भेदभाव से संबंधित याचिकाओं की सुनवाई कर रही है। इनमें केरल के सबरीमाला मंदिर से जुड़ा मामला भी शामिल है। यह पीठ दाऊदी बोहरा समुदाय सहित विभिन्न धर्मों की धार्मिक स्वतंत्रता की सीमा और दायरे पर भी विचार कर रही है। दाऊदी बोहरा समुदाय के केंद्रीय बोर्ड ने 1986 में एक जनहित याचिका दायर कर 1962 के उस फैसले को रद्द करने की मांग की थी जिसने बॉम्बे बहिष्कार निवारण अधिनियम, 1949 को निरस्त कर दिया था। इस कानून के तहत समुदाय के किसी भी सदस्य का बहिष्कार करना अवैध था।

सुधारवादी दाऊदी बोहरा समुदाय के एक समूह की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता राजू रामचंद्रन ने दलील दी कि किसी व्यक्ति के धर्मनिरपेक्ष और सामाजिक आचरण के जवाब में अपनाई जाने वाली किसी प्रथा को संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत संरक्षण नहीं दिया जा सकता। इसलिए उसे संविधान के अनुच्छेद 26 के अंतर्गत धर्म से संबंधित मामला भी नहीं माना जा सकता। कहा, कोई प्रथा भले ही धार्मिक पहलू रखती हो लेकिन यदि उसका मौलिक अधिकारों पर गंभीर और प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, तो उसे संविधान के अनुच्छेद 25 या अनुच्छेद 26 के तहत प्रतिबंधों से पूरी तरह छूट नहीं दी जा सकती।

तर्क-वितर्क

न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि यदि हर कोई कुछ धार्मिक प्रथाओं या धर्म से जुड़े मामलों को संवैधानिक अदालत में चुनौती देने लगे तो इस सभ्यता का क्या होगा, जहां धर्म भारतीय समाज से इतनी गहराई से जुड़ा हुआ है। इस अधिकार या उस अधिकार को चुनौती देने वाली, मंदिर खोलने और मंदिर बंद करने के अधिकार को लेकर सैकड़ों याचिकाएं दायर की जाएंगी। हम इस बात से अवगत हैं। न्यायमूर्ति सुंदरेश ने कहा, हर धर्म विघटित हो जाएगा और हर संवैधानिक अदालत को बंद करना पड़ेगा। यदि विवादों को अनुमति दी जाती है तो हर कोई हर चीज पर सवाल उठाने लगेगा।

संविधान पीठ के 1962 के फैसले में कहा गया था, दाऊदी बोहरा समुदाय की धार्मिक आस्था और सिद्धांतों से स्पष्ट है कि धार्मिक आधार पर इसके धार्मिक प्रमुख द्वारा बहिष्कार की शक्ति का प्रयोग धर्म संबंधी मामलों में इसके कामकाज के प्रबंधन का हिस्सा था और 1949 के अधिनियम ने ऐसे बहिष्कार को भी अमान्य घोषित करके संविधान के अनुच्छेद 26(ख) के तहत समुदाय के अधिकार का उल्लंघन किया।

टूर्नामेंट की शुरुआत में खराब दौर से गुजरने के बावजूद टीम को वरुण चक्रवर्ती की काबिलियत पर कभी कोई शक नहीं हुआ। खेल में सब कुछ नतीजों पर आधारित होता है और लोग भावुक हो जाते हैं।
–ड्वेन ब्रावो, गेंदबाजी कोच, केकेआर

स्टेडियम

कानपुर नगर, शुक्रवार, 8 मई 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

IPL 2026

आज के मुकाबले

दिल्ली कैपिटल्स — बनाम — कोलकाता नाइट राइडर्स

समय - शाम 7:30 बजे

मिचेल मार्श के शतक के बाद प्रिंस यादव की गेंदबाजी से जीती लखनऊ

आईपीएल-2026 : बारिश से प्रभावित मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 9 रन से हराया

लखनऊ, एजेंसी

मिचेल मार्श (111) की आतिशी शतकीय पारी के बाद प्रिंस यादव (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स ने गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के वर्षा बाधित मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को नौ रनों से हराया।

लखनऊ सुपर जायंट्स को लगातार छह हार के बाद यह जीत नसीब हुई। वहीं आरसीबी की यह टूर्नामेंट में चौथी हार है। ऋषभ पंत का दिग्वेश राठी को आख़िरी ओवर देने का फैसला सही साबित हुआ। उन्होंने इस ओवर में 10 रन देते हुए स्कोर का बचाव किया और लखनऊ सुपर जायंट्स को अभी टूर्नामेंट से बाहर होने से बचा लिया है। 213 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने नौ रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गंवा दिये। जेकब बेथेल (चार) को मोहम्मद शमी ने आउट किया।

वहीं अगले ही ओवर में प्रिंस यादव ने विराट कोहली को खाता भी खोलने का मौका नहीं दिया। इसके बाद कप्तान रजत पाटीदार और देवदत्त पड़िक्कल ने पारी को संभाला और तीसरे विकेट के लिए 95 रन जोड़े। 11वें ओवर में प्रिंस यादव ने पड़िक्कल को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। पड़िक्कल ने 25 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लागते हुए (34) रन बनाये। इसी ओवर की पांचवीं गेंद पर प्रिंस ने जितेश शर्मा (एक) भी शिकार कर लिया। अगले ओवर में शाहबाज अहमद ने रजत पाटीदार को आउट कर पवेलियन भेज दिया।

पाटीदार ने 31 गेंदों में तीन चौके और छक्के उड़ाते हुए (61) रनों की पारी खेली। आरसीबी के बल्लेबाजों क्रुणाल पंड्या और रोमारियो शेफर्ड ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए आखिरी तक अपने को मुकाबले में बनाये रखा। आरसीबी निर्धारित 19 ओवरों में छह विकेट पर 203 रन ही बना सकी और नौ रनों से मुकाबला हार गई। क्रुणाल पंड्या ने 16 गेंदों में नाबाद 28 रन बनाये। उन्होंने अपनी पारी में दो चौके और दो छक्के भी जडे.। रोमारियो शेफर्ड ने 15 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते नाबाद 23 रन बनाये। 16वें ओवर शाहबाज अहमद ने टिम डेविड को आउट कर लखनऊ सुपर जायंट्स को छठी सफलता दिलाई। टिम डेविड ने 17 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के लगाते हुए (40) रन बनाये। इससे पहले आज यहां लखनऊ सुपर जायंट्स ने आरसीबी के खिलाफ बारिश से प्रभावित मुकाबले में तीन विकेट पर 209 रनों का स्कोर खड़ा किया। डीएलएस पद्धति के तहत आरसीबी को 19 ओवरों में संशोधित 213 रन का लक्ष्य मिला है। आरसीबी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स की पारी के शुरुआती दूसरे ही ओवर में बारिश ने बाधा डाली। बारिश रुकने के कुछ देर बात जब फिर से खेल शुरु हुआ तो मिचेल मार्श चौके, छक्को की बारिश करते हुए अपनी टीम के लिए तेजी के साथ रन बटोरे। इसी दौरान 10वें ओवर में क्रुणाल पांड्या ने अर्शिन कुलकर्णी (17) को आउट कर पवेलियन भेज दिया।

विस्फोटक पारी के दौरान शॉट लगाते लखनऊ सुपर जाएंट्स के मिशेल मार्श। एजेंसी

लखनऊ सुपर जाएंट्स

209/3 (19 ओवर)

मिचेल मार्श का बेथेल बो हेजलवुड	111
अर्शिन कुलकर्णी का पाटीदार बो कृणाल	17
निकोलस पूरन का कृणाल बो रसिख	38
ऋषभ पंत नाबाद	32
ऐडन मारक्रम नाबाद	01

अतिरिक्त : 10, विकेट पतन : 1-95, 2-165, 3-194, **गेंदबाजी** : भुवनेश्वर 4-0-34-0, हेजलवुड 4-0-49-1, कृणाल पंड्या 4-0-31-1, रसिख सलाम 4-0-53-1, सुयश 2-0-21-0, शेफर्ड 1-0-16-0

बारिश के बीच पिच को बचाने के लिए ग्राउंडस्टाफ कवर लाते हुए। एजेंसी

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	सनराइजर्स हैदराबाद	11	7	4	0	14	0.737
2.	पंजाब किंग्स	10	6	3	1	13	0.571
3.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	10	6	4	0	12	1.234
4.	राजस्थान रॉयल्स	10	6	4	0	12	0.510
5.	गुजरात टाइटंस	10	6	4	0	12	-0.147
6.	चेन्नई सुपर किंग्स	10	5	5	0	10	0.151
7.	दिल्ली कैपिटल्स	10	4	6	0	8	-0.949
8.	कोलकाता नाइट राइडर्स	9	3	5	1	7	-0.539
9.	मुंबई इंडियंस	10	3	7	0	6	-0.649
10.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	10	3	7	0	6	-0.934

ऑरेंज कैप

- हेनरिक क्लासेन हैदराबाद-494 रन
- अभिषेक शर्मा हैदराबाद -475 रन
- केएल राहुल दिल्ली-445 रन

पर्पल कैप

- भुवनेश्वर कुमार बेंगलुरु-17 विकेट
- अंशुल कंबोज चेन्नई-17 विकेट
- प्रिंस यादव लखनऊ-16 विकेट

बेंगलुरु में आईपीएल फाइनल करवाना नामुमकिन हो गया था : अरुण धूमल

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) अध्यक्ष अरुण धूमल ने बृहस्पतिवार को कहा कि बेंगलुरु में लीग का फाइनल करवाना नामुमकिन हो गया था क्योंकि वहां के स्टेडियम की क्षमता कम है और राज्य सरकार की तरफ से मुफ्त टिकटों की बहुत ज्यादा मांग थी। अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में 1.30 लाख दर्शक बैठ सकते हैं और यह 31 मई को टी20 टूर्नामेंट के फाइनल की मेज़बानी करेगा। नियम के मुताबिक बेंगलुरु को ही पहले मेजबान चुना गया था क्योंकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) पिछली बार की चैंपियन टीम है। हालांकि बीसीसीआई ने बुधवार को कहा कि 'स्थानीय संघ और अधिकारियों की कुछ ऐसी मांगें थीं जो बीसीसीआई के तय नियमों और प्रोटोकॉल के दायरे से बाहर थीं इसलिए यह बदलाव किया गया है।' धूमल ने पीटीआई से बात करते हुए

आईसीसी बोर्ड बैठक

उन दिक्कतों के बारे में विस्तार से बताया जिनका सामना बीसीसीआई को करना पड़ा। कर्नाटक सरकार के पास राज्य के विधायकों, विधान पार्षदों और सांसदों के लिए तीन-तीन मुफ्त आईपीएल टिकटों का कोटा है जिसे ऐसे स्टेडियम में लागू करना मुश्किल होता जहां 40,000 से ज्यादा लोग नहीं बैठ सकते। उन्होंने कहा असल में तो यह बेंगलुरु में ही होना चाहिए था। हमने कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ से बात की। पिछले साल जो घटना हुई (भगदड़), उसकी वजह से उन्हें कुछ दिक्कतें थीं। राज्य सरकार को विधायकों को मुफ्त टिकट देने होते हैं और केएससीए के अपने सदस्यों के लिए कुछ और वादे होते हैं। उन्होंने कहास्टेडियम की क्षमता भी उतनी ज्यादा नहीं है। लीग मैचों के लिए भी वहां बहुत कम टिकट उपलब्ध थे।

हाईलाइट

मैं फीफा विश्व कप में वापसी के लिए तैयार हूं : लुइस सुआरेज

मियामी। उरुग्वे के ऑल-टाइम लीडिंग स्कोरर लुइस सुआरेज ने कहा कि वह इस साल होने वाले फीफा विश्व कप में खेलने के लिए तैयार हैं। मैनेजर मार्सेलो बिएल्सा के साथ सार्वजनिक अनबन के बाद सुआरेज ने सितंबर 2024 में उरुग्वे की नेशनल टीम से संन्यास ले लिया था। 39 साल के इंटर मियामी स्ट्राइकर ने कहा कि उन्होंने तब से अपने फैसले पर दोबारा सोचा है। उन्होंने कहा कि अर्जेंटीना के कोच के लिए उनके मन में कोई बुरी भावना नहीं है, जो मई 2023 से सेलेस्टे के इंचार्ज हैं। एमएलएस क्लब के साथ एक अभ्यास सत्र के बाद सुआरेज ने पत्रकारों से कहा मैंने कुछ ऐसा कह दिया जो मुझे नहीं कहना चाहिए था। आपको अपनी गलतियां माननी होंगी और यह अब बीती बात है।

गुकेश ने सिंदारोव को हराया, सो से ड्रॉ खेला

वारसा। डी गुकेश ने विश्व चैम्पियनशिप मुकाबले की तैयारियां पुख्ता करते हुए सुपर रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट में अपने चैलेंजर जावोखिर सिंदारोव को पांचवें दौर में हराया और अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेसले सो को ड्रॉ पर रोका। उजबेकिस्तान के सिंदारोव को हराने के बाद गुकेश ने वेसले सो को ड्रॉ पर रोका। अब उनके छह अंक हो गए हैं जबकि रैपिड वर्ग में तीन राउंड बाकी हैं। सिंदारोव के खिलाफ जीत से उन्हें दो अंक मिले जबकि ड्रॉ से एक अंक हासिल हुआ। सो नौ अंक लेकर अमेरिका के ही हैंस नीमैन के साथ शीर्ष पर हैं। उनके बाद ब्लादीमिर फेडोसीव हैं जो एक अंक पीछे हैं। गुकेश, फेबियानो कारूआना, जान क्रिस्टोफ डुडा और मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव के छह अंक हैं।

अल्तमाएर ने रोम में 2 मैच प्वाइंट बचाए

रोम। डेनियल अल्तमाएर ने बुधवार को रोम में इटेलियन ओपन में तब अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया जब इसकी सबसे ज्दाया जरूरत थी। उन्होंने दो मैच पॉइंट बचाकर झांग झीझेन को हराया। एटीपी रैंकिंग में 64वें नंबर के खिलाड़ी अल्तमाएर ने दूसरे सेट में 3-5, 15/40 के स्कोर पर अपनी सर्विस पर मैच पॉइंट बचाए, और फिर 4-6, 7-6(3), 6-4 से जीत हासिल करके इस सीजन में अपना पहला एटीपी मास्टर्स 1000 मैच जीता। 27 वर्षीय खिलाड़ी को इस जीत का इनाम दूसरे दौर में रोम के दो बार के चैंपियन एलेक्जेंडर ज्वेरेव से मुकाबले के रूप में मिला है।

रेसलर विनेश फोगाट एशियाई खेलों के चयन ट्रायल्स से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी

- डब्ल्यूएफआई के नए पात्रता मापदंड में फंस गईं

तीन बार की ओलंपियन विनेश फोगट को रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) द्वारा घोषित मानदंडों के अनुसार एशियन गेम्स 2026 के सिलेक्शन ट्रायल के लिए गुरुवार को अयोग्य घोषित कर दिया गया।

फेडरेशन के अनुसार, सेलेक्शन ट्रायल के लिए पात्रता तीन घरेलू प्रतियोगिताओं - 2025 सीनियर नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप, 2026 सीनियर फेडरेशन कप और अंडर-20 नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप के पदक विजेताओं तक सीमित है। सीनियर नेशनल चैंपियनशिप दिसंबर में आयोजित की गई थी, जबकि फेडरेशन कप फरवरी में हुआ था।

विनेश फोगाट ने इनमें से किसी भी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया है, क्योंकि वह पेरिस 2024 ओलंपिक के बाद से प्रतिस्पर्धा से दूर रही हैं और इसलिए पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं करती हैं।

उन्होंने ग्रीष्मकालीन खेलों के तुरंत बाद रेसलिंग से संन्यास ले लिया था, लेकिन पिछले साल दिसंबर में विनेश ने कुश्ती में फिर से वापसी की घोषणा की थी। मैदान से दूर रहने के दौरान उन्होंने एक व्यक्तिगत उपलब्धि भी हासिल की, क्योंकि वह पिछले साल जुलाई में मां बनी थीं। 31 वर्षीय भारतीय पहलवान ने हाल ही में उत्तर प्रदेश में 10 से 12 मई तक होने वाले नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट को अपनी वापसी के लिए चुना था।

रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अनुसार, नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट के परिणाम चयन ट्रायल में पात्रता के लिए मान्य नहीं होंगे। फेडरेशन ने एशियन गेम्स के सेलेक्शन ट्रायल इसी महीने के अंत में दो दिनों में आयोजित करने का फैसला किया है। महिला कुश्ती के चयन ट्रायल 30 मई को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में होंगे, जबकि पुरुषों की फ्रीस्टाइल और ग्रीको-रोमन प्रतियोगिताएं 31 मई को लखनऊ के क्षेत्रीय केंद्र में होंगी। ये ट्रायल सभी 18 ओलंपिक भार वर्गों में आयोजित किए जाएंगे, जिनमें से प्रत्येक में तीन डिसिप्लिन में छह कैटेगरी होंगी। फेडरेशन ने यह भी स्पष्ट किया है कि चयन प्रक्रिया में पिछले प्रदर्शनों पर विचार नहीं किया जाएगा, केवल सेलेक्शन ट्रायल के रिजल्ट पर ही ध्यान दिया जाएगा। एशियन गेम्स 2026 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक जापान में होंगे।

दिल्ली के सामने वरुण और नारायण की चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी

पेचीदा पिचों पर चकमा खाने वाली या अच्छी पिचों पर बड़ा स्कोर नहीं बचा पाने वाली दिल्ली कैपिटल्स को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ शुक्रवार को आईपीएल के 'करो या मरो' के मुकाबले में घरेलू मैदान पर भी राहत मिलने की उम्मीद नहीं है।

दस मैचों में आठ अंक लेकर सातवें स्थान पर काबिज दिल्ली को अब प्लेआफ में जगह बनाने के लिये 16 अंक तक पहुंचने के लिये बाकी चारों मैच जीतने होंगे। वहीं आठवें स्थान पर खड़ी केकेआर को भी बाकी पांचों मैच जीतने होंगे। ऐसे में यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि दिल्ली कैपिटल्स का यह मैच किस तरह की पिच पर खेला जाएगा। समझा जाता है कि वरुण चक्रवर्ती और सुनील नारायण की फिरकी का सामना करने के लिए दिल्ली बल्लेबाजों की मददगार पिच नंबर छह पर खेल सकती है जिस पर उसने पंजाब किंग्स के खिलाफ 264 रन बनाए थे पर जीत फिर भी नहीं मिली थी। इस पिच को चुनने की वजह बल्लेबाजों पर भरोसे की कमी है जो रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ सीम लेती पिच पर छह विकेट नौ रन पर गंवा बैठे थे। धीमी विकेट पर दिल्ली के बल्लेबाज गुजरात टाइटंस के राशिद खान या सीएसके के नूर अहमद और अकील हुसैन को नहीं खेल पाये थे। सुनील (इकॉनॉमी रेट 6.80) और वरुण (इकॉनॉमी रेट 8.88) के सामने पाथुम निसांका, समीर रिजवी या करुण नायर को मुश्किलें पेश आ सकती है।

अभ्यास सत्र के दौरान दिल्ली कैपिटल्स के कुलदीप यादव, माधव तिवारी, आशुतोष शर्मा और नीतीश राणा। एजेंसी

केकेआर का शीर्षक्रम नहीं उतर सका खरा

नई दिल्ली। केकेआर का शीर्षक्रम भी अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर सका है। कप्तान अजिंक्य रहाणे (131.42 की स्ट्राइक रेट से 205 रन) और अंगकृष रघुवंशी (137.43 की स्ट्राइक रेट से 268 रन) अच्छी शुरुआत को बड़ी पारियों में नहीं बदल सके। रिंकू सिंह (145.39 की स्ट्राइक रेट से 245 रन) पर ही बल्लेबाजी का दारोमदार रहा है। दिल्ली के लिए केएल राहुल ने आईपीएल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 180 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 445 रन बनाये हैं।

- कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मुकाबला आज

टीम

दिल्ली कैपिटल्स : अभिषेक पोरेल, केएल राहुल, नितीश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, अक्षर पटेल, आशुतोष शर्मा, दुष्मंथा चमीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, डेविड मिलर, औकिब नबी डार, पथुम निसांका, लुंगी एनगिडी, साहिल पारख, पृथ्वी साव, काइल जैमीसन, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, अजय जादव मंडल, करुण नायर, टी नटराजन।

कोलकाता नाइट राइडर्स : अजिंक्य रहाणे (कप्तान), मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह, रिंकू सिंह, सुनील नारायण, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, उमरान मलिक, वरुण चक्रवर्ती, कैमरन ग्रीन, मथीशा पथिराना, राहुल त्रिपाठी, टिम सीफर्ट, तेजस्वी दहिया, रचिन रवींद्र, आकाश दीप, ब्लेसिंग मुजाराबानी, नवदीप सैनी, प्रशांत सोलंकी, फिन एलन, दक्ष कामरा, कार्तिक त्यागी।

तीरंदाजी विश्व कप | भारतीय पुरुष टीम पहले दौर में बांग्लादेश से हारी

कोरिया पर जीत से महिलाओं ने पक्का किया पदक

शंघाई, एजेंसी

भारत का तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में बृहस्पतिवार को प्रदर्शन मिला जुला रहा जब महिला रिकर्व टीम ने रिकॉर्ड दस बार की ओलंपिक चैम्पियन दक्षिण कोरिया को सेमीफाइनल में हराकर पहला पदक पक्का किया लेकिन पुरुष टीम पहले दौर में बांग्लादेश से हार गई। मिश्रित टीम वर्ग में भारत की चुनौती समाप्त हो गई जब धीरज बोम्मादेवरा और अंकिता भकत दूसरे दौर में ब्राजील से शूटआफ में 4-5 से हार गए।

महिला टीम की सदस्यों दीपिका कुमारी, अंकिता भकत और कुमकुम मोहोद ने सेमीफाइनल में कोरिया को 5-1 से मात दी। अब उसका सामना स्वर्ण पदक के मुकाबले में रविवार को चीन से होगा।

महिला टीम की सदस्य अंकिता भकत, दीपिका कुमारी और कुमकुम मोहोद।

पुरुष रिकर्व टीम में तरुणदीप रॉय, धीरज बोम्मादेवरा और यशदीप भोगे थे जिन्हें बांग्लादेश ने 6-2 से मात दी। भारतीय महिला टीम ने लगातार तीन मैच जीतकर फाइनल में प्रवेश किया। चौथी वरीयता प्राप्त भारतीय टीम ने छह तीरों में से चार पर 10 स्कोर किया और सिर्फ दो अंक गंवाकर पहला सेट 58-55 से जीता। दूसरे सेट में मुकाबला 56-56 से बराबर रहा लेकिन भारत ने 3-1 की बढ़त बना ली। मैच जीतने के लिए अब सिर्फ दो अंक की जरूरत थी और अगला सेट भारत ने 58-56 से अपने नाम किया। लेकिन कोरिया ने यहां अनुभवहीन टीम भेजी है क्योंकि उसका फोकस चार महीने बाद जापान में होने वाले एशियाई खेलों पर है। कोरियाई टीम में दो नये चेहरे ली युंजी और ओ येजिन थे जबकि मौजूदा विश्व चैम्पियन कांग चाएयंग एकमात्र अनुभवी तीरंदाज थी। इससे पहले भारतीय महिला टीम ने उजबेकिस्तान को पहले दौर में 6-2 (53-56, 57-54, 55-54, 55-51) से हराया। क्वार्टर फाइनल में तनावपूर्ण शूटआफ में वियतनाम पर 5-4 से जीत दर्ज की।

पुरुष टीम का रहा निराशाजनक प्रदर्शन

भारतीय पुरुष टीम ने पहला सेट बांग्लादेश ने के सामने 52-55 से गंवाया। दूसरे सेट में बांग्लादेश ने उसे 54-54 से बराबरी पर रोका। तीसरे सेट में दोनों टीमों का स्कोर 53 रहा। चौथा सेट में बांग्लादेश ने 57-53 से हराया।

चैंपियंस लीग फाइनल में पहुंचा पेरिस सेंट जर्मेन

म्युनिख। पेरिस सेंट जर्मेन ने बायर्न म्युनिख से 1-1 से ड्रॉ खेलकर चैंपियंस लीग फुटबॉल के फाइनल में प्रवेश कर लिया।

सेमीफाइनल के दूसरे चरण के मुकाबले में उस्मान डेम्बेले ने तीसरे ही मिनट में गोल दाग दिया। हैरी केन ने स्टॉपेज टाइम में म्युनिख के लिए गोल किया पर तब तक बहुत देर हो चुकी थी। इसके साथ ही उनकी टीम का एक ही सत्र में बुंडेस्लिगा, जर्मन कप और चैम्पियंस लीग जीतने का सपना टूट गया। गत चैंपियन पीएसजी ने औसत के आधार पर 6-5 से जीत दर्ज की। उसने पेरिस में पिछले सप्ताह पहले चरण का मुकाबला 5-4 से जीता था। अब उसका सामना 30 मई को हंगरी के बुडापेस्ट में आर्सनल से होगा जिसने एटलेटिको मैड्रिड को हराया।

रोबिन्हो जूनियर को थप्पड़ मारने पर नेमार ने मांगी माफी

रियो डी जेनेरियो, एजेंसी

स्टार फुटबॉलर नेमार ने कहा कि उन्होंने हद पार कर दी और उन्होंने अपने सैंटोस टीम-साथी रोबिन्हो जूनियर से ट्रेनिंग सेशन के दौरान उस युवा को थप्पड़ मारने के लिए माफी मांगी। ब्राजील के इस क्लब ने जांच शुरू कर दी थी, जब 18 साल के फॉरवर्ड ने कथित तौर पर नेमार पर रविवार को चेहरे पर ज़ोरदार थप्पड़ मारने का आरोप लगाया था।

यह घटना तब हुई थी जब वह 34 साल के नेमार को ड्रिबल करते हुए पीछे छोड़ गए थे। अब उन्होंने गलतफहमी दूर कर ली है और मंगलवार को कहा कि रे पेले ट्रेनिंग सेंटर में हुई यह घटना पूरी तरह सुलझ गई है। नेमार ने कहा अगर आप मीडिया के सामने माफी चाहते

हैं, तो यह रही नेमार ब्राजील के अब तक के सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं, जिनके नाम 79 गोल हैं। बीबीसी स्पोर्ट के अनुसार, बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन के पूर्व फॉरवर्ड ने मंगलवार को कोपा सुदामेरिकाना में रिकोलेटा के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ रहे मैच में सैंटोस के लिए गोल करने का जश्न मनाते हुए सब्स्टीट्यूट रोबिन्हो जूनियर को गले लगाया।

रोबिन्हो जूनियर उनके पूर्व ब्राजील टीम-साथी और मैनचेस्टर सिटी तथा रियल मैड्रिड के पूर्व अटैकर रोबिन्हो के बेटे हैं।

नेमार ने कहा, हाँ, मैंने जिस तरह से प्रतिक्रिया दी, उसमें मैंने थोड़ी ज्यादा ही प्रतिक्रिया दे दी। यह अलग तरह से हो सकता था, लेकिन आखिर में मैंने अपना आपा खो दिया। हर कोई गलतियाँ करता है। यह मेरी गलती थी, उसकी गलती थी। मैंने थोड़ी बड़ी गलती की। वह एक ऐसा लड़का है जिसे मैं बहुत पसंद करता हूँ, जिसके लिए मेरे मन में खास लगाव है। फुटबॉल में ऐसा होता रहता है - आप अपने दोस्त, अपने भाई से बहस कर लेते हैं। यही फुटबॉल है, यह खेल का ही एक हिस्सा है। रोबिन्हो जूनियर ने कहा कि नेमार को तुरंत एहसास हो गया था कि वह बहुत आगे निकल गए हैं और उन्होंने इस कहा-सुनी के लिए कई बार माफी मांगी।